- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ईसी मतदाता सूची से हटाए वोटरों के नाम करें प्रकाशित - 12

- वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- भारत अमेरिका व्यापार समझौते के करीब- 12

- ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं - 13

- लक्ष्य सेन इंडिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत व प्रणय बाहर- 14

आज का मौसम

17.0° अधिकतम तापमान

6.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.05

सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 10:22 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 16 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 53, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रयागराज : मकर संक्रांति पर संगम में आस्था की डुबकी लगाते श्रद्धालु। ● एजेंसी

गोरखनाथ से संगम तक आस्था का सैलाब

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में उल्लास से मनाया गया मकर संक्रांति–खिचड़ी महापर्व
- सीएम योगी ने बाबा गोरखनाथ को अर्पित की खिचड़ी

अमृत विचार : सामाजिक समरसता और सनातन आस्था का महापर्व मकर संक्रांति–खिचड़ी उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। गोरखनाथ से लेकर संगम तक आस्था का महासैलाब उमड़ पड़ा।

गोरखपुर में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्म मुहूर्त में गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर महायोगी गुरु गोरखनाथ को विधिविधान से खिचड़ी अर्पित की और लोकमंगल, सुख-समृद्धि की कामना की। उधर, प्रयागराज संगम में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने हर-हर गंगे के जयघोष के साथ आस्था की डुबकी लगाई। काशी, अयोध्या, मथुरा समेत पूरे यूपी में महास्नान हुआ।

कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बावजूद प्रयागराज के संगम तट पर आस्था का महाकुंभ देखने को मिला। 'हर-हर गंगे' के जयघोष के साथ श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य स्नान किया। प्रशासन के अनुसार संक्रांति के दिन संगम क्षेत्र में शाम पांच बजे तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने स्नान किया, जबकि कुल संख्या 1.5 से 2 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा के लिए एटीएस कमांडो, पुलिस बल और एआई कैमरों की कड़ी निगरानी रही। कल्पवासियों की साधना और हठयोगियों के तप ने माघ मेले को अलौकिक स्वरूप दिया।

काशी, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट और नैमिषारण्य में उमड़े लाखों श्रद्धालु

वाराणसी में गंगा घाटों पर, अयोध्या में सरयू तट पर, मथुरा में यमुना घाटों पर, वृंदावन में यमुना किनारे, चित्रकूट में मंदाकिनी तट पर और नैमिषारण्य में गोमती नदी के किनारे श्रद्धालुओं ने पुण्य स्नान किया। इसके अलावा बस्ती, बलिया, गाजीपुर, फर्रुखाबाद और कानपुर जैसे जिलों में भी गंगा, सरयू, गोमती और यमुना तटों पर आस्था का जनसैलाब देखने को मिला।

माघ मेले में चर्चा में रहे सतुआ बाबा

माघ मेले में जगतगुरु संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा भी सुर्खियों में रहे। बुलडोजर पर सवारी करते हुए उनका मेला भ्रमण चर्चा का विषय बना। उन्होंने श्रद्धालुओं से 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के महास्नान में बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया।

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली : लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटर पकड़े गए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बाइक सवार दो शार्पशूटरों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि दोनों व्यक्तियों पर राष्ट्रीय राजधानी में हाल ही में हुई गोलीबारी की दो घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। आरोपियों ने सोमवार और मंगलवार की दरम्यानी रात दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी की थी। पकड़े गए आरोपियों में से एक व्यक्ति नाबालिग है और दूसरे की पहचान दीपक के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तरी दिल्ली में एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद दोनों को पकड़ा गया।

जम्मू कश्मीर पुलिस ने पुंछ में आतंकी सरगना की संपत्ति कुर्क की

मेंढर/पुंछ। जम्मू कश्मीर पुलिस ने गुरुवार को पुंछ जिले में, पाकिस्तान में मौजूद एक आतंकी सरगना की अचल संपत्ति कुर्क कर दी। मंडी पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के संबंध में अदालत के निर्देशों के बाद यह कार्रवाई की गई। कुर्क की गई संपत्ति मंडी तहसील में स्थित 10 कनाल और 14 मरला (लगभग 58,261.5 वर्ग फुट) जमीन है, जिसका अनुमानित मूल्य 22.05 लाख रुपये है। यह जमीन चैंबर कनारी निवासी अब्दुल अजीज की है। वह वर्तमान में पाकिस्तान में आतंकी सरगना के रूप में सक्रिय है।

ईडी अधिकारियों पर दर्ज प्राथमिकी पर सुप्रीम रोक, ममता को नोटिस

शीर्ष कोर्ट बोली- एजेंसी के काम में रुकावट न डालें, अन्य शीर्ष अधिकारियों से भी मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने ईडी के इस आरोप को गुरुवार को बेहद गंभीर बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उसकी जांच में बाधा पैदा की। कोर्ट ने इस बात की समीक्षा करने पर सहमति जताई कि क्या किसी राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी गंभीर अपराध के मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं। कोर्ट ने बंगाल में उन ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है जिन्होंने आठ जनवरी को आई-पैक कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारा था।

उसने राज्य पुलिस को छापेमारी की कार्रवाई की सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने मुख्यमंत्री बनर्जी, पश्चिम बंगाल सरकार, डीजीपी राजीव कुमार और शीर्ष पुलिस अधिकारियों को ईडी की उन याचिकाओं पर नोटिस जारी किया है, जिनमें आई-पैक परिसर में छापेमारी में बाधा डालने के आरोप में उनके खिलाफ सीबीआई की जांच का अनुरोध किया गया है। पीठ ने कहा, हमें लगता है कि देश में कानून के शासन का पालन सुनिश्चित करने और प्रत्येक अंग को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति देने के लिए इस मुद्दे की समीक्षा करना आवश्यक है ताकि अपराधियों को किसी विशेष राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की छत्रछाया में संरक्षण न मिल सके। उसने कहा, इसमें बड़े सवाल शामिल हैं और उठाए गए हैं, जिन्हें अगर अनसुलझा छोड़ दिया जाए तो स्थिति और बिगड़ जाएगी तथा अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग संगठनों के शासन को देखते हुए किसी न किसी राज्य में अराजकता की स्थिति बनी रहेगी। कहा कि किसी राजनीतिक दल के चुनावी काम में हस्तक्षेप करने की शक्ति किसी केंद्रीय एजेंसी के पास नहीं है लेकिन साथ ही यदि केंद्रीय एजेंसियां किसी गंभीर अपराध की जांच के लिए सद्भावना से काम कर रही हैं, तो सवाल उठता है कि क्या दलगत गतिविधि की आड़ में एजेंसियों को अपने कर्तव्य निभाने से रोका जा सकता है। मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन फरवरी की तारीख तय की गई है।

आई-पैक छापेमारी मामला

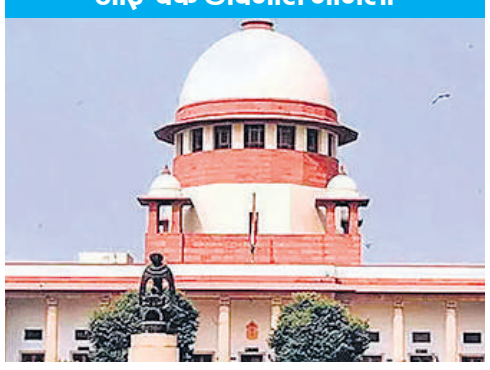

हाईकोर्ट में भीड़ के उमड़ने पर शीर्ष कोर्ट ने जताई चिंता, कहा- जैसे कि यह जंतर-मंतर हो

नई दिल्ली। कलकत्ता हाईकोर्ट में नौ जनवरी को अनियंत्रित भीड़ के कारण हुई अव्यवस्था और हंगामे पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चिंता जताई। ईडी द्वारा आई-पैक के कार्यालय में की गई तलाशी और जब्ती से संबंधित मामलों की निर्धारित सुनवाई हंगामे के कारण स्थगित करनी पड़ी थी। ईडी की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि तृणमूल कांग्रेस के कानूनी प्रकोष्ठ ने व्हाट्सएप संदेश प्रसारित किए थे, जिसमें लोगों से अदालत में इकट्ठा होने के लिए कहा गया था। मेहता ने कहा, कृपया इस मामले में जो हुआ उसे देखें। हमने उच्च न्यायालय का रुख किया। यही होता है जब भीड़तंत्र लोकतंत्र की जगह ले लेता है। उच्च न्यायालय में यही चीज हुई। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में वकील और अन्य लोग अदालत कक्ष में घुस आए और हंगामा किया।

ममता बोलीं-आई-पैक परिसर में सीएम के तौर पर नहीं, बल्कि तृणमूल अध्यक्ष के तौर पर गई थी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शीर्ष कोर्ट से कहा कि वह तृणमूल कांग्रेस के चुनावी कार्य का जिम्मा संभाल रहे प्रतीक जैन के कार्यालय में कुछ अनधिकृत व्यक्तियों के घुसने की सूचना मिलने के बाद आई-पैक परिसर गई थीं। बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि उनकी मुवक्किल आई-पैक के परिसर में मुख्यमंत्री की हैसियत से नहीं, बल्कि तृणमूल की अध्यक्ष के रूप में गई थीं। आई-पैक पश्चिम बंगाल में चुनावों का काम देखता है। पार्टी ने 2021 में आई-पैक के साथ एक औपचारिक अनुबंध किया था। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि ईडी को इसके बारे में पता है। आई-पैक के पास डेटा की एक श्रृंखला रखी है।

भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में जनता है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बनाया है और दुनिया को दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और प्रक्रियाएं उसके विकास को स्थिरता, गति तथा स्तर (स्केल) प्रदान करते हैं। राष्ट्रमंडल देशों की संसद के अध्यक्षों व पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह भी कहा कि भारत में लोकतंत्र सफल है क्योंकि शासन के केंद्र में देश की जनता है।

भारतीय लोकतंत्र एक बड़े पेड़ की तरह है जिसकी जड़ें गहरी हैं। मोदी ने कहा, भारत में, लोकतंत्र का मतलब है अंतिम पायदान तक सेवाओं की पहुंच। उन्होंने कहा कि जन कल्याण की भावना के साथ उठाए गए सरकार के कल्याणकारी कदम बिना भेदभाव के सभी लोगों तक पहुंचते हैं। उन्होंने कहा, इस भावना की वजह से 25 करोड़ लोग पिछले कुछ साल में गरीबी से बाहर आए हैं। भारत में लोकतंत्र सफल है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब भारत को आजादी मिली, तो कई लोगों को संदेह था कि देश की इतनी अधिक विविधता के बीच लोकतंत्र टिक पाएगा या नहीं। हालांकि, यही विविधता भारतीय लोकतंत्र की शक्ति बन गई। प्रधानमंत्री ने कहा, यह भी संशय था कि लोकतंत्र ने जड़ें जमा भी लीं, तो भी भारत को आगे बढ़ने में मुश्किल होगी।

भारत दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा इस्पात निर्माता भी है और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इकोसिस्टम है। मोदी ने कहा कि देश में तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार, चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क है। यह सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा धान उत्पादक देश भी है।

ईरान में फंसे भारतीयों को निकालेगी केंद्र सरकार, बनाई आपात योजना

नई दिल्ली। ईरान में नाजुक हालात के मद्देनजर सरकार ने वहां से भारतीयों को निकालने की तैयारी तेज कर दी है। वहीं अमेरिका ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर तेहरान की कार्रवाई के जवाब में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की संभावना से इनकार नहीं किया है।

भारत ने बुधवार को ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने और वहां की यात्रा न करने का आग्रह किया। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र सरकार नागरिक और सैन्य परिवहन विमानों का उपयोग कर भारतीयों को वापस लाने के विकल्प पर भी विचार कर रही है। एक अनुमान के अनुसार, विद्यार्थियों सहित लगभग 10,000 भारतीय वर्तमान में ईरान में रह रहे हैं। बुधवार को तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिकों से उपलब्ध परिवहन साधनों के जरिये ईरान छोड़ने का आग्रह किया।

कंटेनर से टकराया एआई का विमान, इंजन क्षतिग्रस्त

नई दिल्ली, एजेंसी

- पार्किंग के लिए ले जाते समय कोहरे के कारण हुआ हादसा, यात्री-क्रू सुरक्षित

दिल्ली हवाई अड्डे पर गुरुवार को सुबह घने कोहरे के बीच, कार्गो कंटेनर से टकराकर एअर इंडिया का ए350 विमान का दाहिना इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। एयरलाइन ने कहा कि विमान को विस्तृत जांच के लिए उड़ान सेवा से अस्थायी रूप से हटा दिया गया है और ए350 विमान की उड़ान वाले कुछ मार्गों पर संभवतः व्यवधान आ सकता है।

एयरलाइन ने कहा, दिल्ली से न्यूयॉर्क (जेएफके) जाने वाली उड़ान एआई101 को ईरान के हवाई क्षेत्र के अप्रत्याशित रूप से बंद होने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद, दिल्ली लौटना पड़ा, जिससे उसका निर्धारित मार्ग प्रभावित हुआ। दिल्ली में उतरने पर, घने कोहरे के बीच, विमान को टर्मिनल तक ले जाने के दौरान यह एक वस्तु से टकरा गया, जिसके परिणामस्वरूप उसके दाहिने इंजन को नुकसान पहुंचा। विमान को निर्धारित पार्किंग स्थल पर सुरक्षित रूप से खड़ा कर दिया गया, जिससे विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

मायावती की प्रेस कॉन्फ्रेंस में शॉर्ट सर्किट से अफरा-तफरी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की गुरुवार को प्रेसवार्ता समाप्त होने के ठीक पहले अचानक शॉर्ट सर्किट से हो गई। हॉल में धुआं फैल गया, जिससे कुछ क्षणों के लिए मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

हालांकि मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत स्थिति संभाल ली। अग्नि सुरक्षा उपकरणों का तत्काल उपयोग किया गया, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई। सुरक्षाकर्मियों ने घेरा बनाकर मायावती को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट को तकनीकी खराबी से जुड़ा बताया जा रहा है। घटना के बाद कुछ देर के लिए कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई।

एग्जिट पोल में बीजेपी-शिंदे सेना का बीएमसी पर कब्जा

मुंबई, एजेंसी

- उद्धव और राज ठाकरे रहेंगे विपक्ष में, शाम साढ़े पांच बजे तक 50 प्रतिशत हुआ मतदान

महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में गुरुवार को वोटिंग खत्म हो गई है। मतदान के बाद आए बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के 3 एग्जिट पोल में भाजपा गठबंधन को बहुमत मिलने का अनुमान है। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को 130 से 150 सीटें मिल सकती हैं।

बहुमत के लिए 114 की जरूरत है। वहीं, कांग्रेस गठबंधन को 60 सीटें मिलने का अनुमान है। अन्य के खाते में 5 से 7 सीटें आ सकती हैं। नतीजे शुक्रवार को आएंगे। स्टेट इलेक्शमन कमिश्नर दिनेश वाघमारे ने कहा कि सभी नगर निगम में शाम 5:30 वोटिंग खत्म हुई। करीब 50% मतदान का अनुमान है हालांकि अंतिम आंकड़े बाद में जारी होंगे।

उंगली की स्याही मिटाने का वीडियो वायरल होने पर बवाल, जांच शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्य निर्वाचन आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि बीएमसी चुनाव में मतदान के दौरान उंगलियों पर लगाई गई स्याही लोगों द्वारा मिटाए जाने के वायरल वीडियो की जांच चल रही है और झूठा विमर्श फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर आम मतदाताओं, नेताओं के ऐसे कई वीडियो सामने आये, जिनमें वे मतदान के बाद अपनी उंगलियों पर लगी पक्की स्याही को एसीटोन से मिटाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वाघमारे ने कहा कि स्याही को सूखने में समय लगता है और इसे मिटाना नहीं चाहिए।

पहल योगी सरकार ने किसानों को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाने के दिए निर्देश, 2025-26 में बीमा, प्रशिक्षण व आईटी पर होगा खर्च

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 96.92 करोड़ स्वीकृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा देने और फसल नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। शासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 96.92 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को मजबूती मिलेगी और अधिक से अधिक किसानों को बीमा सुरक्षा के दायरे में लाया जा सकेगा।

वर्तमान रबी सीजन (2025-26) में किसानों के बीच इस योजना के प्रति भारी उत्साह है। प्रदेश के नौ लाख से अधिक हेक्टेयर क्षेत्र को इस बीमा के दायरे में लाया जा चुका है। योजना की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि रबी फसलों के लिए किसानों को कुल प्रीमियम का मात्र 1.5 प्रतिशत हिस्सा देना होता है, जबकि शेष बड़ी धनराशि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर वहन करती है। कृषि विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार धनराशि का सबसे बड़ा हिस्सा 93.88 करोड़ रुपये सब्सिडी मद के लिए निर्धारित किया गया है। इससे किसानों के बीमा प्रीमियम का भार कम होगा और बीमा कवरेज का दायरा बढ़ेगा। सरकार का मानना है कि प्रीमियम सब्सिडी मिलने से अधिक किसान योजना से जुड़ेंगे और प्राकृतिक आपदाओं के समय उन्हें समय पर राहत मिल सकेगी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के सुचारु संचालन के लिए प्रशासनिक और तकनीकी मदों में भी खर्च का प्रावधान किया गया है। इसके तहत यात्रा व्यय के लिए 32 लाख, कार्यालय व्यय 40 लाख, फॉर्म व सामग्री की छपाई पर 40 लाख, फर्नीचर एवं उपकरणों पर 32 लाख, वाहनों के अनुरक्षण एवं पेट्रोल पर 40 लाख, प्रशिक्षण व्यय पर आठ लाख और कंप्यूटर हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर समेत उनके अनुरक्षण पर 40-40 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इससे जिला और राज्य स्तर पर योजना के क्रियान्वयन, निगरानी और प्रशिक्षण व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

8.5 साल में 5679 करोड़ की क्षतिपूर्ति

आंकड़ों पर गौर करें तो वर्ष 2016-17 से लेकर 2024-25 तक प्रदेश के 73.79 लाख किसानों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाया गया है। इन वर्षों में कुल 5679.26 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के अनुसार, चालू वर्ष 2025-26 के खरीफ सीजन में भी अब तक 2.70 लाख किसानों को 215.40 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। 31 दिसंबर आवेदन की अंतिम तिथि तय थी।

कड़े वित्तीय अनुशासन के निर्देश

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाएगा। राशि का आहरण आवश्यकता के अनुसार चरणबद्ध होगा, एकमुश्त निकासी की अनुमति नहीं होगी। किसी भी स्थिति में अनधिकृत या अतिरिक्त व्यय नहीं किया जाएगा। योजना के अंतर्गत व्यय की शुद्धता और जवाबदेही कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश की होगी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

महिला के सोशल मीडिया पर डाले फोटो

पीलीभीत, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी दो दिसंबर 2025 को हुई थी। आरोप है कि गांव का ही रहने वाला मनोज कुमार सोशल मीडिया फेसबुक पर उसकी आपत्तिजनक फोटो डालता है। जिससे उसकी छवि खराब हो रही है। इसकी शिकायत उसने जब आरोपी से की, तो आरोपी ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सत्येंद्र कुमार ने बताया कि विवेचना कराई जा रही है।

पड़ोस में गई किशोरी लापता, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 13 जनवरी को रात आठ बजे उसकी 16 वर्षीय पुत्री अपने घर से पड़ोस में रहने वाली ताई के घर टीवी देखने जाने की बात कह कर निकली थी। काफी समय होने तक जब वह वापस नहीं आई तो उन्होंने पड़ोस में जाकर जानकारी की। जिस पर पता चला कि उसकी पुत्री उसके घर पर गई नहीं थी। उसने अपनी पुत्री की काफी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। उसकी पुत्री को कोई अज्ञात युवक बहलाफुसला कर ले गया। पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर किशोरी की बरामदगी के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

आज और कल स्कूल रहेंगे बंद

पीलीभीत, अमृत विचार : शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने कक्षा एक से आठ तक के समस्त स्कूलों में 16 और 17 जनवरी का अवकाश घोषित किया है। हालांकि शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी स्कूल पहुंचकर कामकाज देखेंगे। सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए है।

रेलवे स्टेशन चौराहा पर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते लोग। ● अमृत विचार

रेलवे स्टेशन रोड पर खिचड़ी बांटता किन्नर समाज। ● अमृत विचार

पंचमुखी हनुमान मंदिर में जरुरतमंदों को कंबल बांटते लोग। ● अमृत विचार

मकर संक्रांति पर पूजा-अर्चना कर किया दान, आयोजित हुए भंडारे

खिचड़ी तो कहीं बांटा गया पूड़ी सब्जी का प्रसाद, धार्मिक स्थलों पर भी सुबह से ही उमड़े लोग, गूंजते रहे भजन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिलेभर में मकर संक्रांति का पर्व गुरुवार को श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। श्रद्धालुओं ने परंपरा को कायम रखते हुए पवित्र नदियों और तीर्थों में स्नान कर सूर्य को अर्घ्य देने के बाद भगवान शिव का जलाभिषेक किया। सूर्य की उपासना करने के बाद सुबह से ही खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। श्रद्धा के अनुसार जरूरतमंदों और पुरोहितों को खिचड़ी, ऊनी वस्त्र व अन्य सामान दान किया।

मकर संक्रांति के मौके पर सुबह से ही मंदिरों में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। ब्रह्म मुहूर्त से ही गौरीशंकर मंदिर, सत्यनारायण मंदिर, अर्द्धनारीश्वर मंदिर, दूधिया नाथ मंदिर, गांधी स्टेडियम रोड पर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर समेत जिलेभर के मंदिरों में श्रद्धालु पहुंचे। भक्तों ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख समृद्धि की कामना की। दोपहर बाद तक मंदिरों में भीड़ बनी रही। मौसम सर्द होने के बावजूद दिनभर श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहा।

धार्मिक स्थलों में पूजन के बाद खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। बल्लभनगर कॉलोनी, लाला लाजपत बरातघर, स्टेशन रोड, गौहनिया चौराहा, माधोटांडा रोड, कोतवाली रोड, खकरा, अग्रवाल सभा, रेलवे स्टेशन रोड, जेपी रोड समेत विभिन्न स्थानों पर सामूहिक खिचड़ी भोज का भंडार आयोजित किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया गया।

अखिल भारत हिंदू महासभा के कार्यकर्ताओं की ओर से छतरी चौराहा के पास खिचड़ी वितरित की गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष पंकज शर्मा, युवा विंग जिलाध्यक्ष गौरव शर्मा, आयुष सक्सेना आदि सेवा में जुटे रहे। मोतीराम चौराहा, नेहरू पार्क, गोदावरी स्टेट कॉलोनी आदि पर भी भंडारा हुआ। रेलवे स्टेशन रोड पर मधुवन कॉलोनी के पास दीपा किन्नर, सौरभ किन्नर, हिना किन्नर, पिंकी किन्नर आदि ने खिचड़ी वितरण किया गया। मंडी समिति पीलीभीत में भी हुए खिचड़ी वितरण में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव प्रताप सिंह, मंडी सचिव प्रवीण कुमार अवस्थी आदि मौजूद रहे।

छतरी चौराहा स्थित हनुमान मंदिर के पास खिचड़ी बांटते हिंदू महासभा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

बिलसंडा में कंबल वितरण करते विक्रम नरेश जायसवाल। ● अमृत विचार

अलायंस क्लब ने चाय और बिस्कुट बांटे

अलायंस क्लब मधुबन मैत्री एवं मिलन द्वारा ज्वाइंट रूप से चार्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मधु कुमार की अध्यक्षता में स्टेशन रोड स्थित द्वारिकाधीश मंदिर के बाहर अलाव जलाकर राहगीरों को ठंड से राहत प्रदान करने का प्रयास किया गया। राहगीरों को गर्म चाय और बिस्कुट भी प्रदान किए गए। इस मौके पर सोनी, मिथलेश शर्मा, शशि मैनी, कंचन सक्सेना, नीता अग्रवाल, निशा सक्सेना, रश्मि सक्सेना, रानी गुप्ता, दीपा सरीन, बबिता अग्रवाल, पंकज सक्सेना, अनिल मैनी आदि का सहयोग रहा।

बिलसंडा में भी कई जगह हुए भंडारे, कंबल बांटे

बिलसंडा, अमृत विचार : नगर में मकर संक्रांति के पर्व के अवसर पर कई जगह खिचड़ी भोज के कार्यक्रम आयोजित किए गए। समाजसेवी विक्रम नरेश जायसवाल ने अपने आवास पर जरूरतमंद लोगों को गर्म चाय, बिस्कुट और खिचड़ी वितरित की। कंबल और जैकेट भी बांटे गए। इस मौके पर आशीष जायसवाल, शोभना जायसवाल, रोली जायसवाल, डॉ गौरव शुक्ला, सतनाम सिंह, पायल गुप्ता आदि मौजूद रहे। वहीं, नहर आश्रम, जादौपुर गेट, खदनियां बाबा देवस्थल, श्रीसिद्धनाथ आश्रम आदि पर भी स्टाल लगाकर खिचड़ी भोज कराया गया।

सप्ताह भर से लुढ़क रहा तापमान, बढ़ रही गलन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : तराई में ठंड ने आमजन की दिनचर्या पूरी तरह से प्रभावित कर दी है। बीते आठ दिनों से न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जिससे गलन और सर्द हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया है। गुरुवार को भी न्यूनतम तापमान तीन डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि अधिकतम 13 डिग्री पर पहुंच गया। हालात ऐसे हैं कि दिन निकलने के बाद भी ठिठुरन कम नहीं हो रही और ठंड से राहत मिलती नजर नहीं आ रही। कुछदेर की धूप राहत नहीं दे सकी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आगे भी मौसम खराब रहने की उम्मीद है।

जिले में सर्दी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते आठ दिनों से न्यूनतम तापमान तीन से चार डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है।

गौहनिया चौराहा पर कोहरे के बीच से गुजरते वाहन और छाया कोहरा। ● अमृत विचार

- सुबह से दोपहर तक छाया रहा कोहरा, कुछ देर को निकली धूप
- 3 से 4 के बीच चल रहा तापमान, अधिकतम में गिरावट

गुरुवार को भी सुबह से दोपहर तक घना कोहरा छाया रहा, जिससे दृश्यता काफी कम रही। दोपहर के समय कुछ देर के लिए सूर्य के दर्शन जरूर हुए, लेकिन धूप इतनी कमजोर रही कि ठंड और गलन पर कोई खास असर नहीं डाल सकी। जिसके बाद फिर मौसम ठंडा हो गया। गलन और बर्फीली हवा ने ठिठुरन छुड़ा दी। ऐसे में लोग सुबह और शाम के समय लोग बेहद जरूरी कामों के अलावा घरों से निकलने से बच रहे हैं। बाजारों में भी सन्नाटा पसरा नजर आ रहा है।

ठंड का असर स्वास्थ्य पर भी साफ दिखने लगा है। जिला अस्पताल समेत निजी अस्पतालों में सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार और सांस की परेशानी से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। खासकर बुजुर्गों और बच्चों को अधिक दिक्कत हो रही है। डॉक्टरों ने लोगों को सुबह-शाम घर से निकलने में सावधानी बरतने और गर्म कपड़ों के इस्तेमाल की सलाह दी है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस एस ढाका ने बताया कि गुरुवार को अधिकतम तापमान 13.09 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 3.02 डिग्री पर पहुंच गया। जबकि बुधवार को अधिकतम 12.1 और न्यूनतम 3.08 डिग्री पर रहा। यह तापमान आठ जनवरी से बना हुआ है। इन आठ दिनों में न्यूनतम तापमान तीन से चार डिग्री के बीच बना रहा। आने वाले दिनों में भी राहत की उम्मीद कम है। अभी कोहरा और गलन बने रहने की संभावना है। धूप और कोहरा बना रहेगा।

सप्ताह भर इस तरह रहा तापमाप

दिन	तापमान डिग्री सेल्सियस	
08 जनवरी	अधिकतम 14.1	न्यूनतम 4.2
09 जनवरी	अधिकतम 14.6	न्यूनतम 4.1
10 जनवरी	अधिकतम 15.9	न्यूनतम 3.8
11 जनवरी	अधिकतम 17.3	न्यूनतम 4.9
12 जनवरी	अधिकतम 15.2	न्यूनतम 3.9
13 जनवरी	अधिकतम 16.2	न्यूनतम 4.1
14 जनवरी	अधिकतम 12.1	न्यूनतम 3.8
15 जनवरी	अधिकतम 13.6	न्यूनतम – 3.2

ट्रैक्टर-ट्रॉली और ई-रिक्शा की टक्कर

बरखेड़ा, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के गांव उगनपुर निवासी 20 वर्षीय धीरज कुमार पुत्र पीतमलाल गुरुवार को दोपहर बाद गजरौला से ई रिक्शा लेकर घर वापस लौट रहे थे। ई-रिक्शा बरखेड़ा से गजरौला को जाने वाले मार्ग पर गांव पिपरिया भजा के पास पहुंचा। सामने से आ रही ट्रैक्टर ट्राली के चालक ने टक्कर मार दी। जिससे धीरज कुमार घायल हो गए। ट्रैक्टर चालक भाग गया। घायल को सीएचसी से हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

अब काशीपुर के लिए शुरू हुई बस

पीलीभीत, अमृत विचार: जनपदवासियों को अब पीलीभीत से काशीपुर तक सफर करना आसान होगा। परिवहन निगम की ओर से स्थानीय रोडवेज डिपो से काशीपुर तक के लिए सीधी बस सेवा शुरू कर दी गई। बता दें कि जनपदवासियों द्वारा काशीपुर तक के लिए रोडवेज बस चलाने की मांग की जा रही थी। जिसके बाद डिपो प्रशासन की ओर से उक्त मार्ग पर बस संचालन को लेकर पत्राचार किया गया था। मुख्यालय स्तर से बस संचालन की अनुमति दे दी गई। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक विपुल पाराशर ने बताया कि काशीपुर तक के लिए बस का संचालन शुरू किया गया है। यह बस को सुबह 10 बजे पीलीभीत डिपो से अमरिया, सितारगंज, रुद्रपुर होते हुए काशीपुर पहुंचेगी। वापसी में यह बस काशीपुर से दोपहर 2.30 बजे पीलीभीत के लिए रवाना होगी।

न्यूज डायरी

सांसद डिंपल यादव का जन्मदिन मनाया, खिचड़ी बांटी

पीलीभीत, अमृत विचार : समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार के सांसद डिंपल यादव का जन्मदिन मनाया। इस दौरान मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में खिचड़ी भी बांटी गई। पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के गाम घुंघचिहाई में समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार राजू की अगुवाई में कार्यक्रम हुआ। सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा बतौर अतिथि शामिल हुए। व्यवस्थाएं प्रशांत अवस्थी की आसेर से संभाली गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मकर संक्रांति और सपा सांसद डिंपल यादव के जन्मदिन पर आयोजित खिचड़ी भोज सामाजिक समरसता और जनसेवा का प्रतीक है। इस मौके पर ओम शर्मा, पुष्पा, भगवान दीन वर्मा, रजनीश यादव, दिनेश वर्मा, ओमकार भारती, विक्रांत, सुनील आदि मौजूद रहे।

विहिप ने किया खिचड़ी भोज

पीलीभीत, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद की ओर से समरसता दिवस पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया। स्टेशन रोड पर स्थित नगर अध्यक्ष महेश पाठक की दुकान के पास खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। सभी वर्गों के लोगों ने एक साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया, जिससे सामाजिक समरसता और भाईचारे की भावना को बल मिला। कहा कि समरसता दिवस समाज में आपसी प्रेम, समानता और एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से सामाजिक भेदभाव समाप्त होता है और हिंदू समाज एक सूत्र में बंधता है।

बिलसंडा पहुंचे अभिनेता सुदेश बेरी

बिलसडा, अमृत विचार : बॉलीवुड अभिनेता सुदेश बेरी गुरुवार को कस्बा बिलसंडा पहुंचे। उनका लोगों ने बुके देकर स्वागत किया। बीसलपुर रोड पर एक कपड़ा शोरूम का भी उदघाटन किया। हवन पूजन में शामिल हुए। उनसे मिलने के लिए लोग पहुंचे और सेल्फी भी लीं। इस मौके पर पंडित संतोष मिश्रा, सत्येंद्र शुक्ला मनु, आशीष सक्सेना एडवोकेट, अवनीश जायसवाल, मोहम्मद रेहान, राजीव राठौर, जान मोहम्मद, तुषार गुप्ता, रामवीर मिश्रा, मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बरखेड़ा में भी कई जगह हुए भंडारे, उमड़े श्रद्धालु

बरखेड़ा, अमृत विचार : मकर संक्रांति पर गुरुवार को बरखेड़ा में भी कई जगह भंडारे आयोजित किए गए। नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल ने कस्बे में दौलतपुर मार्ग पर स्थित निजी कार्यालय पर खिचड़ी सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में में लोगों ने पहुंचकर खिचड़ी का प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर राजेश सक्सेना, कमरुल हसन, मोहम्मद इलियास, मोहम्मद इमरान, श्रीपाल, नरेश मौर्य, उत्तम अग्रवाल, मनोज सक्सेना, संतोष भारती, राम नरेश वर्मा आदि मौजूद रहे। इसके अलावा कस्बे में स्थित शेरबुड हाई सेकेंडरी स्कूल मकर संक्रांति के पर्व पर विद्यालय प्रबंधक डॉ नरेंद्र कुमार गंगवार की ओर से खिचड़ी भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व ब्लाक प्रमुख अशोक गंगवार, संजीव गंगवार, नागेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट, प्रधानाचार्य नंदराम, हरेंद्र कुमार, हरीश कुमार, मोहित कुमार, मुकेश कुमार, राजकुमार, प्रदीप कुमार, बंशीधर, अजय पाल, जसवीर आदि मौजूद रहे।

पीएमश्री स्कूलों में बच्चों के लिए बाल वाटिका आरोहण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- 15 फरवरी से 15 मार्च तक होगा आयोजन, अभिभावकों की रहेगी भागीदारी

अमृत विचार : पीएम श्री योजना के अंतर्गत जिले के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े विद्यालयों में बालवाटिका आरोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शैक्षिक सत्र की समाप्ति से पहले 15 फरवरी से 15 मार्च 2026 के बीच विद्यालय स्तर पर कराया जाएगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की सीखने की प्रगति को प्रदर्शित करना और अभिभावकों को प्री-प्राइमरी शिक्षा के महत्व से जोड़ना रहेगा।

शासन के निर्देश पर को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों पर बालवाटिका आरोहण कार्यक्रम चलेंगे। इस कार्यकम के तहत बालवाटिका आरोहण कार्यक्रम में बच्चे कविता पाठ, कहानी सुनाना, लघुनाटिका जैसी गतिविधियों के माध्यम से अपनी सीख और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करेंगे। बच्चों की प्रगति की जानकारी अभिभावकों को होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड के माध्यम से दी जाएगी, जिससे उन्हें बच्चों के सर्वांगीण विकास की सही समझ मिल सके। साथ ही छह वर्ष की आयु पूरी कर चुके बच्चों का कक्षा एक में नामांकन और प्रवेश सुनिश्चित कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अभिभावकों और समुदाय के लोगों को आंगनबाड़ी और बालवाटिका में दी जा रही गतिविधि आधारित शिक्षा, नियमित उपस्थिति और नामांकन के महत्व के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। साथ ही तीन से छह वर्ष के बच्चों के सीखने-सिखाने में माता-पिता की भूमिका और ईसीसीई एजुकेटर, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, नोडल शिक्षक और प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारियों की जानकारी दी जाएगी। इसको लेकर राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा मोनिका रानी ने आदेश जारी किया है। प्रत्येक पीएम श्री विद्यालय को बालवाटिका आरोहण कार्यक्रम के आयोजन के लिए एक हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

इस धनराशि से बालवाटिका की सजावट, मंच, माइक, टीएलएम प्रदर्शनी, स्वच्छता मानकों के अनुसार जलपान और निपुण बच्चों को पुरस्कार देने की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम के सफल संचालन की पूरी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक की होगी। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यक्रम की तिथि निर्धारित कर निगरानी करेंगे, जबकि नोडल एसआरजी स्तर से अनुश्रवण किया जाएगा। आयोजन के बाद फोटो सहित संक्षिप्त रिपोर्ट विद्यालय में सुरक्षित रखी जाएगी और राज्य स्तर पर ऑनलाइन माध्यम से जानकारी उपलब्ध कराई।

20.87 लाख रुपये से बनेगा संपर्क मार्ग

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बिलगवां देशनगर गौटिया संपर्क मार्ग का निर्माण 20.87 लाख रुपये से किया जाएगा। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने इसका शिलान्यास किया गया। इस दौरान उनका ग्रामीणों द्वारा स्वागत भी किया गया।

मरौरी ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम बिलगवां से देशनगर गौटिया संपर्क मार्ग के सुधार की मांग लंबे समय से स्थानीय लोगों के द्वारा की जा रही थी। जिसके बाद इसके निर्माण की स्वीकृति कराई गई। गुरुवार को राज्यमंत्री पहुंचे और शिलान्यास किया। करीब एक किमी लंबाई की इस सड़क का निर्माण होने से कई गांवों के लोगों को राहत मिलेगी। राज्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए प्रयत्नशील है। ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मार्ग निर्माण करने वाली कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीसी रोड का निर्माण गुणवत्तापरक होना चाहिए। किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर गंगाप्रसाद, मानसिंह, नरेंद्र कुमार, ओमप्रकाश वर्मा, हरिशंकर, वेदप्रकाश, थान सिंह मौर्य आदि मौजूद रहे।

सड़क का शिलान्यास करते राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार। ● अमृत विचार

- राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने किया शिलान्यास

छात्राओं ने किया खिचड़ी भोज

दियोरियाकलां, अमृत विचार: मकर संक्रांति पर एजीएम इंटर कॉलेज बिहारीपुर हीरा में खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। समस्त स्टाफ एवं छात्र छात्राओं ने खिचड़ी भोज का आनंद लिया। संरक्षक एलपी गंगवार, प्रबंधक सर्वेश गंगवार, प्रधानाचार्य पंकज कुमार गंगवार, उपप्रधानाचार्य ओविद प्रकाश शुक्ला, कार्यालय अधीक्षक सुनील कुमार, मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

उधार के रुपये मांगने पर महिला को पीटा

संवाददाता, पीलीभीत

- पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : थाना अमरिया क्षेत्र के एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पांच जनवरी को गांव का ही राकेश पुत्र तिलकराम उसकी दुकान के सामने आया। जब उसने आरोपी से उधार के रुपये मांगे तो वह गाली गलौज करने लगा। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने मारपीट करना शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपी युवक ने आपत्तिजनक हरकतें की। इससे महिला काफी परेशान हो गई। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए चला गया। छह जनवरी को शाम सात बजे आरोपी दोबारा उसकी दुकान पर आकर गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। एसओ अमरिया अमित सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

जिले में आज

- हिंदू सम्मेलन की सफलता के लिए झंडे वाले चौराहा से संध्या फेरी शाम 05 बजे।
- शाही जामा मस्जिद में जुमे की नमाज दोपहर 1.30 बजे।
- भाकियू लोकशक्ति की मासिक पंचायत रामलीला मैदान में सुबह 11 बजे से।
- सूपी बोर्ड की प्री-बोर्ड परीक्षा सुबह 10 बजे से।
- सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता कार्यक्रम सुबह 10 बजे से।
- पावर कॉरपोरेशन की ओर से बिजली बिल राहत योजना के शिविर सुबह 10 बजे से।

न्यूज ब्रीफ

बाइक की टक्कर से वृद्धा की मौत

गजरौला, अमृत विचार : गजरौला थाना क्षेत्र ग्राम बकैनिया निवासी 65 वर्षीय रामकली पत्नी बाबूराम गुरुवार शाम करीब पांच बजे सड़क करे किनारे खड़ी थीं। इस बीच सुहास की तरफ से आ रहे बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें महिला गंभीर रुप से घायल हो गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कुछदेर में भीड़ जमा हो गई। परिवार वाले भी आ गए। सूचना पुलिस को दी गई। बाइक छोड़कर उसका चालक भाग गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसओ ब्रजवीर सिंह ने बताया कि बाइक को कब्जे में ले लिया है। बाइक नंबर के आधार पर चालक का पता लगाया जा रहा है।

रंजिशन दो पक्षों में मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

बीसलपुर, अमृत विचार : ग्राम भसूड़ा में पुरानी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक पक्ष से ग्राम भसूड़ा निवासी अनीस अहमद ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि 14 जनवरी को दोपहर 12 बजे पुरानी रंजिश के चलते गांव के जीशान, रुखसाद, अशफाक, अबरार, इकबाल, निसार, निसाम, इशाक, रज्जाक ने हमला कर दिया। बांके से वार कर नफीस और यासीन को घायल कर दिया। जिनका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। उधर, दूसरे पक्ष से रुखसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह बाइक से अगौला लेने जा रहा था। आरोपी अनीस, इशितयाक, नफीस मोहम्मद आसीन और एहसान ने हमला कर दिया। पुलिस क्रॉस रिपोर्ट दर्जकर जांच कर रही है।

11 घंटे जमीन पर पड़ी कराहती रही प्रसूता

दूसरे दिन मिला बेड, बरखेड़ा सीएचसी के महिला वार्ड का मामला, बुधवार देर रात पहुंची थी महिला

संवाददाता, बरखेड़ा (पीलीभीत)

सीएचसी में महिला वार्ड के बाहर लेटी गर्भवती महिला के वीडियो से लिया स्क्रीन शॉट।

अमृत विचार : स्वास्थ्य सेवाओं के दावों के विपरीत जमीनी हकीकत की एक तस्वीर सामने आई। जिसमें जिम्मेदारों की संवेदनहीनता उजागर कर दी। बरखेड़ा सीएचसी के महिला वार्ड में बुधवार देर रात प्रसव पीड़ा से कराहती एक गर्भवती को इलाज तो दूर, बेड तक नसीब नहीं हुआ। बेड न मिलने के कारण वह करीब 11 घंटे तक अस्पताल की ठंडी जमीन पर लेटी रही, हर गुजरते पल के साथ उसका दर्द और बेबसी बढ़ती गई। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे एमओआईसी ने तत्काल उसे बेड उपलब्ध कराया। हालांकि अभी तक महिला का प्रसव नहीं हुआ है। इस संवेदनहीनता को लेकर स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाएं एक बार फिर गंभीर आरोप में घिर गई हैं।

- पूरे मामले का एमओआईसी ने लिया संज्ञान

बरखेड़ा क्षेत्र के गांव मोहम्मदगंज अमखिड़िया निवासी ढाकनलाल उर्फ सोनू ने बताया कि बुधवार की रात ढाई बजे उनकी पत्नी पूनम को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। इस पर परिवार वाले उसे एंबुलेंस से सीएचसी लेकर पहुंचे थे। अस्पताल में मौजूद स्टाफ नर्स निशा व रेनू ने केवल नाम दर्ज कर लिया और कोई इलाज नहीं किया। परिजन का आरोप है कि वार्ड में बेड खाली न होने के कारण गर्भवती को वार्ड में भर्ती भी नहीं किया। ऐसे में मजबूरन ठिठुरती ठंड के बीच घर से बिस्तर लेकर आए परिजनों ने गैलरी के सामने ही गर्भवती को लिटा दिया और परिजन भी रात पर वहीं बैठे ठिठुरते रहे।

गुरुवार सुबह स्टाफ रेनू भी घर चली गई। मगर उन्हें बेड नहीं मिल सका। रात ढाई बजे से दूसरे दिन गुरुवार दोपहर 12 बजे तक गैलरी में गर्भवती को परिवार वाले लिटाए रहे। इसी बीच किसी ने गर्भवती का सर्दी के बीच जमीन पर लेटे हुए का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को भी वीडियो भेज दिया। वीडियो वायरल होने के बाद खलबली मच गई। सूचना पर पहुंचे एमओआईसी डॉ. लोकेश गंगवार ने फजीहत को देखते हुए स्टाफ की फटकार लगाई। आनन-फानन में गर्भवती को वार्ड में बेड उपलब्ध कराया। करीब11 घंटे बाद उसे बेड नसीब हो सका। फिलहाल अभी महिला का प्रसव नहीं हुआ है।

जिम्मेदार दे रहे 10 बेड का तर्क, बाकी कहां गए

सीएचसी बरखेड़ा में प्रसूता के जमीन पर लिटाने का वीडियो वायरल होने के बाद जिम्मेदार अपनी साख बचाने में लगे हुए हैं। जिम्मेदार तर्क दे रहे हैं कि महिला वार्ड में सिर्फ 10 बेड की व्यवस्था है। इसलिए समस्या आ रही है। हालांकि एक मरीज को दूसरे वार्ड में शिफ्ट करते हुए उसे महिला वार्ड में भर्ती कर लिया गया है। मगर सवाल यह है कि क्या पूरी सीएचसी में सिर्फ 10 ही बेड थे। वीडियो वायरल होने के बाद जब अन्य मरीज को शिफ्ट कर प्रसूता को बेड दिलाया गया। तो यहां क्या पहले व्यवस्था नहीं हो सकती थी। क्या पूरे अस्पताल में कोई बेड उपलब्ध नहीं था? सवाल तमाम है मगर जिम्मेदारों का तर्क सिर्फ महिला वार्ड में बेड कम होने का है।

> महिला वार्ड में दस बेड हैं, जबकि 11 मरीज थे। जानकारी मिलने पर दोपहर में एक अन्य वार्ड में मरीज को शिफ्ट कर प्रसूता को महिला वार्ड में बेड पर भर्ती कराया गया है। स्टाफ की फटकार लगाई गई है। – डॉ. लोकेश गंगवार, एमओआईसी बरखेड़ा।

परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से हाईटेंशन लाइन हो रहीं शिफ्ट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जिले के 108 विद्यालयों में से 95 विद्यालयों का काम पूरा

अमृत विचार : जिले के परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए शासन और प्रशासन ने कदम उठाया है। विद्यालय परिसरों के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइनों को हटाकर शिफ्ट किया जा रहा है, ताकि किसी भी संभावित हादसे से बचा जा सके। अब तक 108 में से 95 विद्यालयों में यह कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष विद्यालयों में काम तेजी से जारी है। वहीं, बढ़ते विद्युत लोड को देखते हुए पूरनपुर और बीसलपुर क्षेत्रों में नए ट्रांसफार्मर लगाए जाने की भी तैयारी है।

जिले के 1508 परिषदीय विद्यालयों में से करीब 108 परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजर रही थी। जिसकी वजह से हादसे की संभावना बनी रहती थी। कई बार तार भी टूट चुके थे। इसको लेकर बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से लाइन शिफ्ट करने के लिए पावर कारपोरेशन को पत्राचार किया गया था। जिस पर संज्ञान लेते हुए पावर कारपोरेशन की ओर से लाइन शिफ्टिंग का कार्य शुरु कर दिया गया है। अभी तक 108 में 95 विद्यालयों की लाइनें शिफ्ट कर दिया गया है। यह स्कूल पूरनपुर, अमरिया, और बीसलपुर क्षेत्र में है। जहां काम चल रहा है। इसमें जल जीवन मिशन ईवी चार्जिंग स्टेशन आदि भी शामिल रही। इसके अलावा विद्युत वितरण खंड की ओर से पूरनपुर और बीसलपुर में बिजली का लोड अधिक होने के कारण ट्रांसफॉर्मर फूंकने की समस्याएं आए दिन सामने आती रहती थी। इसको लेकर भी दोनों स्थानों पर 10 और 16 केवीए ट्रांसफॉर्मर भी स्थापित होने हैं। इसे लेकर इंटेंडर भी अपलोड कर दिया गया है। जो 28 जनवरी को खुलेगा।

अधिक्षण अभियंता भविष्य कुमार सक्सेना ने बताया कि स्कूलों की लाइन शिफ्टिंग का कार्य चल रहा है। पूरनपुर और बीसलपुर में भी काम शुरु कराया जाएगा।

हिंदू सम्मेलन की सफलता को निकाली संध्या फेरी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से 18 जनवरी को आयोजित किए जाने वाले विराट हिंदू सम्मेलन की सफलता के लिए प्रचार प्रसार तेज कर दिया गया है। दूसरे दिन गुरुवार को भी संध्या फेरी का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवा ध्वज लिए कार्यकर्ता विभिन्न मार्गों से गुजरे। इस दौरान पत्रक भी बांटे गए।

गुरुवार शाम को कार्यकर्ता एकत्र हुए और फिर संध्या फेरी निकाली गई। ये मोहल्ला खकरा, डालचंद, गौरीशंकर मंदिर में हुई। जिसमें हिंदू समाज के सभी वर्गों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सम्मेलन के प्रचार के लिए पत्रक वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरे मार्ग में जयघोषों एवं भजन-कीर्तन के माध्यम से धार्मिक वातावरण बना रहा।पीलीभीत की ओर से समस्त सनातन धर्मावलंबियों को 18 जनवरी को आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में सपरिवार पधारने का आमंत्रण दिया गया। यह सम्मेलन हिंदू एकता, संस्कृति और धर्म रक्षा के संकल्प को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस मौके पर कुलदीप कुमार, कृष्ण कुमार, स्वतंत्र देवल, चेतन शर्मा, अरविंद शर्मा, संजीव कुमार, प्रतीक सक्सेना, नरेश वर्मा, टीटू जौहरी, राहुल गजवानी, वीर पाल, स्वेक्षा देवल, अपेक्षा देवल, स्वस्तिका देवल, लालता प्रसाद, प्रियांशु कुमार आदि मौजूद रहे।

संध्या फेरी में मौजूद कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संध्या फेरी में भगवा ध्वज लिए बच्ची।

- 18 जनवरी को आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन की सफलता को बांटे पत्रक

नन्हीं बच्ची ने उत्साह से किया प्रतिभाग

दूसरे दिन कार्यकर्ताओं की ओर से निकाली गई संध्या फेरी में एक नन्हीं बच्ची शामिल हुई। मोहल्ला खकरा की रहने वाली स्वस्तिका देवल भगवा ध्वज लिए नारेबाजी करते चल रही थी। बच्ची ने भी लोगों को पत्रक बांटे।

तीन अंतर्जनपदीय बदमाश गिरफ्तार

संवाददाता, मितौली

अमृत विचार: मितौली पुलिस ने गुरुवार को घेराबंदी कर शटर काटकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले अंतर्जनपदीय गिरोह के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के 1.57 लाख रुपये, तीन तमंचे, कारतूस और शटर काटने के उपकरण बरामद हुए हैं। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान भेजा है।

प्रभारी निरीक्षक महेश पाठक ने बताया कि वह पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दानपुर मोड़ के पास एक बंद पड़े भट्टे पर छापा मारकर तीन संदिग्धों को दबोच लिया। पकड़े गए युवकों की पहचान गेदनलाल उर्फ गैदा, रामपाल निवासी शाहजहांपुर और मन्नू गिरी निवासी सीतापुर) के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस को बदमाशों के पास से 12 बोर और 315 बोर के तीन तमंचे, भारी मात्रा में जिंदा कारतूस और चोरी के 1,57,000 रुपये नकद मिले। इसके अलावा पुलिस ने इनके पास से शटर काटने के लिए इस्तेमाल होने वाले तीन लोहे के वेल्चा, एक कटर और टॉर्च भी बरामद की है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए अपराधी बेहद शातिर हैं। इन पर वाराणसी, बस्ती, लखनऊ और खीरी सहित विभिन्न जनपदों में डकैती, चोरी और गैंगस्टर एक्ट के 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। हाल ही में इन्होंने नीमगांव और मितौली क्षेत्र में भी चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस ने सभी के विरुद्ध संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर चालान भेजा है।

मितौली थाने में गिरफ्तार आरोपी। ● अमृत विचार

- 1.57 लाख रुपये, तीन तमंचे, कारतूस और शटर काटने के उपकरण बरामद

लापरवाही वार्ड नंबर 26 का मामला, कोहरे के बीच सड़क के बीच पड़े पत्थर, राहगीरों की आफत में जान

पालिका की रार में फंसे काम, खोदकर छोड़ी सड़क

अग्रवाल सभा के बाहर उधड़ी सड़क से बमुश्किल गुजरते लोग। ● अमृत विचार

सड़क उखाड़ने के बाद पड़े पत्थरों में फंसी बाइक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: लंबे समय से बारिश के दिनों में जलभराव की मार झेल रहे लोगों को सड़क निर्माण की जानकारी मिलने पर कुछ उम्मीद जागी। नापजोख कराई गई तो चेहरे खिल गए। मगर, फिर टीम पहुंची और पूरी सड़क के बजाय अग्रवाल सभा भवन के बाहर के हिस्से को बनवाने के लिए खोदाई शुरू कर दी। महज बरात घर के बाहर का हिस्सा बनने का पता लगते ही लोगों ने विरोध कर दिया। इसके बाद अब आलम ये है कि कोहरे के बीच उधड़ी सड़क हादसे का सबब बन गई है। चार दिन से कोई मलवा हटाने के लिए नहीं पहुंचा। जिससे राहगीरों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जिम्मेदार इसे लेकर बेसुध हैं। कई राहगीर गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं।

शहर में बारिश के दिनों में वार्ड नंबर 26 में अग्रवाल सभा भवन से होकर रंगीलाल चौराहा की तरफ जा रही सड़क पर जलभराव की समस्या बनी रहती है। यहां पर बरात घर के साथ ही आसपास कई दुकानें और मकान हैं। स्कूली बच्चों की आवाजाही भी होती है। मुख्य बाजार जाने के लिए आसपास के कई मोहल्लों के लोग इसी मार्ग से होकर गुजरते हैं। बताते हैं कि बीते दिनों यहां पर सड़क का निर्माण कराने के लिए नापजोख कराई गईथी। स्थानीय लोगों की मानें तो सकट्मल की पाकड़ से अग्रवाल सभा होते हुए रंगीलाल चौराहा की तरफ तक नाप कराई गई थी। मगर, करीब चार दिन पहले कर्मचारी आए और सिर्फ अग्रवाल सभा भवन के बाहर के सामने की तरफ सड़क की खुदाई कर दी। जब पूछा गया तो पता चला कि सिर्फ अग्रवाल सभा भवन के आगे का हिस्सा बनवाया जाएगा। इस पर विरोध तेज हो गया। लोगों का कहना है कि जितना हिस्सा बनवाया जा रहा है, उसके बनने से समस्या और बढ़ जाएगी। बारिश में अग्रंवाल सभा के बाहर तो जलभराव नहीं होगा मगर, उसके दोनों तरफ दिक्कत बढ़ी रहेगी। उनका कहना है कि जितनी नाप की गई थी उतने हिस्से में कम से कम पूरी सड़क ठीक कराई जाए वरना नहीं। फिलहाल उखड़ी सड़क से दिक्कत बनी हुई है।राहगीरों को समस्या बनी हुई है।

> अभी तक ये मामला मेरे संज्ञान में नहीं था। इसे दिखवाया जाएगा। सिविल जेई से जानकारी की जाएगी कि सड़क के कितने हिस्से के निर्माण का एस्टीमेट बना है। कहीं समस्या आ रही है तो मौके पर जाकर स्थिति देख समाधान कराएंगे। – संजीव कुमार, ईओ नगर पालिका पीलीभीत

- नागरिक बोले: पूरी सड़क के बजाय सिर्फ अग्रवाल सभा के बाहर करा रहे थे काम

रोशनी के इंतजाम नहीं, उधड़ी सड़क पर चोटिल होने का डर

नगरपालिका में लंबे समय से रार छिड़ी हुई है। सभासदों के भी दो गुट हैं। नगर पालिका की पूर्व में हुई शिकायतों में वार्ड नंबर 26 की सभासद भी शामिल रही हैं। चंद कदम दूरी पर राज्यमंत्री के नगरपालिका प्रतिनिधि की भी दुकान -मकान है। ऐसे में अब इस आधे अधूरे काम से आ रही दिक्कत का समाधान कराने की मांग की जा रही है। लोग इसे पालिका में छिड़ी रार से जोड़कर ही देख रहे हैं। इस मार्ग पर रोशनी के भी इंतजाम नहीं है। ऐसे में कोहरे के बीच उधड़े हिस्से में फैले पत्थरों का वाहन चालकों को अंदाजा नहीं लग पा रहा है। आसपास के दुकानदारों ने बताय कि कई तो गिरकर घायल भी हो चुके हैं। ऐसे में सड़क निर्माण से जुड़ी समस्या का जब तब समाधान नहीं हो रहा कम से कम पत्थर तो हटवा दिए जाएं। फिलहाल मार्ग पर आवागमन में दिक्कत बनी हुई है।

अफसरों के आदेश को हवा में उड़ाया, प्रधान को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डीएम द्वारा कराई गई जांच में जान-बूझकर कार्य न कराने का निकला मामला
- बिलसंडा ब्लॉक की पंडरी मरौरी के ग्रामीणों ने मंडलायुक्त से की थी शिकायत

अमृत विचार: ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान-सचिव गठबंधन विकास कार्यों के नाम पर मिले बजट में तो सेंधमारी कर ही रहा है, अब अफसरों के आदेश को भी हवा में उड़ाया जा रहा है। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत पंडरी मरौरी में देखने को मिला है। ग्रामीणों की शिकायत पर डीपीआरओ ने जनसमस्या दूर करने को कार्य कराने के के निर्देश दिए, मगर जिम्मेदारों ने आदेश को हवा में उड़ा दिया। मंडलायुक्त को की गई शिकायत के बाद जब मामले की जांच कराई तो मामला जान-बूझकर कार्य न कराने का पाया गया। निर्माण कार्यों में भी अनियमितता पाई गई। अब संबंधित ग्राम प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निर्धारित समय पर जवाब दाखिल न करने कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

मामला बिलसंडा ब्लाक की ग्राम पंचायत पंडरी मरौरी से जुड़ा है। गांव निवासी एक ग्रामीण ने पंचायत के स्वास्थ्य उपकेंद्र के गेट और गली में जलभराव की समस्या दूर कराने को इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कराने की माग की। जिस पर डीपीआरओ ने संबंधित पंचायत सचिव को उक्त कार्य प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए थे। इधर जब आदेश के बावजूद उक्त कार्य नहीं कराए गए तो शिकायतकर्ता ने मामले को लेकर मंडलायुक्त से की।

शिकायत में आरोप लगाया कि ग्राम प्रधान एवं सचिव ने उक्त कार्य न कराकर बजट को ही ठिकाने लगा दिया। इस पर डीपीआरओ द्वारा संबंधित सचिव प्रदीप कुमार को नोटिस जारी किया गया। सचिव में निर्धारित तिथि तक कोई जवाब दाखिल ही नहीं किया। मामले में कोई कार्रवाई न होते देख शिकायतकर्ता ने पुनः मंडलायुक्त से शिकायत से कर ग्राम प्रधान एवं सचिव के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। इसके बाद उक्त मामले की जांच के लिए जिला कृषि अधिकारी को जांच अधिकारी नामित कर मामले की जांच कराई गई। जांच के दौरान गलियों में इंटरलॉकिंग सड़क तो पाई गई,मगर नाली का नामोनिशान नहीं पाया गया। इसी वजह से जलभराव होना भी पाया गया। जांच में यह भी पाया गया कि ग्राम प्रधान व सचिव द्वारा उक्त कार्य जानबूझ कर नहीं कराया जा रहा है। जांच अधिकारी ने ग्राम प्रधान एवं सचिव को प्रथम दृष्टया दोषी पाते हुए जांच रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंप दी।

> ग्राम पंचायत पंडरी मरौरी में जिलाधिकारी द्वारा जांच कराई गई थी। जांच में खामियां पाई गई है। इस मामले में संबंधित ग्राम प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जांच में दोषी पाए गए सचिव को भी जारी किया गया है। – रोहित भारती, जिला पंचायत राज अधिकारी।

इधर अब उच्चाधिकारियों के निर्देश के बाद कार्य न कराने, पंचायत में जलभराव के बावजूद समस्या का समाधान न कराने, नोटिस का स्पष्टीकरण न देने पर डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने ग्राम प्रधान मुन्नी देवी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस में 15 दिन के अंदर जवाब दाखिल न करने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। मामले में दोषी पाए गए सचिव को भी नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोर्ट के आदेश पर जांच

बरखेड़ा, अमृत विचार: क्षेत्र के गांव दौलतपुर पट्टी के रिजवान अली ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि भाई जामिन अली और पड़ोसी जीशान आठ फरवरी 2023 की रात करीब नौ बजे जानवर भगाने के लिए खेत पर गये थे। मुस्ताक के यहां शादी की दावत थी। दावत को लेकर जीशान ने उसके भाई पर फब्तियां कसीं। विरोध करने पर भाई से मारपीट की गई। परिवार वाले पहुंच गए। भाई घायल अवस्था में मिला। पुलिस ने अब इस मामले में कोर्ट के आदेश पर विवेचना शुरू कर दी है।

पेड़ की टहनी में फंसी गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली रोड किनारे पेड़ की टहनियों में फंस गई। इसके बाद बरखेड़ा पिपरिया मंडन मार्ग पर जाम के हालात बन गए। कईवाहन फंस गए। मार्ग के दोनों तरफ वाहनों की कतार लग गई। वाहन चालक और अन्य राहगीर परेशान हुए।

कस्बा बरखेड़ा से पिपरिया मंडन को जाने वाले मार्ग पर गांव रम्पुरानत्थू व बर्रामऊ के बीच में एक किसान गुरुवार दोपहर बाद अपने खेत से ट्रैक्टर ट्राली में गन्ना लादकर लाया और रोड पर ट्रैक्टर ट्राली को चढ़ाने के साथ ही मोड़ते समय ट्रैक्टर मार्ग की दूसरी तरफ खड़े पेड़ में जाकर फंसने से मार्ग पर कई घंटे आवागमन बाधित हो गया। सिर्फ दुपहिया वाहन ही गुजरते रहे। जिस कारण इस मार्ग पर दोनों तरफ चौपहिया वाहनों की कतार लग गई।

काफी समय के बाद गन्ने से लदी ट्रैक्टर ट्राली को मार्ग पर सीधा किया गया। तब जाकर आवागमन सुचार हो सका।

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

पीलीभीत

न्यूज ब्रीफ

दामाद ने किया हमला, सास और साला घायल

बीसलपुर, अमृत विचार : बरेली जनपद के थाना क्योलड़िया क्षेत्र की निवासी केश्वरी बेगम पत्नी नन्हे बक्श ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि छह जनवरी को दोपहर दो बजे बेटी नेहा को देखने नहर वाली गोहटिया में आई थी। मामूली विवाद पर उसके दामाद आसिफ, ससुर यूनुस और चाचा नफीस से कहासुनी हो गई। आरोप है कि सभी उनकी व पुत्र तालिब की पिटाई कर दी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

आग जलाकर सोया रसोइया, दम घुटने से मौत

बरेली, अमृत विचार : अधीक्षण अभियंता केके सिंह का सरकारी आवास पीडब्ल्यूडी कॉलोनी में है। इसमें अलीगंज के गांव ढकिया निवासी 50 वर्षीय वीरेंद्र सिंह रसोइया के रूप में काम करते थे। सरकारी आवास में ही अभियंता ने उन्हें अलग से कमरा दे रखा था। वीरेंद्र बुधवार रात खाना खाने के बाद सोने चले गए थे। उन्होंने एक परात में आग जला रखी थी। सुबह वह नहीं जागे तो केके सिंह ने उनके दरवाजे को खटखटाया। जवाब न मिलने पर अनहोनी की आशंका हुई। तब यूपी 112 को सूचना दी गई। पीआरवी स्टाफ दरवाजा तोड़ अंदर घुसी। कमरे में जहां वीरेंद्र मृत हालत में पड़े मिले।

शीत लहर: रोडवेज बसों में घट गईं सवारियां, डिपो की कमाई प्रभावित

डिपो को रोजाना तीन से साढ़े तीन लाख का हो रहा नुकसान, कम निकल रहे यात्री

ठंड का असर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: कोहरा और शीतलहर से आम जनजीवन बेहाल है। इसका सबसे ज्यादा असर परिवहन सेवाओं पर पड़ रहा है। ठंड का असर परिवहन निगम की बसों पर भी तेजी से दिखाई दे रहा है। स्थिति यह है कि सवारियों की आमद कम होने चलते कुछ रोडवेज बसें बेड़े में ही खड़ी रह जा रही हैं। स्थानीय डिपो की मानें तो इन दिनों डिपो को तीन से साढ़े तीन लाख का नुकसान हो रहा है।

परिवहन निगम की रोडवेज बसों पर भी कोहरे का असर दिखाई देने लगा है। सर्दी और कोहरे में तमाम आशंकाओं के चलते यात्री भी बस से सफर नहीं कर रहे हैं। स्थनीय पीलीभीत डिपो के अंतर्गत 108 बसें संचालित हैं। बेड़े में 01 अनुबंधित बस भी शामिल हैं। इसमें 40-45 बसे बरली-दिल्ली रुट पर चलाई जा रही है। वही लखनऊ रुट 03 बसें, कानपुर एवं रुद्रपुर रुट पर 02-02 समेत अन्य लोकल रुटों पर बसें चलाई जा रही है। इन दिनों ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इसका असर इन बसों में भी देखने को मिल रहा है। बढ़ती ठंड और गलन से सवारियां सफर में कम निकल रही हैं। इस कारण बसों का लोड फैक्टर भी घट गया है। बताते हैं कि इन बसों में दिन में तो यात्री मिल जाते हैं। मगर, शाम को बसों के लिए यात्री ढूंढे नहीं मिलते। इससे रोडवेज बसों की आय में काफी गिरावट आई है।

स्थानीय रोडवेज डिपो में खड़ी बसें। ● अमृत विचार

बढ़ती सर्दी के कारण आम दिनों की तुलना में यात्रियों की संख्या कम हुई है। सवारियां कम होने से राजस्व पर फर्क आना स्वाभाविक है। दिन में तो यात्री आ रहे हैं। सुबह और शाम के यात्री कम हुए हैं।

– विपुल पाराशर, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक।

15-16 लाख की जगह अब मात्र 12-13 लाख हो रही कमाई

स्थानीय रोडवेज डिपों को बसों के संचालन से प्रतिदिन 15 से 16 लाख तक आय होती है। वहीं, अब बमुश्किल 12 से 13 लाख रुपये की कमाई हो पा रही है। सवारियां सफर में कम निकल रही हैं। बताया कि पांच से छह प्रतिशत लोड फैक्टर डाउन हुआ है। ऐसे में आय भी काफी कम हो रही है। अनुबंधित बस की भी स्थिति खराब है। कम सवारी मिलने से आय का संकट गहरा गया है। चालक-परिचालक भी परेशान हैं।

किशोरी समेत नाबालिगों का सुराग नहीं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए दो छात्र और एक छात्रा को पुलिस 18 दिन बाद भी तलाश नहीं सकी है। उनकी बाइक मध्यप्रदेश के ग्वालियर में मिलने के बाद दो बार पुलिस की टीमें भी भेजी जा चुकी हैं। मगर, तीन नाबालिग जनपद से कई किमी दूर किस हाल में हैं, इसे लेकर कोई प्रगति नहीं है। पुलिस रटे रटाए जल्द सुरागरसी करने के दावे कर रही है।

घटना थाना सुनगढ़ी क्षेत्र की है। यहां का 17 वर्षीय किशोर 29 दिसंबर की सुबह करीब चार बजे बिना किसी को बताए घर से निकल गया। परिजनों ने जब उसकी तलाश शुरू की तो उसकी बाइक और मां का मोबाइल भी गायब मिला था। मोबाइल से पेटीएम के जरिए लेन-देन होता था, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई। इसी दौरान जानकारी सामने आई कि उसी क्षेत्र की एक कॉलोनी का रहने वाला 16 वर्षीय किशोर भी उसी समय घर से लापता है। बताया गया कि वह घर से करीब पौने दो लाख रुपये नकद लेकर निकला था। दोनों किशोरों के परिजन थाना सुनगढ़ी पहुंचे और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पुलिस ने जांच शुरू की तो एक किशोर द्वारा ले जाए गए मोबाइल से पेटीएम के जरिए किए गए भुगतान का सुराग मिला। जिस नंबर पर भुगतान हुआ, उसे ट्रेस करने पर वह नंबर थाना क्षेत्र की ही एक किशोरी का निकला। पुलिस जब किशोरी के घर पहुंची तो परिजनों ने बताया कि वह भी 29 दिसंबर की सुबह करीब चार बजे से लापता है। जांच में यह भी सामने आया कि तीनों नाबालिग पिछले वर्ष तक एक ही स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ते थे। इस वर्ष किशोरी के पिता ने उसका नाम कटवाकर दूसरे स्कूल में दाखिला करा दिया था। पुलिस तीनों के साथ जाने की उम्मीद जता रही है। वहीं किशोरी के पिता ने दोनों किशोरों पर फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। किशोर की बाइक ग्वालियर में लावारिस हालत में मिली थी। दो बार टीम जा चुकी है और वहीं पर डेरा जमाए है। मगर अभी तक कोई खास क्लू नहीं जुटाया जा सका है।

तीन नाबालिग, कई जगह चेकिंग...कैसे पहुंची बाइक

लापता होने से पूर्व एक किशोर द्वारा साथ ले जाई गई बाइक ग्वालियर में मिल चुकी है। पुलिस तीनों के साथ होने की आशंका जता रही है। मगर, सवाल ये भी है कि इन दिनों वाहन चेकिंग को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं। सख्ती के दावे हैं। फिर तीन नाबालिग जिसमें एक किशोरी भी शामिल है। वह बाइक से ग्वालियर तक कैसे पहुंच गए। उन्हें रास्ते में कहीं चेकिंग का सामना नहीं करना पड़ा। अगर बाइक से नहीं गए तो बाइक वहां तक कैसे पहुंची। वह कहां और किस हाल में है। सवाल कई हैं, लेकिन जवाब पुलिस की टीमें नहीं तलाश सकी है।

- **ग्वालियर में मिल चुकी बाइक, दो बार भेजी टीम, हाथ खाली**
- **सुनगढ़ी क्षेत्र से लापता हुए दो छात्र और एक छात्रा का मामला**

इस मामले की गहनता से पड़ताल कराई जा रही है। टीम को दूसरी बार सुरागरसी के लिए ग्वालियर भेजा है। वह अभी भी वहीं पर है। जल्द ही बरामद कर खुलासा किया जाएगा।

–नरेश त्यागी, इंस्पेक्टर सुनगढ़ी।

गन्ना प्रजातियों की वैज्ञानिक पहचान को दिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गन्ना विभाग की ओर से गन्ना किस्मों की वैज्ञानिक पहचान को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूरनपुर चीनी मिल परिसर में हुए प्रशिक्षण के दौरान जिला गन्ना अधिकारी द्वारा आगामी पेराई सत्र तक पूरनपुर क्षेत्र में अस्वीकृत गन्ना किस्मों को शून्य करने की बात कही गई। कहा कि सभी गन्ना पर्यवेक्षक सर्किलों में यह सुनिश्चत करें कि कोई भी किसान अस्वीकृत गन्ना किस्मों की बुवाई न करे।

गुरुवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला गन्ना अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में पूरनपुर चीनी मिल क्षेत्र में लगभग 284 हेक्टेयर क्षेत्रफल में अस्वीकृत गन्ना किस्मों की बुवाई की गई है, जो कुल गन्ना क्षेत्रफल का लगभग 4 प्रतिशत है। इस बाबत आगामी पेराई सत्र तक इस क्षेत्र को शून्य करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बताया कि अस्वीकृत किस्मों की बुवाई से कम पैदावार, गन्ना पर्ची देर से मिलने एवं गन्ना मूल्य कम मिलने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ती है। किसानों के हित में सभी को नवीनतम विकसित अगेती गन्ना किस्मों का बीज उपलब्ध कराया जाएगा। जिन किसानों के खेत में वर्तमान में अस्वीकृत किस्मों का पौधा गन्ना है, उन्हें पौधा गन्ना की आपूर्ति के बाद उसकी पेड़ी उखाड़कर उसके स्थान पर नवीनतम अगेती गन्ना किस्मों की बुवाई कराई जाए। किसानों ने गन्ना प्रजाति पीबी-93, पीबी-95 एवं कोशा-91279 की बुवाई न करने की अपील की गई। इन प्रजातियों पर गन्ना मूल्य कम मिलता है। इस मौके पर ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक संजय श्रीवास्तव, मुख्य रसायनविद टीपी पाल, मुख्य गन्ना अधिकारी अमित चतुर्वेदी, शिव स्वरूप सिंह, गौरव तोमर समेत सभी गन्ना पर्यवेक्षक मौजूद रहे।

पूरनपुर में प्रशिक्षण के दौरान गन्ना प्रजातियों की जानकारी देते विशेषज्ञ। ● अमृत विचार

- **डीसीओ ने पूरनपुर में अस्वीकृत गन्ना किस्मों को शून्य करने के दिए निर्देश**

पड़ताल में जुटी रही राजस्व टीम, आज दी जाएगी आख्या

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: बीएसए कार्यालय परिसर स्थित जमीन पर पेट्रोल पंप कारोबारी की ओर से अवैध कब्जा करने की कोशिश के मामले में राजस्व विभाग की टीमें दूसरे दिन भी पड़ताल में जुटी रही। मौके पर जमीन के बारे में जानकारी की गई और अभिलेखों से भी उसका मिलान किया जाता रहा। बताते हैं कि इसमें कई तथ्य भी उजागर हुए हैं। जिससे मामले में सख्त एक्शन प्रशासन की ओर से लिया जा सकेगा। फिलहाल राजस्व टीम अपनी आख्या तैयार कर आज अधिकारियों को भेज सकती है। जिसके बाद उच्चाधिकारियों के स्तर से अग्रिम निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल प्रकरण को लेकर प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई की तैयारी की चर्चाएं तेज रही। जिससे खलबली मची रही।

बता दें कि बेसिक शिक्षा कार्यालय परिसर में काफी जमीन है। इस बेशकीमती जमीन पर एक पेट्रोल पंप कारोबारी की ओर से पिलर लगा व खुदाई कराकर कब्जा करने की कोशिश करने की शिकायत हुई थी। बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी जमीन को सरकारी बता रहे थे जबकि पेट्रोल पंप कारोबारी ने कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए इसे अपनी बताया था। बीएसए रोशनी सिंह की ओर से डीएम को सूचना दिए जाने के बाद एसडीएम सदर श्रद्धा सिंह बुधवार शाम को पहुंची थी और काम रुकवा दिया गया था। इसमें आरोप ये भी लग रहा था कि पेट्रोल पंप कारोबारी पर गंभीर आरोप भी लग रहे थे। बेशकीमती जमीन पर कब्जे की कोशिश का मामला तूल पकड़ चुका है। एसडीएम ने कमेटी गठित कर जमीन की जांच कराने के निर्देश दिए थे।जिसे लेकर गुरुवार को भी राजस्व टीम आख्या तैयार करने के लिए जुटी रही। बताते हैं कि जमीन से संबंधित अभिलेख भी देखे गए हैं।जिसके बाद अब आख्या भेजने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल गुरुवार को काम रुका रहा। मामले में अग्रिम कार्रवाई का इंतजार है। इधर, एक चर्चा और बढ़ गई। बताते हैं विवादित जमीनों पर निर्माण को लेकर शहर के कई स्थानों पर एक व्यक्ति का नाम उजागर हो चुका है।उसके भी इसमें शामिल होने की चर्चाएं तेज रही। जिसे लेकर खलबली मची रही। फिलहाल अब अग्रिम कार्रवाई और आख्या से तस्वीर साफ हो सकेगी।

बीएसए कार्यालय परिसर की इसी जमीन को लेकर है विवाद। ● अमृत विचार

- **बीएसए कार्यालय परिसर में जमीन पर कब्जे का मामला**

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D. Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :- बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा। TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

हाथियों ने मचाया उत्पात, किसानों के छप्पर और बाउंड्रीवॉल गिराए

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **बुधवार रात हाथियों ने माला रेलवे स्टेशन के नजदीक मचाया उत्पात**
- **सूचना पर पहुंची टीम, घना कोहरे के चलते ओझल हो गए हाथी**

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में डेरा जमाए जंगली हाथियों की चहलकदमी रिहायशी इलाकों में बढ़ती जा रही है। हाथी जंगल से सटे इलाकों में लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बुधवार रात भी जंगली हाथियों ने माला रेलवे स्टेशन के नजदीक खेतों में जमकर उत्पात मचाया। खेतों की बाउंड्रीवॉल समेत छप्परों को निशाना बनाया। सूचना पर रात को ही टीम भी मौके पर पहुंची, मगर घना कोहरा होने के चलते हाथियों की निगरानी नहीं की जा सकी।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की माला रेंज में पिछले करीब दो माह से जंगली हाथी डेरा जमाए हुए हैं। तबसे जंगली हाथियों का मूवमेंट माला रेंज के अंतर्गत आने वाले गजरौला क्षेत्र के गांव महुआ समेत आसपास के गांवों में देखा जा रहा है। वहीं किसान भी जान जोखिम में डालकर फसलों की रखवाली करने को मजबूर हैं, ताकि कहीं हाथी उनकी फसलों को तबाह न कर डालें। बुधवार रात भी जंगली हाथी उग्र हो उठे।

बताते हैं कि माला जंगल से निकलकर पहुंचे जंगली हाथियों ने खेतों में खड़ी फसलों को रौंद डाला। इस दौरान हाथियों ने माला रेलवे स्टेशन के नजदीक जंगल से सटे क्षेत्र में रहने वाले जगदीश मिस्त्री की खेत की बाउंड्री और पिलर क्षतिग्रस्त कर दिए। इसके अलावा हाथियों ने सनातन मंडल की बाउंड्री और छप्पर भी तोड़ डाला। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम भी रात को मौके पर पहुंच गई। टीम ने हाथियों की तलाश भी की, मगर घना कोहरा होने के चलते हाथियों का कहीं अता पता नहीं चल सका। टीम में शामिल वनकर्मियों ने बताया कि घना कोहरा होने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो सका कि जंगली हाथी किस दिशा में चले गए। फिलहाल क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है और लगातार निगरानी की जा रही है।

अधिवक्ता रघुवीर पांडे के निधन से शोक

पीलीभीत, अमृत विचार: जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता रघुवीर कुमार पांडे का बुधवार देर शाम लखनऊ में निधन हो गया।

गुरुवार दोपहर बाद गमगीन माहौल में कस्बा कलीनगर में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बार अध्यक्ष धीरेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में आज शोक सभा होगी। जिसमें दिवंगत अधिवक्ता को श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे। अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। दोपहर साढ़े तीन बजे जनपद न्यायाधीश के न्यायालय में बार बेंच की संयुक्त शोक सभा होगी। उन्होंने बताया कि रघुवीर पांडे के सुपुत्र शुभम पांडे भी जिला संयुक्त बार एसोसिएशन के सदस्य हैं। मुख्यालय पर वकालत कर रहे हैं। रघुवीर पांडे के छोटे भाई राजेश पांडे भी अधिवक्ता हैं।

ओवरटेक पर ईको चालक ने रुकवाई बस, हंगामा

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **अचानक ब्रेक लगाने से बस में सवार यात्री सहमे**

अमृत विचार : बरेली मार्ग पर गुरुवार तड़के उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक ईको कार चालक ने मामूली ओवरटेक को लेकर रोडवेज बस को बीच सड़क पर रुकवाकर चालक से अभद्रता और गाली-गलौज शुरू कर दी। अचानक हुए घटनाक्रम से बस में सवार यात्री सहम गए और करीब आधे घंटे मार्ग पर तनाव का माहौल बना रहा।

गुरुवार सुबह करीब पांच बजे बरेली की ओर जा रही रोडवेज बस संख्या यूपी 25 टी 9305 ने बरेली मार्ग पर ललौरीखेड़ा चौकी के आगे चल रही एक ईको को क्रॉस किया। इसी बात से नाराज ईको चालक ने बस को ओवरटेक कर आगे निकलते हुए अचानक बीच सड़क पर रोक दिया। एकदम सामने ईको आने से बस चालक को तुरंत ब्रेक लगाने पड़े, जिससे बस में बैठे यात्री घबरा गए। ईको चालक ने बस चालक के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। चालक को नीचे उतारने का भी प्रयास किया। डर के कारण चालक ने खिड़की नहीं खोली। हंगामा बढ़ता देख बस परिचालक और कई यात्री नीचे उतर आए, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। ईको चालक ने बस चालक को बरेली पहुंचने पर देख लेने की धमकी भी दी। इस दौरान करीब आधे घंटे तक सड़क पर हंगामा चलता रहा, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ। एआरएम विपुल पाराशर ने बताया कि अभी तक इस संबंध में कोई शिकायत उनके संज्ञान में नहीं आई है। यदि कोई शिकायत प्राप्त होती है तो जांच कर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व प्रधान ने जरूरतमंदों में बांटे कंबल

फूलबेहड़, अमृत विचार: मकर संक्रांति पर्व पर ग्राम पंचायत अंजनापुर में गुरुवार सुबह कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व प्रधान संजय सिंह ने लगभग 65 जरूरतमंद पुरुषों व महिलाओं को कंबल वितरित किए।

कार्यक्रम के दौरान ठंड से ठिठुर रहे जरूरतमंदों को जब कंबल मिले तो उनके चेहरों पर राहत और खुशी साफ दिखाई दी। ग्रामीणों का कहना है कि इस समय जब शीतलहर का प्रकोप लगातार बना हुआ है, ऐसे में कंबल गरीबों के लिए बड़ी राहत साबित होते हैं। पूर्व प्रधान संजय सिंह ने कहा कि मकर संक्रांति दान-पुण्य और सेवा का पर्व है।

बिजली चेकिंग टीम पर हमला

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- **सरकारी गाड़ी में तोड़फोड़, कई नामजद व अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज**

अमृत विचार: थाना खमरिया क्षेत्र में बिजली विभाग की चेकिंग टीम पर हमला कर सरकारी कार्य में बाधा डालने का मामला सामने आया है। अवर अभियंता रवि कुमार की तहरीर पर पुलिस ने कई नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विद्युत उपकेंद्र बेल्तुआ के अवर अभियंता रवि कुमार ने बताया कि उप खंड अधिकारी देवेंद्र कुमार के निर्देश पर वह बुधवार को गुप्त सूचना पर गांव ग्पर्सिया में संजय सिंह सिंह के घरेलू परिसर की बिजली चेकिंग कर रहे थे। चेकिंग के बाद लौटते समय संजय सिंह, गज्जड़ सिंह ने चार अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उनकी सरकारी गाड़ी को रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए मारपीट का प्रयास किया। आरोप है कि किसी तरह सरकारी गाड़ी आगे बढ़ी, लेकिन इसके बाद आरोपी बाइक से पीछा करते हुए खमरिया मिल के पास बेहटा चौराहे पर फिर से गाड़ी को रोक लिया। आरोपियों ने पथराव कर गालियां दीं। इसी दौरान एक व्यक्ति ने पत्थर उपखंड अधिकारी देवेन्द्र कुमार को निशाना बनाकर फेंका, जिससे गाड़ी का शीशा टूट गया और देवेन्द्र कुमार घायल हो गए। बिजली विभाग की टीम किसी तरह जान बचाकर थाना खमरिया पहुंची। अवर अभियंता ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संजय सिंह, गज्जड़ सिंह, सत्येन्द्र सिंह, विनोद कुमार व दो अज्ञात व्यक्तियों पर सरकारी कर्मचारी से गाली-गलौज, मारपीट, सरकारी कार्य में बाधा, जान से मारने की कोशिश और तोड़फोड़ की रिपोर्ट दर्ज की है। प्रभारी निरीक्षक ओपी राय ने बताया कि मामला दर्ज कर जांच एसआई अरुण कुमार कुशवाहा को सौंप दी है।

पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नियमों का पालन कर दूसरों को समझाएं

कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **रामलुभाई की छात्राओं ने निकाली जागरुकता रैली**

अमृत विचार: राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत गुरुवार को राम लुभाई साहनी राजकीय महिला महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का उद्देश्य छात्राओं एवं आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करना और सुरक्षित यातायात के महत्व को समझाना रहा।

रैली की शुरुआत प्राचार्य फजलुर रहमान के मार्गदर्शन में कराई गई। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बरखा ने किया। रैली में महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस रखने एवं यातायात नियमों का पालन करने संबंधी नारे लगाकर जनमानस को जागरूक किया। विभिन्न मुख्य मार्गों से रैली गुजरी। वाहन चालकों को रोक यातायात नियमों का पालन करने का महत्व बताया गया। इस मौके पर सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

न्यूज ब्रीफ

नि:शुल्क नेत्र प्रशिक्षण में 81 बच्चों की जांच

मैगलगंज, अमृत विचार : एनएचएआई) एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से गरीब एवं जरूरतमंद छात्रों के लिए नि :शुल्क नेत्र प्रशिक्षण शिविर भारतीय इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित हुआ, जहां पहले दिन 81 बच्चों ने अपनी आंखों की जांच कराई। अवकाश होने के बावजूद बच्चों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। अवकाश के चलते पंजीकृत छात्रों की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अंकित दास ने बताया कि विद्यालय में पंजीकृत सभी छात्रों की नि :शुल्क नेत्र जांच की जा रही है। जांच के दौरान जिन बच्चों को चश्मे की आवश्यकता पाई जाएगी, उन्हें भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से नि :शुल्क चश्मा उपलब्ध कराया जाएगा। इस दौरान प्लाजा मैनेजर रामू सिंह, सूरज सरकार और यजूल मलिक भी मौजूद रहे।

कुकर्म का आरोपी पुलिस को सौंपा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : नगर में घर के बाहर खेल रहे तीन वर्षीय बच्चे के साथ कुकर्म करने वाले आरोपी को परिजनों ने मौके पर पकड़ लिया और पिटाई कर आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया है। एक महिला ने बताया कि उनका तीन वर्षीय बेटा घर के बाहर खेल रहा था। पड़ोस में ही एक बाग है जिसमें मुर्गी फार्म पर काम करने वाला युवक बच्चे को फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ कुकर्म किया। अन्य बच्चों की सूचना पर पहुंचे आरोपी पिरवार के लोगों ने मौके पर ही उसे पकड़ लिया। पहले उसकी पिटाई की गई और उसके बाद पुलिस को सौंप दिया गया। आरोपी दतेली गांव का निवासी है। कोतवाल अंबर सिंह ने बताया कि बच्चे को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। आरोपी से पूछताछ की है।

गैंगस्टर में वांछित ईनामी महिला गिरफ्तार

पलिया कलां, अमृत विचार : एसओ पंकज त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गैंगस्टर एक्ट मामले में 6 महीने से फरार चल रही थाना संपूर्णानगर के गांव हरि नगर त्रिकोलिया निवासी संदीप कौर को गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया है। उस पर एसपी ने 25000 रुपये का ईनाम घोषित कर रखा था।

मायके से महिला लापता, जेवर भी ले गई

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव भदेड निवासी एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी पुत्री अपनी ससुराल से मायके आई थी। 12 जनवरी की सुबह 9 बजे गांव के चौराहे से कहीं लापता हो गई है। वह अपने साथ एक जोडी चांदी की पायल, सोने की एक जोड़ी बाली, एक जोड़ी चांदी के टाप्स, कमर का बिछुआ लेकर गई है। बताया कि उसका फोन भी बंद जा रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

नियमों के उल्लंघन पर 5 बाइक सीज

पलिया कलां, अमृत विचार : थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन करने पर पुलिस ने बिना नंबर प्लेट व पटाखा युक्त मोडिफाइड साइलेंसर वाली पांच बुलेट मोटरसाइकिलों को एमबी एक्ट की धारा 207 के तहत सीज कर दिया गया।

पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रबंधक व प्रिंसिपल में जंग तेज

प्रबंधक विजय कुमार माहेश्वरी ने लगाया छात्र संख्या गिरने और नियमों का उल्लंघन करने का आरोप, प्रबंधन ने जारी की तीखी विज्ञप्ति

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ (खीरी)

अमृत विचार: पब्लिक इंटर कॉलेज गोला का बोर्ड परीक्षा केन्द्र निरस्त होने और यहां व्याप्त अव्यवस्थाओं के मामले में प्रबंधक विजय कुमार माहेश्वरी ने प्रधानाचार्य बाबूराम सागर की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए तीखा हमला बोला है। उन्होंने बोर्ड परीक्षा केंद्र छिनने के मामले में सीधे तौर पर प्रधानाचार्य को जिम्मेदार ठहराते हुए उनकी कार्यशैली को सामने ला दिया है। उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रिंसिपल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बहरहाल, यह विवाद प्रबंधक बनाम प्रधानाचार्य बनकर सामने आ गया है।

प्रबंधन का कहना है कि जब जिला विद्यालय निरीक्षक ने जब दिसंबर में नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा और जुलाई में समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रा.) की परीक्षा के लिए पब्लिक इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र

पब्लिक इंटर कॉलेज भवन। ● अमृत विचार

● पब्लिक इंटर कॉलेज का मामला बना प्रबंधक बनाम प्रधानाचार्य

बनाया गया, तो फिर बोर्ड परीक्षा के लिए विद्यालय को अयोग्य क्यों ठहरा दिया गया।

इसे लेकर प्रबंधक ने सीधे तौर पर प्रधानाचार्य की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया गया है कि प्रधानाचार्य बाबूराम सागर विद्यालय अनुशासन को लगातार ताख पर रखे हुए हैं। प्रबंध समिति की बैठकों में पदेन सदस्य होते हुए भी भाग नहीं लेते। इतना ही नहीं, वे नियमों का उल्लंघन कर जिला मुख्यालय से प्रतिदिन आवागमन करते हैं। छात्र हितों को लेकर भी प्रबंधन ने प्रधानाचार्य पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2019 में विद्यालय की छात्र संख्या लगभग 1200 थी, जो बढ़कर करीब 1900 तक पहुंची, लेकिन वर्ष 2022 में वर्तमान प्रधानाचार्य के कार्यभार संभालने के बाद इसमें लगातार गिरावट आई और वर्तमान में यह संख्या घटकर लगभग 1180 रह गई है। उन्होंने यह भी कहा है कि विद्यालय और छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते स्थिति नहीं सुधारी तो मामला और व्यापक स्तर पर उठाया जाएगा।

अनावश्यक पत्राचार में उलझे रहते हैं प्रधानाचार्य

प्रबंधन ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानाचार्य अनावश्यक पत्राचार में उलझे रहते हैं। इसी का नतीजा है कि बोर्ड परीक्षा केंद्र हटा दिया गया। प्रबंधक के अनुसार 19 दिसंबर 2025 को प्रधानाचार्य ने स्वयं परीक्षा केंद्र न बनने की सूचना दी थी, जिसके बाद उन्हें हर स्तर पर आवश्यक पत्राचार कर परीक्षा केंद्र बहाल कराने के निर्देश दिए थे, लेकिन प्रधानाचार्य ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

प्रधानाचार्य का पलटवार, कहा-बैठकें नियमों के खिलाफ, एजेंडा में शिक्षा गायब

प्रधानाचार्य बाबूराम सागर ने कहा कि डीआईओएस की संस्तुति पर दिसंबर में नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा केंद्र और जुलाई में आरओ, एआरओ चयन परीक्षा केंद्र बनाया गया, पर इस वर्ष बोर्ड परीक्षा केंद्र न बनाया जाना समझ से परे है। साथ ही प्रबंधन के आरोपों पर तीखा जवाब देते हुए बताया कि 2022-23 सत्र में प्रवेश फार्म से करीब 1.35 लाख रुपये की पूरी धनराशि तत्कालीन सहायक लिपिक के माध्यम से विद्यालय मंत्री को नगद सौंपी जा चुकी है। फिरभी विद्यालय में संसाधनों की कमी है। कहा कि वे प्रबंध समिति के पदेन सदस्य हैं, लेकिन बैठकों का एजेंडा शिक्षा, छात्र और शिक्षक से जुड़े मुद्दों से जानबूझकर खाली रखा जाता है। बैठक की कार्यवाही गैर-सदस्य से लिखवाई जाती है और नियमानुसार 24 घंटे में मिलने वाली प्रति उन्हें कभी नहीं दी जाती। बैठक में केवल उपस्थिति के हस्ताक्षर कराए जाते हैं, कार्रवाई पर नहीं। जब वे विद्यालय हित की बात उठाते हैं तो प्रबंधक कह देते हैं कि आपसे कोई मतलब नहीं। ऐसे में बैठकें केवल औपचारिकता बनकर रह गई हैं।

कनिष्ठ विभाग को लेकर भी रखा पक्ष

कनिष्ठ विभाग को लेकर उठ रहे सवालों पर प्रबंधन ने लिखा है कि जर्जर भवन के कारण सुरक्षा के लिहाज से कक्षा छह से आठ तक की कक्षाएं मुख्य भवन में संचालित कराई जा रही हैं। कनिष्ठ विभाग के भवन को आय बढ़ाने के उद्देश्य से किराए पर देकर उसकी बाउंड्री वॉल और गेट का निर्माण कराया गया है। विद्यालय की मुख्य बाउंड्री का नवनिर्माण, नया स्टील गेट, प्रयोगशालाओं की मरम्मत व फर्नीचर, दरवाजे-खिड़कियों का सुधार सहित अन्य निर्माण कार्य कराए गए हैं। इसके बावजूद संपत्ति से जुड़े मुकदमों में भारी धनराशि खर्च हो रही है।

घरेलू विवाद में महिला से मारपीट रिपोर्ट दर्ज

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के गांव पंचघरा मजरा खरवहिया नंबर एक में घरेलू विवाद को लेकर महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। अमिता देवी ने बताया कि उसके दो छोटे बच्चे आदिशा (6) और सिखा (1) हैं। मंगलवार रात करीब 8 बजे घरेलू बातों को लेकर उसके पति अच्छेलाल, ससुर सरजू प्रसाद और सास सरजू देई ने गालियां दीं और मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके माथे पर गंभीर चोट आई। साथ ही आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। अगले दिन बुधवार को पीड़िता ने कोतवाली धौरहरा में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच संजय कुमार सिंह को सौंप दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई भी की जाएगी।

केक काटकर मनाया बसपा अध्यक्ष का जन्मदिन

अमीरनगर में केक काटते बसपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, अमीरनगर

अमृत विचार: कस्बे की मेन बाजार में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के 70वां जन्म दिवस पर जन कल्याणकारी दिवस के रूप में 12 किलो का केक काटकर मनाया गया।

गोला विधानसभा यूनिट के बसपा कार्यकर्ताओं व विधानसभा उपाध्यक्ष मोहम्मद यूनुस खान ने बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के जन्म दिवस पर लोगों को संबोधित करते हुए मायावती के शासनकाल को याद दिलाते हुए उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों के बारे में विस्तार से लोगों को बताया। कहा कि आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में सभी बसपा कार्यकर्ताओं को पूरी ईमानदारी और लगन के साथ बूथ बाई बूथ मेहनत करके पांचवीं बार बहन जी को मुख्यमंत्री बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्याम बिहारी गौतम, सेक्टर अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम, लालजीत गौतम, सूबेदार भार्गव, राजेंद्र गौतम, विश्राम लाल गौतम, अमर कुमार गौतम, कार्यकर्ता मुख्तियार खान, छोटे, नेपाल शर्मा, सरताज खां, जशीद खां, संतराम गौतम, मोनू गौतम, सुंदरलाल गौतम, राशिद खान सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गन्ना प्रजाति पहचान प्रशिक्षण कार्यशाला

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: बजाज चीनी मिल के सभागार में गन्ना प्रजाति पहचान प्रशिक्षण कार्यशाला हुई, जिसमें उप गन्ना आयुक्त डॉ. आरडी द्विवेदी, जिला गन्ना अधिकारी वेदप्रकाश सिंह, जिला गन्ना अधिकारी सीतापुर रत्नेश त्रिपाठी, यूनिट हेड राकेश यादव, वरिष्ठ महाप्रबन्धक गन्ना पीएस चतुर्वेदी, सहायक महा प्रबन्धक कारपोरेट असद शेख मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त वैज्ञानिक डॉ. अवधेश कुमार डागर ने मिल, समिति के 75 गन्ना विकास कार्यकर्ताओ प्रबंधकों को गन्ना प्रजातीय प्रशिक्षण दिया। बताया कि 18 जनवरी को खेत पर जाकर किसानों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण में ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक आशुतोष मधुकर, खंभारखेड़ा चीनी मिल के सुनील चौधरी, गन्ना समिति सचिव बलवंत चौधरी, सहायक महा प्रबन्धक गन्ना ओडी शर्मा, प्रबन्धक गन्ना सत्येन्द्र कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

झरेखापुर और देवकली हाल्ट फिर बनेंगे स्टेशन

संवाददाता, लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: सीतापुर-मैलानी रेलखंड पर स्थित झरेखापुर और देवकली हाल्ट को एक बार फिर पूर्ण स्टेशन का दर्जा दिए जाने की कवायद शुरू हो गई है। इसके लिए रेलवे द्वारा करीब 36 करोड़ रुपये की टेंडर प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी गुरुवार को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुई, जिससे जिलेवासियों और यात्रियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। यदि यह योजना धरातल पर उतरती है तो इस रेलखंड पर ट्रेनों की क्रासिंग की लंबे समय से चली आ रही समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा।

झरेखापुर और देवकली दोनों स्थानों पर तीन-तीन रेलवे लाइनें विकसित की जाएंगी। इससे अप और डाउन ट्रेनों के साथ-साथ मालगाड़ियों की क्रासिंग भी संभव हो सकेगी। वर्तमान में इस खंड पर ट्रेनों की क्रासिंग के लिए यात्रियों को लखीमपुर या गोला तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे ट्रेनें अक्सर विलंब से संचालित

देवकली रेलवे हाल्ट।

होती हैं। गौरतलब है कि मीटर गेज के समय लखीमपुर-गोला रेलखंड पर देवकली, फरधान और रजागंज पूर्ण स्टेशन थे, जबकि भल्लिया बुजुर्ग एक हाल्ट था। ब्रॉडगेज में परिवर्तन के बाद रेलवे ने केवल फरधान को स्टेशन के रूप में बनाए रखा, जबकि देवकली और रजागंज को हाल्ट में तब्दील कर दिया गया। इससे इस रेलखंड पर ट्रेनों की क्रासिंग व्यवस्था प्रभावित हो गई।

शुरुआती दौर में फरधान स्टेशन पर ट्रेनों की क्रासिंग होती रही, लेकिन बाद में वहां कोयले की गुड्स साइट विकसित होने के बाद क्रासिंग लगभग बंद हो गई। इसके चलते ट्रेनों की क्रासिंग लखीमपुर और गोला जैसे बड़े स्टेशनों तक सीमित हो गई, जिससे रेल संचालन प्रभावित हुआ और यात्रियों को लगातार देरी का सामना करना पड़ने लगा। अब देवकली हाल्ट को पुनः स्टेशन बनाए जाने और वहां तीन लाइन विकसित किए जाने से इस समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है। इसके साथ ही देवकली में गुड्स साइट बनाए जाने की योजना भी है।

रेलवे द्वारा इसके लिए गत वर्ष टीई, पीडब्ल्यूआई, ट्रैफिक और कमर्शियल इंस्पेक्टर की मौजूदगी में पैमाइश कर नक्शा तैयार किया जा चुका है, जिसे मंडल कार्यालय भेजा गया था। इससे भविष्य में क्षेत्र के व्यापारियों और किसानों को माल ढुलाई में भी सुविधा मिलेगी।

● ट्रेनों की क्रासिंग से यात्रियों को मिलेगी राहत, देवकली में गुड्स साइट भी बनेगी

● करीब 36 करोड़ रुपये की टेंडर प्रक्रिया की सूचना इंटरनेट मीडिया पर वायरल

सरकार की वेबसाइट पर सूचना से लोगों में खुशी

गुरुवार को भारत सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर झरेखापुर और देवकली हाल्ट को स्टेशन बनाए जाने से संबंधित टेंडर प्रक्रिया और देवकली में तीन लाइन विकसित किए जाने की जानकारी सामने आने के बाद यह खबर तेजी से इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गई। इससे रेल यात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों में भी उत्साह का माहौल है। हालांकि इस संबंध में पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि उन्हें फिलहाल टेंडर प्रक्रिया की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग से जानकारी लेकर ही स्थिति स्पष्ट की जा सकती है। यदि यह योजना अमल में आती है तो सीतापुर-मैलानी रेलखंड पर ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार होगा और यात्रियों के साथ-साथ माल परिवहन को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

नान प्रैक्टिशनर वकील बिगाड़ सकते हैं चुनाव का गणित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अच्छे प्रत्याशी को चुनने की अपील, प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंकी

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव के मतदान से पहले के अंतिम दो दिनों में सभी प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। समर्थकों के साथ न्यायालय परिसर में लगातार संपर्क कर अधिवक्ताओं से समर्थन मांगा जा रहा है, वहीं घर-घर जाकर भी अपील की जा रही है। इस बीच जिला अधिवक्ता संघ के कई पूर्व पदाधिकारियों और वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने सभी वकीलों से विवेकपूर्ण मतदान की अपील की है। पूर्व अध्यक्ष राकेश मिश्रा, योगेश सक्सेना, उमेश प्रताप सिंह, संतोष मिश्रा, राकेश शुक्ल, अवधेश कुमार सिंह और पूर्व महामंत्री सी.पी. अग्निहोत्री के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव मिश्रा, वीरेंद्र वर्मा, विजय ब्रह्म चंदेल और विनय सेठ ने संयुक्त रूप से कहा कि चुनाव में ऐसे प्रत्याशियों को चुना जाए जो अधिवक्ता हितों की रक्षा करें। संविधान के अनुरूप कार्य करें और अधिवक्ताओं के मान-सम्मान को बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएं। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का कहना है कि जिला अधिवक्ता संघ केवल एक संस्था नहीं, बल्कि अधिवक्ताओं के अधिकार, गरिमा और एकजुटता का प्रतीक है। इसलिए चुनाव में व्यक्तिगत समीकरणों से ऊपर उठकर अधिवक्ता हित में कार्य करने वाले योग्य और ईमानदार प्रत्याशियों का चयन किया जाना चाहिए।

अमृत विचार: जिला अधिवक्ता संघ के आगामी चुनाव में इस बार नान प्रैक्टिशनर वकील चुनावी गणित को प्रभावित करने की अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। संघ के चुनाव में कुल 2030 अधिवक्ता मतदाता हैं, जिनमें बड़ी संख्या ऐसे वकीलों की बताई जा रही है, जो वर्तमान में नियमित रूप से प्रैक्टिस नहीं कर रहे हैं। इनकी मौजूदगी ने प्रत्याशियों की रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है।

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव को 17 जनवरी को मतदान होना है। गौरतलब है कि वर्ष 2009 में तत्कालीन जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष योगेश सक्सेना और महामंत्री अवधेश कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान एक बड़ा कदम उठाते हुए 600 से अधिक नान प्रैक्टिशनर वकीलों को चिन्हित किया था और उन्हें मताधिकार से वंचित कर दिया था। उस समय इस निर्णय को अधिवक्ता हित में लिया गया कड़ा, लेकिन आवश्यक फैसला माना गया था। हालांकि, बीते कुछ वर्षों में इन नान प्रैक्टिशनर वकीलों को पुनः सदस्यता मिल गई, जिससे उनकी संख्या एक बार फिर उल्लेखनीय स्तर पर पहुंच गई है। चुनाव में नान

● अधिवक्ता संघ चुनाव: 2030 मतदाताओं में बड़ी संख्या में नान प्रैक्टिशनर

प्रैक्टिशनर वकीलों की इस बड़ी तादात ने मुकाबले को रोचक बना दिया है।

जानकारों का मानना है कि यदि यह वर्ग संगठित होकर मतदान करता है तो वह किसी भी प्रत्याशी के पक्ष या विपक्ष में परिणाम को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकता है। इसी आशंका के चलते सभी प्रत्याशी न केवल न्यायालय परिसर में, बल्कि नान प्रैक्टिशनर वकीलों तक व्यक्तिगत रूप से पहुंचने का प्रयास कर रहे हैं। स्थिति यह है कि प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ कोर्ट परिसर में जनसंपर्क करने के साथ-साथ नान प्रैक्टिशनर वकीलों के घर-घर जाकर दस्तक दे रहे हैं।

उनसे सीधे संपर्क कर वोट और सहयोग की अपील की जा रही है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में यह गतिविधियां और तेज हो गई हैं, जिससे चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है।

फर्जी बैनामा कराने की रिपोर्ट दर्ज

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: शाहजहांपुर जिला के पुरैना गांव निवासी रामगुनी ने बताया कि कोतवाली गोला के लाल्हापुर निवासी रामसेवक ने 27 मई 2025 को स्वर्गीय गयादीन निवासी गांव बिहारीपुर, लन्दनपुर से सब रजिस्टार कार्यालय में पुष्पा देवी पत्नी पुत्तूलाल निवासी तूलमेलगंज के पक्ष में फर्जी बैनामा करा दिया, जबकि रामगुनी के भाई गयादीन की 5 मई 2025 को मृत्यु हो गई थी, जिनकी वह अकेली वारिश है।

आरोप है कि रामसेवक ने गयादीन बनकर गवाहों पुत्तूलाल निवासी ग्राम तूलमेलगंज, शिवराम निवासी बहेरा, बरगदिया मजरा इब्राहिमपुर थाना नीमगांव तहसील मितौली की मदद से फर्जी बैनामा किया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

पोषण और आय का मजबूत आधार बना सहजन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● खेती से बदलेगा स्वास्थ्य और जीवन, कृषि विभाग ने बताया जादुई पेड़

अमृत विचार: पोषण की कमी, बदलती जीवनशैली और बढ़ती बीमारियों के इस दौर में सहजन (मोरिंगा) किसानों और आमजन दोनों के लिए वरदान बनकर उभरा है। स्वास्थ्यवर्धक गुणों से भरपूर सहजन न केवल कुपोषण से लड़ने में सहायक है, बल्कि यह किसानों के लिए अतिरिक्त आय का भी मजबूत साधन बन सकता है। कृषि विभाग ने सहजन को जादुई पेड़ बताते हुए किसानों से घर-आंगन, बागानों और खेतों में लगाने की अपील की है।

उप कृषि निदेशक गिरीश चंद्र ने बताया कि सहजन का हर हिस्सा उपयोगी है। इसके पत्ते, फलियां और बीज पोषक तत्वों का भंडार हैं। सहजन में विटामिन ए, सी और ई के साथ-साथ कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन और प्रोटीन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इतने विविध पोषक तत्व किसी एक ही पौधे में मिलना दुर्लभ है। उन्होंने बताया कि एक चम्मच सहजन पाउडर प्रतिदिन दही या छाछ के साथ सेवन करने से शरीर की कई पोषण संबंधी जरूरतें पूरी हो जाती हैं। सहजन की खेती जलवायु के लिहाज से भी बेहद अनुकूल मानी जाती है। यह उष्ण और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में 25 से 35 डिग्री सेल्सियस तापमान पर अच्छी तरह बढ़ता है। इसकी सूखा सहन करने की क्षमता इसे कम वर्षा वाले इलाकों के लिए भी उपयुक्त बनाती है। अत्यधिक ठंड या गर्मी की स्थिति में भी यह पौधा अपेक्षाकृत आसानी से जीवित रह सकता है, जिससे किसानों को जोखिम कम होता है। सहजन को बीज या कटिंग दोनों माध्यमों से उगाया जा सकता है। बीज को लगभग दो इंच की गहराई पर बोया जाता है, जबकि कटिंग को उसकी लंबाई के एक-तिहाई भाग तक मिट्टी में दबाकर लगाया जाता है। जून माह कटिंग लगाने के लिए सर्वाधिक उपयुक्त माना जाता है। स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हुए उप कृषि निदेशक ने कहा कि सहजन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। यह सूजन कम करने, पाचन तंत्र को मजबूत बनाने, रक्त शर्करा को नियंत्रित रखने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक है। इसके नियमित सेवन से त्वचा को स्वस्थ रखने और ऊर्जा स्तर बढ़ाने में भी मदद मिलती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि जहां भी चार फीट गुणा चार फीट की जगह उपलब्ध हो, वहां सहजन का पौधा अवश्य लगाएं।

बदलता जमाना बाजारों से गायब हो गईं सलाइयां, लुप्त हो रही स्वेटर बुनने की कला, रेडीमेड स्वेटर व जैकेट की बहार

अब नहीं दिखते साइकिल पर फेरी लगाकर ऊन बेचने वाले

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: सर्दियों के मौसम में महिलाएं धूप में बैठकर सलाइयों से ऊन बुनतीं थीं। बच्चों और परिवार के लिए रंग-बिरंगे स्वेटर तैयार करती थीं।

यह न केवल ठंड से बचाव का साधन था, बल्कि एक पारिवारिक परंपरा और रचनात्मकता का प्रतीक भी था। आज बदलते समय के साथ यह कला धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। रेडीमेड स्वेटर और जैकेट की बाढ़ ने बाजार को पूरी तरह बदल दिया है। कुछ समय पूर्व तक सर्दी की शुरुआत से ही साइकिल पर ऊन बेचने

सलाइयों से स्वेटर बुनतीं गोमती देवी।

वाले फेरीवालों की आवाज शहर से लेकर गांव तक की गलियों में गूंजती थी। पुकार सुनकर महिलाएं घरों से निकलतीं और मनपसंद रंगों की ऊन की खरीदारी करतीं। बाजारों में सलाइयां (निटिंग नीडल्स) और ऊन की दुकानें सजी रहती थीं।

महिलाएं बताती हैं कि ठंड के मौसम में छत या आंगन में धूप में स्वेटर बुनने का मजा ही अलग था। एक-एक फंदा जोड़कर डिजाइन बनाना, परिवार के लिए प्यार से कुछ रचनात्मक करना, यह सब एक भावनात्मक जुड़ाव था। दादी नानी से सीखी यह कला पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आ रही थी। परंतु अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। रेडीमेड गारमेंट्स की आसानी और विविधता ने हाथ से बुनाई की कला को पीछे छोड़ दिया है। बाजारों में सस्ते और फैशनेबल स्वेटर जैकेट आसानी से मिल जाते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग ने तो इसे और आसान बना दिया है।

बिजुआ के दुकानदार सेवक राम गुप्ता बताते हैं कि पहले सर्दी आते ही ऊन की बोरियां खाली हो जाती थी। अब ऊन की बिक्री न के बराबर रह गई है। कुछ वर्ष पूर्व तक हम लोग दुकान पर ऊन की सेल लगाते थे। खूब भीड़ होती थी अच्छी बिक्री भी होती थी, अब आगे से ही ऊन नहीं मिल रही है। वहीं सलाइयां बेचने वाली दुकानें भी गायब हो गई हैं। पूर्व प्रधानाध्यापक शिवगोपाल मिश्रा ने बताया कि यह बदलाव आधुनिकता की देन है, लेकिन एक सांस्कृतिक विरासत का नुकसान भी है। यदि हम चाहे तो इस कला को बचाया जा सकता है स्कूलों में सीखाकर वर्कशॉप आयोजित करके या परिवार में आगे बढ़कर इसके लिए लोगों को आना चाहिए, तभी स्वेटर बुनने की पुरानी खुशी लौट पाएगी।

क्या कहती हैं महिलाएं

महिलाओं में एक से बढ़कर एक ऊनी स्वेटर तैयार करने की होड़ लगी रहती थी। चाय की चुस्की और हंसी ठहाकों के बीच स्वेटर तैयार हो जाता था। कहीं प्रशिक्षण लिए बगैर ज्ञान भी बढ़ता था। नहीं पीढ़ी को सलाइयां और क्रोशिया चलना ही नहीं मालूम है।

-सोनी सिंह।

पहले स्वेटर का एक पल्ला बुनने के बाद ही खाना खाते थे। विभिन्न डिजाइन वाले बने स्वेटर, टोपी, मोजे उस समय फैशन माना जाता था। मैंने तो आज भी सहेज कर रखे हैं अब तो यह अतीत की बात हो गई है इस कला को लुप्त होने से बचाने का प्रयास करना चाहिए।

-राम दुलारी।

सप्तम पुण्यतिथि

इस जहाँ में कभी न मिट सकेगी अमिट छाप आपकी। भीगी पलकों में सदा बसी रहेगी याद आपकी।।

आपका स्वर्गवास 16.01.2019 को हो गया था, तब से परिवार के सभी लोग आपकी स्मृति हृदय से बनाये हुए हैं। आज 7 वर्ष उपरान्त भी आप सबकी स्मृति में हैं। आज परिवार के सभी लोग आपको याद कर रहे हैं तथा परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते हैं कि आप जहाँ भी हों सुखी हों।

शोकाकुल परिवार

अनिल सक्सेना (पति), अरूण कुमार-मधु (देवर-देवरानी), मृदुल शंकर, पारूल, राहुल, शंकर-रोली (पुत्र-पुत्रवधू) रूचि-सौरभ (पुत्री-दामाद), अंकित-मनीषा (भतीजा-वधू) अनुरिता - अभिषेक (भतीजी-दामाद), श्रेय सात्विक, स्वीटी, गार्गी, अर्शी, आयुष (नाती-नातिन) मो. 7983141405

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

खीरी

अम्बा हैल्थ क्लीनिक

डॉ.आर.एस.सिंह
B.A.M.S.
(आयुर्वेदाचार्य)
स्त्री-पुरुष रोग विशेषज्ञ
30 वर्षों से चिकित्सा का अनुभव प्राप्त
ISO.9001:2015 Certify Tredmark Clinic

★ पतले-दुबले
★ गाल पिचके
★ कमजोर स्त्री-पुरुष
★ मोटापा व वजन बढ़ाने के लिए
परामर्श लें।

चिकित्सा जानकारी
भूख न लगना, अपच, कब्ज, गैस बनना, खाने के बाद शौचालय जाना, बच्चों का शारीरिक विकास न होना, पुलिस व फोर्स आदि नौकरी में नाप तौल में कमी होना, बच्चों का बिस्तर गीला करना, मोटे पेट व थुल-थुले व्यक्ति का वजन कम करना, कील-मुंहासे, झाइयां, सफेद दागों व सावलापन हटाना, सुन्दर दिखाना, बालों का समय से पहले झड़ना, टूटना, सफेद होना एवं गंजापन होना, खूनी व वादी बवासीर आदि सभी बिमारियों का परामर्श लें।

किसी भी प्रकार का नशा जैसे
शराब, अफीम, गुटखा, सुल्फा, गांजा बीड़ी, सिगरेट आदि नसा छुड़ाने की रोगी को बिना लाये बिना बताये जानकारी प्राप्त करें।

स्त्री-पुरुष गुप्त समस्याएं
- स्वपन दोष, शीघ्रपतन, मर्दाना कमजोरी होना
- हस्तमैथुन, धात जाने से कमी होना
- इन्द्री का ढीलापन-छोटापन व पतलापन होना
- वीर्य में शुक्राणु का कम होना
- ल्यूकोरिया, बांझपन, बच्चेदानी में रसोली होना
- यौन अंगो का ढीलापन या इच्छा कम होना
- मासिक धर्म अनियमित होना या उम्र से पहले बन्द होना

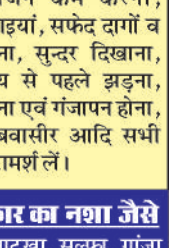

वैवाहिक जीवन को सफल बनायें अविकसित सीना को सुडौल आकर्षक बनायें
Sexually Transmitted Bacterial Disease
सुजाक, गिनोरिया, एड्स, यौन अंगो पर खुजली या छाले पड़ने पर तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें
गलत फिल्में देखने व फोन पर बातें करने से या पेशाब में चिपचिपा पदार्थ निकलने पर तुरन्त सम्पर्क करें
डॉ. साहब आपके विश्वास पर सभी बिमारियों को ठीक करने की कोशिश कर सकते हैं दावा या गारंटी नहीं दे सकते
मिलें सुबह 11 से सायं 5 बजे तक
दिनांक :-
11 जनवरी 2026, रविवार
25 जनवरी 2026, रविवार
निकट बरेली कॉलेज, होटल मोती महल काली बाड़ी चौराहा, बरेली
9837069463
7599211076

आस्था के साथ मनाई गई मकर संक्रांति, बांटी खिचड़ी

छोटी काशी के शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर किया दान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मकर संक्रांति का पर्व गुरुवार को जिले भर में आस्था के साथ मनाया गया। एक ओर जहां श्रद्धालुओं ने पवित्र नदियों और तीर्थों में स्नान कर पुण्य कमाया, वहीं जगह-जगह खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। लोगों ने खिचड़ी दान भी की। छोटी काशी के शिव मंदिर में काफी भीड़ भाड़ रही। श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर गोकर्ण तीर्थ के घाटों पर बैठे पुरोहितों को खिचड़ी, वस्त्र दान किया।

गोला गोकर्णनाथ। मकर संक्रांति पर्व पर नगर, दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने पौराणिक शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजन कर बेलपत्र, फल, दूध, तिल, गुड़ और खिचड़ी का भोग लगाया। गोकर्ण तीर्थ के घाट पर बैठे पुरोहितों, गरीबों, जरूरतमंदों को वस्त्र, कंबल, खिचड़ी, धन आदि का दान कर सुख समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं ने पौराणिक शिव मंदिर, बूढ़े बाबा मंदिर में पूजा अर्चना के साथ ही नगर की लखीमपुर रोड स्थित हनुमान मंदिर, नीलकंठ मैदान स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर, खुटार रोड स्थित श्री राम जानकी मंदिर, मोहम्मदी रोड स्थित कंजा देवस्थान, अहमदनगर स्थित साईं बाबा मंदिर, क्लेश शरण मंदिर में भी पूजा, अर्चना कर जीवन की बाधाएं, दुख, दरिद्रता दूर करने की मन्नत के साथ दीपदान भी किया।

पौराणिक शिव मंदिर में दर्शन, पूजन करने आए दूर दराज के श्रद्धालुओं ने कहा कि यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि सामाजिक रूप से भी इससे भाईचारे और आपसी मेलजोल की भावना को बढ़ावा मिलता है। नगर की खुटार रोड स्थित फूल बाबा आश्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समरसता भोज में लोगों को खिचड़ी खिलाई गई। त्रिलोक गिरि मंदिर परिसर, लक्ष्मी नगर कॉलोनी स्थित धर्मेश्वर नाथ मंदिर परिसर, लखीमपुर रोड, मोहम्मदी रोड कई स्थानों पर स्टाल लगाकर लोगों को खिचड़ी खिलाई गई।

छोटी काशी के पौराणिक शिव मंदिर में पूजा करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कई जगहों पर आयोजित किया खिचड़ी भोज

पसगवां। गांव महदूदा में आयोजित खिचड़ी भोज कार्यक्रम में सहकारी समिति पसगवां के अध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा] शिक्षिका रेनू कुशवाहा ने बताया कि इस ठंड में नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ जरूरतमंदों के लिए कच्चा राशन दान करने की परंपरा का भी निर्वहन किया गया। गांव नरदी में यशोदा देवी शिक्षण संस्थान ने खिचड़ी भोज का आयोजन विद्यालय की प्रधानाचार्य सुनीता शर्मा और अर्जुन लाल शर्मा के संयोजन में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य अनूप सिंह के साथ गगन सिंह, अनुज गुप्ता, कमलेश शर्मा, राजन शुक्ला और रमेश त्रिवेदी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। जंगबहादुरगंज में खिचड़ी भोज का आयोजन वीरेश मिष्ठान भंडार ने किया। इस भोज में कस्बे के निवासियों के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरने वाले राहगीरों ने भी खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। यहां वीरेश गुप्ता के साथ अखिलेश, छोटे कारीगर, नन्हे, धर्मवीर, सोनू, कढले, खर्चीले, विनीत, रमेश आदि मौजूद रहे।

शिव मंदिर पहुंचने में श्रद्धालुओं को हुई दिक्कतें

छोटी काशी शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण कार्य होने के चलते बिल्डिंग मटेरियल, सरिया, स्टोन, सीएनसी पत्थर आदि बिखरे होने के चलते श्रद्धालुओं को पौराणिक शिव मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजन करने में कठिनाइयां हुई। पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मार्ग पर परिक्रमा पथ के लिए डाली गई छत में शटरिंग, अड़ाना लगे होने के चलते भी श्रद्धालुओं को मंदिर पहुंचने में दिक्कतें हुई। हालांकि मकर संक्रांति पर्व पर श्रद्धालुओं की आवाजाही के चलते पौराणिक शिव मंदिर जाने वाले मार्ग, गोकर्ण तीर्थ के घाटों, परिक्रमा पथ के स्तंभों पर लग रहे सीएनसी पत्थर आदि का कार्य सुरक्षा की दृष्टि से बंद रहा।

संक्रांति पर उमड़ा श्रद्धा का जन सैलाब

मूड़ा सवारान। क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर खिचड़ी भोज और दान पुण्य के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। ब्राह्मण और गरीबों को खिचड़ी, तिल, गर्म कपड़े और कंबल आदि दान किया। ठंड के बावजूद लोगों ने खिचड़ी भोज में बढ़कर हिस्सा लिया।

पलिया में जगह-जगह हुए खिचड़ी भोज व भंडारे

पलिया कलां। मकर संक्रांति पर अनेक श्रद्धालुओं ने शारदा नदी में डुबकी लगा दान पुण्य किया। जगह-जगह कन्या भोज व भंडारों आयोजन किए गए। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित सह खिचड़ी भोज की शुरुआत भोजन मंत्र से की गई। इस अवसर पर कॉलेज के प्रबंधक रामबचन तिवारी ,अध्यक्ष चांद कुमार जैन, नगर कार्यवाह अभिषेक शुक्ला ,नगर प्रचारक योगेंद्र जी ,प्रधानाचार्य राम प्रताप सिंह सहित प्रबंध समिति व भाजपा के कई पदाधिकारी, शिक्षक व छात्रगण मौजूद रहे। इसके अतिरिक्त शारदा नदी तट पर श्रीकुल सेवा संस्थान द्वारा विशाल खिचड़ी भोज आयोजित किया गया, जिसमें अनेक कन्याओं सहित सैकड़ों लोगों ने खिचड़ी, दही, घी ,भरवा मिर्च, सलाद,गुड़ आदि का आनंद लिया। इसके अलावा नगर की प्रमुख स्टेशन रोड, भीरा रोड, पालिका रोड पटिहन रोड एवं राम मंदिर सहित कई स्थानों पर खिचड़ी भोज एवं भंडारे आयोजित किए गए। इसके अलावा घर-घर में लोगों ने खिचड़ी, गुड़, मूंगफली, वस्त्र, फल, मेवा, रुपया आदि का दान किया।

खिचड़ी भोज के साथ वस्त्र व कैलेंडर का वितरण

सिंगाही, अमृत विचार : ग्राम पंचायत सिंगहां कलां के गांव सिंगहा खुर्द में ब्राह्मण समाज के सम्मान में खिचड़ी भोज का आयोजन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजन-अर्चन और मंत्रोच्चारण के साथ हुई। पूजा उपरांत ब्राह्मण समाज के लोगों को खिचड़ी प्रसाद कराया गया। भोजन ग्रहण करने के बाद मौजूद ब्राह्मणों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही नववर्ष का कैलेंडर भी वितरित किया गया। ब्राह्मणों ने आयोजक को आशीर्वाद देते हुए इस पहल की सराहना की और इसे सनातन संस्कृति के अनुरूप बताया। प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित ने कहा कि मकर संक्रांति दान, सेवा और सामाजिक सौहार्द का पर्व है। ब्राह्मण समाज का सम्मान हमारी सनातन परंपरा की पहचान है।

मकर संक्रांति पर खिचड़ी भोज

मैगलगंज, अमृत विचार : मकर संक्रांति के अवसर पर एक कृषि सेवा केंद्र, लिधियायी मोड़ पर खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के तमाम लोग व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। लोगों ने खिचड़ी का आनंद लिया। आयोजक संदीप शुक्ला, अनुराग बाजपेई, अमृतेश अवस्थी एवं सौरभ श्याम बिहारी गुप्ता, गिरीश चंद्र मिश्र, मोहित शुक्ला,भाजपा युवा नेता मोनू सिंह, आदित्य सिंह, गुड्डन, अखिलेश मिश्रा, गन्ना समिति चेयरमैन राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा एवं शैलेंद्र बाजपेयी आदि कार्यक्रम में शामिल रहे।

विराट हिंदू सम्मेलन, खिचड़ी भोज से दिया सामाजिक समरसता का संदेश

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : फूलबाबा आश्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विराट हिंदू सम्मेलन, खिचड़ी भोज कार्यक्रम में समाज, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र निर्माण आदि विषयों पर विचार विमर्श करते हुए सामाजिक समरसता का संदेश दिया। नगर के खुटार रोड स्थित फूलबाबा आश्रम में आयोजित हिंदू सम्मेलन में आरएसएस के जिला बौद्धिक प्रमुख मुख्य वक्ता रामनरेश ने कहा कि हिंदू केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की समग्र कला है। उन्होंने हिंदू समाज की एकजुटता को विश्व शांति और मानव कल्याण के लिए आवश्यक बताया। उन्होंने कुटुंब प्रबोधन, मातृशक्ति की भूमिका, स्वदेशी, मातृभाषा, पारिवारिक संवाद और धार्मिक, सांस्कृतिक संस्कारों पर विशेष बल देते हुए नागरिक कर्तव्यों, पर्यावरण, अनुशासन, जल संरक्षण, पॉलीथिन के त्याग और प्रदूषण रोकने को प्रत्येक नागरिक का दायित्व बताया। डॉ. हेडगेवार के विचारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने संगठन, स्वाभिमान को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया। अध्यक्षता कर रहे कथावाचक अंजनी शरण महाराज ने कहा कि संघ ने अनेक संघर्षों के बावजूद निरंतर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का कार्य किया है। आयोजित खिचड़ी भोज में लोगों को समरसता का संदेश दिया गया।

भीरा। सुबह से ही लोगों ने स्नान ध्यान कर मंदिरों में पूजन अर्चन करने के बाद भगवान को भोग लगाने के बाद पुरोहितों और यजवानों को खिचड़ी के साथ वस्त्र दान के साथ दक्षिणा दे परिवार और क्षेत्र के कल्याण की कामना की। मकर संक्रांति पर दीन दुखियों जरूरतमंदों के साथ वृद्ध असहयों को खिचड़ी सहित तिल और गुड़ का वितरण के साथ घरों में खिचड़ी परिजनों कन्याओं को खिलाकर दान दक्षिणा देने के साथ उनका आशीर्वाद लिया गया। प्राचीन मां कल्याणी मंदिर पर पुजारी ज्ञान प्रकाश मिश्रा ने खिचड़ी भोज का आयोजन किया।

भानपुर। बिजुआ क्षेत्र की ग्राम पंचायत भानपुर में खिचड़ी भोग का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सुमित कुमार द्वारा कराया गया। सुरजा गुप्ता ने कन्याओं को दान-दक्षिणा प्रदान की गई। इसके बा श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान विजयपाल, संजय कुमार, कईया, कल्लू, शंकर सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

संपूर्णानगर। मकर संक्रांति कस्बा और क्षेत्र में पूजा अर्चना के बाद लोगों ने स्टाल लगाकर राहगीरों और भक्तों के लिए खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया।

सिंगाही खुर्द के काली माता मंदिर ट्रस्ट एवं संजीव किराना स्टोर की तरफ से स्टाल लगाकर प्रसाद वितरण किया गया। वहीं, गोविंद नगर, खजुरिया, कमलापुर, इंदिरा नगर, बम नगर आदि तमाम जगहों पर खिचड़ी भोज आयोजित किए गए।

श्री अग्रवाल सभा की महिला मंडल ने वितरित की खिचड़ी : गोला गोकर्णनाथ। श्री अग्रवाल सभा महिला मंडल द्वारा दान पुण्य के पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी भोज वितरण कर सामाजिक समरसत का संदेश दिया। अशोक चैराहा स्थित गौरव ट्रेडर्स पर हुये खिचड़ी वितरण में श्रमिकों, राहगीरों, निर्धनों, मजदूरों ने खिचड़ी का आनंद लिया। व्यवस्था में माताप्रसाद केडिया, मीनाक्षी अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, कविता अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, इन्दु बंसल, रामजी धानुका, सनी सिंह, केशव अग्रवाल, अतुल अगवाला, पंकज हालन, दौलत अग्रवाल, संदीप अग्रवाल आदि ने सेवा कार्य किया।

गन्ना भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से यातायात बाधित

गन्ने से भरी ट्राली पलटी ट्राली को हटवाते पुलिस। ● अमृत विचार

संवाददाता, भानपुर

● भानपुर के निकट हुआ हादसा, चालक किसी तरह बचा

अमृत विचार: भीरा-बिजुआ राज्यमार्ग पर भीरा थाना क्षेत्र के गांव भानपुर के निकट बुधवार शाम गन्ने से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में ट्रॉली का चालक सुरक्षित बच गया, लेकिन मार्ग पर यातायात बाधित हो गया, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

पलिया क्षेत्र निवासी राजकुमार अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली में गन्ना भरकर दाऊदपुर स्थित खंडसारी उद्योग केंद्र जा रहा था। भानपुर गांव के पास पहुंचने पर एक अन्य वाहन को बचाने के प्रयास में उसने ट्रैक्टर से नियंत्रण खो दिया। नियंत्रण खोने के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे पलट गई। हालांकि, चालक राजकुमार ने कूदकर अपनी जान बचाई और उसे कोई चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलने पर बिजुआ चौकी इंचार्ज रमेश सिंह सेंगर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने राज्यमार्ग से गन्ने को हटवाकर यातायात को बहाल कराया।

सस्ते में खरीदा गन्ना नहीं कर रहे भुगतान

मझगई, अमृत विचार: निघासन क्षेत्र के बुद्धापुरवा निवासी नंदकिशोर यादव ने बताया कि लुधौरी स्थित बहतिया क्रेशर पर 6 जनवरी को दो ट्राली गन्ना बेचा था। गन्ना तौल के समय क्रेशर कर्मचारियों ने पर्चियों पर नेफ्ट ट्रांसफर की मोहर लगाकर उसे सौंप दीं और भरोसा दिया कि अगले दिन गन्ने का भुगतान उसके बैंक खाते में भेज दिया जाएगा। पीड़ित किसान का आरोप है कि तौल के बाद डेढ़ सप्ताह से अधिक बीतने के बावजूद गन्ने का भुगतान खाते में नहीं पहुंचा। कई बार क्रेशर प्रबंधन से संपर्क किया, लेकिन हर बार टालमटोल और असंतोषजनक जवाब मिला। किसान का कहना है कि यह समस्या सिर्फ उसके साथ नहीं, बल्कि क्षेत्र के कई अन्य किसानों के साथ भी सामने आ रही है। आरोप है कि निजी क्रेशर मालिक सस्ते दामों पर गन्ना खरीदने के बाद जानबूझकर भुगतान रोक लेते हैं, जिससे किसान आर्थिक तंगी में फंस जाते हैं। भुगतान न मिलने के कारण किसान को भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। पीड़ित किसान ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

रात में तहसील से कंबल ले जाने के मामले ने पकड़ा तूल

संवाददाता, पलिया कलां

● बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने उठाए सवाल, अधिवक्ताओं का प्रदर्शन
● एसडीएम ने आरोपों को खारिज करते हुए नियमित प्रक्रिया बताया

पलिया तहसील में विरोध प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: पलिया तहसील परिसर से रात के समय बड़ी संख्या में कंबल बाहर ले जाने का मामला बुधवार को उस समय तूल पकड़ गया, जब बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने इस पर आपत्ति जताई। घटना के विरोध में गुरुवार को अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और संबंधित राजस्व कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई न होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। वहीं उपजिलाधिकारी ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पूरे मामले को नियमित प्रक्रिया बताया है।

पलिया बार एसोसिएशन अध्यक्ष प्रदीप कुमार मेनरो ने बताया कि बुधवार शाम उनका कुछ सामान तहसील परिसर में स्थित उनके चैंबर में छूट गया था। सामान लेने के लिए वे शाम सात बजे के बाद तहसील पहुंचे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि एक ई-रिक्शा पर पांच गांठों में बंधे करीब 125 कंबल तहसील परिसर से बाहर ले जाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने रिक्शा चालक और उसके साथ मौजूद लेखपाल के सहायक से कंबल ले जाने के संबंध में पूछताछ की, तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला। आरोप है कि संबंधित कर्मियों ने टालमटोल करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग किया, जिससे विवाद बढ़ गया। इसी बीच संबंधित लेखपाल के पहुंचने पर दोनों पक्षों के बीच तीखी कहासुनी हो गई।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष का आरोप है कि इसके बाद उन्होंने तहसील में मौजूद संबंधित रजिस्टरों की जांच की, जिसमें कंबलों को बाहर ले जाने की कोई विधिवत प्रविष्टि दर्ज नहीं मिली। इसे लेकर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि शासकीय सामग्री को बिना दर्ज किए रात के अंधेरे में बाहर ले जाना संदेह पैदा करता है। गुरुवार को अवकाश का दिन होने के कारण सीमित संख्या में अ धिवक्ताओं ने तहसील पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया।

अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पारदर्शिता की मांग की और चेतावनी दी कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार कर्मियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा। बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने कहा कि शुक्रवार को सभी अधिवक्ताओं के समक्ष यह मामला औपचारिक रूप से रखा जाएगा और आगे की रणनीति तय की जाएगी। उधर, पूरे मामले पर एसडीएम डॉ. अवनीश कुमार ने आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि राजस्व कर्मी दिनभर ड्यूटी पर रहते हैं और शाम के समय कंबल ले जाकर अगले दिन जरूरतमंदों में वितरित करते हैं। इस मामले में भी करीब 125 कंबल इसी उद्देश्य से ले जाए जा रहे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि तहसील में आने और वितरित होने वाले प्रत्येक कंबल का पूरा हिसाब रखा जाता है और किसी भी तरह की अनियमितता नहीं है।

एसडीएम ने यह भी कहा कि घटना के समय बार एसोसिएशन अध्यक्ष कथित रूप से नशे की हालत में थे और उन्होंने रिक्शा चालक के साथ मारपीट की। उन्होंने कहा कि लगाए गए आरोप तथ्यहीन हैं और प्रशासन की छवि खराब करने के लिए बेबुनियाद बातें फैलाई जा रही हैं। फिलहाल मामला अधिवक्ताओं और तहसील प्रशासन के बीच टकराव का रूप लेता दिख रहा है। आने वाले दिनों में अधिवक्ता संघ की बैठक और प्रशासन की प्रतिक्रिया के बाद स्थिति और स्पष्ट होने की संभावना है।

मौसम दोपहर में खिली धूप से लोगों ने राहत पाई, दोपहर बाद सर्द हवाओं ने बढ़ाई ठिठुरन, परेशान हुए लोग

मकर संक्रांति पर बदला मौसम, सुबह घने कोहरे से थमी वाहनों की रफ्तार

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मकर संक्रांति के पर्व पर मौसम ने अचानक तीखे तेवर दिखाए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया। गुरुवार सुबह से ही जिले भर में घना कोहरा छाया रहा। हालात ऐसे बन गए कि कई इलाकों में दृश्यता घटकर 15 मीटर से भी कम रह गई। कोहरे के कारण राष्ट्रीय व राज्य मार्गों सहित शहर की प्रमुख सड़कों पर वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो गई। वाहन चालक पार्किंग लाइट और इंडिकेटर जलाकर आगे बढ़ते नजर आए। वहीं, सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। दिन का अधिकतम तापमान 17.0 डिग्री सेल्सियस, जबकि न्यूनतम तापमान 5.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कोहरे के साथ प्रचंड ठंड का प्रकोप जनपदवासियों की कंपकंपी छुड़ा रहा है। पिछले दिनों की अपेक्षा गुरुवार का दिन अत्यंत शीत दिवस रहा। स्थित यह रही कि गुरुवार की शुरूआत घने कोहरे से हुई। पछुआ हवाओं की वजह से सर्दी का प्रकोप भी जारी रहा। तेज सर्द हवाओं के साथ पाला गिरने से ठंड का असर और अधिक बढ़ गया। सुबह के समय शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग अत्यावश्यक कार्यों को छोड़कर घरों में ही दुबके रहे।

ठंड और गलन के कारण खासतौर पर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों पर पाला पड़ने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। आलू, सरसों और सब्जी की फसलों को नुकसान की आशंका जताई जा रही है। किसान मौसम पर नजर बनाए हुए हैं और फसलों को बचाने के उपायों पर चर्चा कर रहे हैं। दोपहर बाद आसमान साफ होने पर धूप खिली, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली। बाजारों में भी हल्की चहल-पहल लौटती नजर आई, लेकिन सर्द हवाओं के चलते ठिठुरन दिनभर बनी रही। राज्य मौसम केन्द्र के प्रभारी डॉ. अतुल कुमार सिंह के अनुसार अगले दो-तीन दिनों तक तापमान इसी तरह रहने की संभावना है और सुबह व शाम के समय कोहरा छाए रहने के साथ ही ठंड का प्रकोप जारी रह सकता है। 18 जनवरी को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बूंदाबांदी और कहीं हल्की बारिश के भी आसार बन रहे हैं।

गुरुवार को सुबह कोहरे के कारण दिन में जलीं वाहनों की लाइटें। ● अमृत विचार

ठंडे पड़े अलाव, कांप रहे लोग

ठंड का प्रकोप दिन पर दिन बढ़ रहा है। राहगीरों से लेकर मुसाफिरों को सर्दी से राहत दिलाने के लिए अलाव जलवाने के निर्देश हैं, जिसमें पालिका प्रशासन लापरवाही बरत रहा है। पिछले कुछ दिनों से सर्दी ने विकराल रूख अख्तियार कर लिया है। ऐसे में लोगों को सर्दी से बचाने के लिए पालिका प्रशासन अलावा में गिनती की लकड़ियां लगवा रहा है, वह भी सिर्फ शाम को। जो तीन से चार घंटे में राख हो जाती है। वहीं दिन में अलावा न लगवाए जाने से लोग ठंड से राहत पाने में लिए परेशान हैं।

तीन दिन निकली धूप के बाद फिर गिरा कोहरा

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : पिछले तीन दिनो से निकली धूप से मौसम सुहावना होने लगा था। लोगों को उम्मीद थी कि अब ठंड से निजात मिलेगी, लेकिन गुरुवार सुबह से ही घना कोहरा छाए रहने और धूप न निकलने से ठंड बढ़ गई। लोगों ने फिर अलाव का सहारा लिया। गुरुवार सुबह से घने कोहरे के साथ ठंड बढ़ गई, जिससे सड़क पर यातायात प्रभावित हुआ। सुबह रोड पर निकलने वाले वाहन फॉग लाइट जलाकर धीमी रफ्तार से निकल पाये। हालांकि दिन में 11 बजे के बाद निकली धूप से लोगों ने राहत की सांस ली। सुबह, शाम हो रही गलन के चलते लोगों ने अलाव का सहारा लिया।

न्यूज ब्रीफ

साढू के साथ मारपीट पुलिस को दी तहरीर

खुटार, अमृत विचार : कस्बा में मोहल्ला नारायणपुर निवासी नन्हे ने थाना पर तहरीर देकर बताया कि गुरुवार को बंडा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी साढू आया था। शाम करीब 4 बजे वह गाली गलौज करने लगा। मना करने पर उसके साथ मारपीट की। जिससे वह घायल हो गया। थाना प्रभारी श्यामवीर सिंह ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आग बुझाते समय ग्रामीण झुलसा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : रामचंद्र मिशन थाना क्षेत्र के गांव गुवारी निवासी रामकीरत ने बताया कि मंगलवार की रात आठ बजे खाना खाकर परिवार के साथ सो गए थे। रात में 11 बजे छप्परदार घर में आग लग गई। उसकी आंख खुली तो देखा कि छप्पर में आग लगी है। उन्होंने आग बुझाने का प्रयास किया तो दोनों हाथ झुलस गए। उसकी दो भैंस भी झुलस गयी।

परामर्श केंद्र पर गले मिले दंपती

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस लाइन में परामर्श केंद्र पर 12 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई तथा एक दंपती को सकुशल विदा किया गया। थाना कटरा क्षेत्र में एक दंपती का विवाह लगभग सात वर्ष पूर्व हुआ था। पति और पत्नी के बीच घरेलू विवाद चल रहा था। महिला दो साल से मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को परामर्श केंद्र पर बुलाया गया। दोनों पक्षों की वार्ता करायी गयी और दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। इस अवसर पर प्रभारी महिला उप निरीक्षक मधु यादव, सिपाही चन्द्रकांत, बबीता देवी आरक्षी साकेत आदि मौजूद रहे।

बाघ ने गोवंश का किया शिकार, शव दफनाया

खुटार, अमृत विचार : मोहल्ला पूर्वीगढ़ी निवासी पिंटू शुक्ला ने बताया कि खुटार-गोला रोड पर ईंट भट्ठा के पास उनके खेत में वीरू, देवेंद्र आदि लोग गन्ना छीलने गए थे। खेत में गन्ना टूटा हुआ था और गोवंश का अधखाया शव पड़ा था। सभी लोग वापस चले गए और खेतों पर मौजूद मोहल्ले के मनु अग्निहोत्री, सौरव शर्मा व ईंट भट्ठा स्वामी गुरपाल सिंह को जानकारी दी। रेंजर मनोज श्रीवास्तव टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

तेंदुआ के मुंह में पानी की बोतल ठूंसकर बचाई जान

खेत की रखवाली कर रहा किसान तेंदुआ के हमले में घायल, लगातार वारदातों के बाद भी नहीं चेत रहा वन महकमा

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचार: खेत की रखवाली कर रहे एक किसान पर गुरुवार सुबह तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। संकट की घड़ी में किसान ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय दिया और तेंदुए के मुंह में पानी की बोतल ठूंस दी, जिससे तेंदुआ पीछे हट गया। इससे किसान की जान बच सकी। हालांकि पंजे लगने से किसान घायल हो गया। उसे उपचार के लिए निघासन सीएचसी भेजा गया है।

मझगईं वन रेंज के गांव बौधिया कलां निवासी गांव निवासी अशोक जायसवाल अपने खेत में मचान बनाकर फसल की रखवाली करता है। गुरुवार सुबह वह मचान से उतरकर शौच के लिए जा रहे थे। तभी घात लगाए बैठे तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। हमले में अशोक जायसवाल घायल हो गए। उस समय उनके हाथ में पानी की बोतल थी, जिसे उन्होंने आत्मरक्षा में तेंदुए के मुंह में घुसेड़ दिया। इससे तेंदुआ घबरा गया और पीछे हट गया।

> तेंदुए के हमले में एक व्यक्ति घायल हुआ है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में तेंदुए की लोकेशन ट्रेस कर रही है। जल्द ही पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की कार्रवाई की जाएगी।
> -अंकित सिंह, रेंजर, मझगईं।

अशोक के चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी जिलेदार और ताज सहित अन्य ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की बढ़ती भीड़ को देखकर तेंदुआ खेतों की ओर भाग निकला। घटना के बाद दहशत व्याप्त हो गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण व परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजन घायल अशोक जायसवाल को निघासन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी। मझगईं वन क्षेत्र में तेंदुआ की लगातार खेतों से लेकर गांवों तक चहलकदमी बनी हुई है। नौ जनवरी को पिरथीपुरवा और बम्हनपुर के बीच बम्हनपुर निवासी किसान शोभित अवस्थी अपने खेत की रखवाली कर रहे थे। तभी दोपहर करीब 12 बजे तेंदुआ सामने आ गया था। उसी दिन दोपहर करीब दो बजे तेंदुआ पिरथीपुरवा-बुद्धापुरवा के बीच गन्ने के खेत में घुसते देखा गया।

घायल किसान अशोक जायसवाल।

10 जनवरी को तेंदुआ ने बेलाकलां गांव निवासी वाजिद अली पर झाड़ियों से निकलकर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था। वह चारा लेने खेतों की तरफ गए थे। इसके अगले दिन तेंदुए ने कोठिया गांव के पास सांड को निवाला बना डाला। यह सिलसिला यहीं नहीं रुका। सोमवार को तेंदुए ने नयापुरवा निवासी सुरेंद्र को हमला कर घायल कर दिया था। बुधवार की दोपहर बेलाकलां में फिर तेंदुए ने दस्तक दी और गांव से कुछ दूरी पर बूटा सिंह के खेत में चर रही बकरियों पर हमला कर दिया। हमले में एक बकरी की मौत हो गई थी। गुरुवार को फिर तेंदुआ ने किसान पर हमलाकर ग्रामीणों और वन विभाग को चुनौती दे डाली। लगातार हमलों के बाद भी वन विभाग ने उसे पकड़ने या फिर जंगल वापस भेजने को लेकर कोई कारगर कदम नहीं उठाए हैं। इससे ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है।

खेती-किसानी का काम चौपट

मझगईं वन क्षेत्र के गांवों के किसान हिंसक वन्य जीवों के हमले से काफी परेशान हैं। उनका खेती-बाड़ी का काम भी चौपट हो रहा है। कहीं बाघ, तेंदुआ किसानों व मवेशियों पर हमला कर रहे हैं तो कहीं हाथी किसानों को मार कर उनकी फसलों को तबाह कर रहे हैं। इससे किसान अब दिन में भी खेतों की तरफ जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। किसानों का कहना है कि उनकी मुख्य खेती गन्ना है। चीनी मिल चल रही है। बाघ और तेंदुए की दहशत के कारण गन्ने की छिलाई नहीं हो पा रही है। पर्चियां होने के बाद भी वह अपना गन्ना चीनी मिलों को आपूर्ति नहीं कर पा रहे हैं। इससे जहां उनका गन्ना खेतों में सूख रहा है। वहीं उनकी खेत खाली न होने के कारण आगामी फसलें भी समय से नहीं बोई जा सकेंगी। किसानों ने हिंसक वन्य जीवों से छुटकारा दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाने की मांग की है।

संदिग्ध हालात में ग्रामीण की मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता, मझगईं

- 19 दिसंबर को मजदूरी करने के लिए घर से निकला था नरायन

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के लोकनपुरवा गांव में एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक के भाइयों ने कुछ लोगों पर जमीन अपने नाम लिखवा कर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मृतक नरायन।

गांव बनघुसरी निवासी राम बहादुर ने बताया कि उसका सगा भाई नरायन (50) मंदबुद्धि था। 19 दिसंबर की सुबह वह मजदूरी करने के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद राम बहादुर ने मझगईं थाने में भाई के गायब होने की तहरीर दी थी। राम बहादुर का आरोप है कि लोकनपुरवा निवासी मंगू, प्रहलाद, बलराम और चुन्ना ने उसके भाई से धोखे से जमीन लिखवा ली थी। इसी वजह से उसे आशंका थी कि भाई के साथ अनहोनी हो सकती है। बुधवार को राम बहादुर ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर भाई को बरामद कराने की गुहार भी लगाई थी। गुरुवार की दोपहर राम बहादुर को सूचना मिली कि उसके भाई नरायन की मौत लोकनपुरवा में मंगू के यहां हो गई है और आरोपियों ने उसकी दो बीघा जमीन भी अपने नाम करा ली है। इस पर राम बहादुर ने चारों लोगों पर भाई की गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि मृतक के भाई ने गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवेक फौजी ने काला चीता को दी पटखनी

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचार: दंगल के दूसरे दिन कुश्ती प्रेमियों को एक से बढ़कर एक रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। विभिन्न राज्यों से आए नामी पहलवानों ने दमखम का प्रदर्शन किया। मुकाबलों में आयुष और मोंटी ने शानदार जीत दर्ज की, जबकि अयोध्या के विवेक फौजी ने राजस्थान के मशहूर पहलवान काला चीता को पटखनी दी।

दंगल के दौरान दिल्ली के संदीप और हरियाणा के काला चीता के बीच हुए मुकाबले में बराबरी रही। वहीं दूसरे मुकाबले में दिल्ली के मोंटी ने मेरठ के अवधेश को पराजित किया। कलिमर शरीफ के बाबा शरीफ ने गाजियाबाद के सूरज को दांव-पेच में पटखनी दी। स्थानीय पहलवान आयुष ने निघासन के संतराम को पहले राउंड में ही चित कर दिया। दूसरे राउंड में आयुष को चोट लगने के चलते मुकाबला स्थगित कर उन्हें विजेता

अखाड़े में दंगल लड़ते पहलवान। ● अमृत विचार

- दंगल के दूसरे दिन रोमांचक मुकाबले, आयुष व मोंटी रहे विजेता

घोषित किया गया। अन्य मुकाबलों में अयोध्या के विवेक फौजी ने राजस्थान के काला चीता को पराजित किया, जबकि सहारनपुर के संदीप ने मुन्ना टाइगर को मात दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक प्रमुख गुरप्रीत सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य तरसेम सिंह, ग्राम प्रधान गुरदीप सिंह, जसवंत सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। विजेता पहलवानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। दंगल कमेटी की ओर से अतिथियों को स्मृति चिह्न और मालाएं पहनाकर सम्मानित किया। समापन पर मुख्य अतिथि ने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए एसे आयोजनों की जरूरत है, जिससे ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। दंगल के दौरान भीड़ कई बार बेकाबू होकर अखाड़े के पास पहुंच गई, लेकिन कमेटी और पुलिस प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए स्थिति को संभाल लिया। आयोजन में कमेटी के पहलवान राहुल पांडेय, अजित मौर्य, राजन यादव, पहलवान बाबा लाड़ी सहित बड़ी संख्या में दंगल प्रेमी मौजूद रहे।

परचून की दुकान के लेनदेन को लेकर मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: कोतवाली धौरहरा क्षेत्र के गांव सरसवां में परचून की दुकान के रुपए के लेनदेन को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट हो गई।

पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सरसवां निवासी नसीर ने बताया कि बुधवार की शाम करीब 6 बजे गांव के अनुज, गूना व बिटाना व बराती की पत्नी ने उसकी परचून की दुकान के रुपए के लेनदेन को लेकर उसकी भाभी खवीजा और माता हसीना को गालियां दीं। आरोप है कि आरोपियों ने लात-घूंसों और लाठी से मारपीट की। जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव

संवाददाता, मितौली

- प्रेम-प्रसंग के चलते मानसिक तनाव की आशंका
- परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से किया इनकार

> मृतक के परिजनों ने लिखित रूप से पोस्टमार्टम न कराने की इच्छा जताई है। परिजनों की सहमति के बाद शव उन्हें सौंप दिया गया। बहरहाल, आत्महत्या मानकर प्रारंभिक जांच की जा रही है।
> -महेश पाठक, प्रभारी निरीक्षक थाना मितौली

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव दानपुर में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर स्थित एक बाग में 20 वर्षीय युवक का शव आम के पेड़ से लटका मिला। शव युवक के ही मफलर के फंदे से लटका हुआ था। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

मृतक की पहचान अवनीत (20) पुत्र सुभाष के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार अवनीत का शाहजहांपुर जिले की एक युवती से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बुधवार को वह युवती से शादी करने के उद्देश्य से कोर्ट गया था, लेकिन किसी कारणवश कोर्ट मैरिज नहीं हो सकी। इससे वह काफी परेशान और तनाव में था। मृतक के पिता सुभाष ने बताया कि कोर्ट से लौटने के बाद अवनीत सामान्य ही लग रहा था। रात करीब 8:30 बजे उसकी मां रेखा ने उसे चाय और रोटी दी। इसके कुछ देर बाद वह घर से बाहर चला गया। रात करीब 9:30 बजे जब परिजनों ने उसका फोन मिलाया तो कॉल रिसीव नहीं हुई। कई बार फोन करने के बावजूद संपर्क न होने पर परिजनों ने पूरी रात उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

गुरुवार सुबह गांव के बाहर स्थित बाग में आम के पेड़ से शव लटका दिखाई दिया। शव देखते ही परिजनों के होश उड़ गए। घटना की सूचना मृतक के बड़े भाई अवनीश ने तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही कस्ता चौकी प्रभारी जयकृष्ण तिवारी और दीवान राजेश मिश्रा मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतरवाकर जांच शुरू की।

पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की, लेकिन परिजनों ने किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई और पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया। परिजनों ने इस संबंध में थाना पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र सौंपा। इस पर पुलिस ने शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया। घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रेम प्रसंग और शादी न हो पाने के कारण युवक मानसिक रूप से काफी तनाव में था।

नकदी और जेवर समेत आठ लाख की चोरी

संवाददाता, मझगईं

- बंद घर को बनाया निशाना कीमती सामान लेकर चोर फरार

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के गांव धर्मापुर के कौडिया में चोरों ने बुधवार की रात बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। चोर मकान का ताला तोड़कर एक लाख रुपये की नकदी, सोने-चांदी के जेवरात, कीमती कपड़े और जरूरी कागजात समेत करीब आठ लाख रुपये का सामान ले गए। पीड़ित परिवार में दहशत और रोष है।

गांव धर्मापुर के कौड़िया निवासी मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि वह बुधवार रात बच्चों से मिलने लखीमपुर गए थे। घर में उनकी पत्नी मनोजनी मिश्रा अकेली थीं, जो सुरक्षा की दृष्टि से अपने देवर अतुल मिश्रा के घर सोने चली गई थीं। गुरुवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे जब मनोजनी मिश्रा घर लौटीं तो मुख्य गेट अंदर से बंद मिला, जबकि दक्षिण दिशा का छोटा दरवाजा खुला था। अनहोनी की आशंका पर उन्होंने परिजनों को सूचना दी। परिवार के लोगों के साथ भीतर जाने पर देखा कि सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी और बक्से टूटे थे और बक्से घर से बाहर फेंके गए थे। जांच में पता चला कि चोर हार, दो मांग टीका, तार उत्तीला के झाले, मंगलसूत्र समेत करीब पांच तोला सोना और 600 ग्राम चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। इसके अलावा एक लाख रुपये नकद और अन्य सामान भी ले गए। पीड़ित परिवार के अनुसार चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब आठ लाख रुपये है। प्रभारी निरीक्षक राजू राव ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है। खुलासे के लिए टीमें लगाई गई हैं।

चाइनीज मांझे के खिलाफ आयोजित होगा पतंग महोत्सव

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: चाइनीज मांझे के दुष्प्रभावों के विरुद्ध जनजागरुकता के उद्देश्य से श्री राजेंद्र गिरि स्टेडियम में आयोजित होने वाली दो दिवसीय छोटी काशी पतंग महोत्सव 21 जनवरी से होगा, जिसके लिए गोला टूरिज्म के पदाधिकारियों ने नगर पालिका में बैठक कर रणनीति तय की है।

गुरुवार को नगर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू एवं गोला टूरिज्म संगठन के पदाधिकारियों की बैठक में दो दिवसीय पतंग महोत्सव की शुरुआत 21 जनवरी से कराए जाने पर सहमति बनी और आयोजन के लिए रणनीति तय कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। गोला टूरिज्म के सचिव इं मिलिंद शुक्ला ने कहा कि महोत्सव का मुख्य उद्देश्य न केवल पतंगबाजी की परंपरा को

गोला नगर पालिका की बैठक में बोलते गोला टूरिज्म के मिलिंद शुक्ला। ● अमृत विचार

- राजेंद्र गिरि स्टेडियम में आयोजन 21 और 22 जनवरी को

उत्सव के रूप में प्रस्तुत करना है, बल्कि समाज को चाइनीज मांझे से होने वाले खतरों के प्रति भी सचेत करना है। बैठक में तय किया गया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पंजीकरण 16 जनवरी से 19 जनवरी तक नगर पालिका परिषद कार्यालय में किया जाएगा। प्रतिभागियों को पंजीकरण के समय आधार कार्ड की मूल प्रति एवं फोटोकॉपी, दो पासपोर्ट साइज फोटो लाने होंगे।

बैठक में गोला टूरिज्म संगठन के सचिव इं. मिलिंद शुक्ल, रविन्द्र कटियार, डॉ. सौरभ दीक्षित, डॉ. आदर्श दीक्षित, डॉ. योगेश कनौजिया, राजेंद्र सोनी, कुलदीप तिवारी, कमल नयन शुक्ल, अनिकेत अवस्थी मौजूद रहे।

दो वर्गों में होगा महोत्सव

प्रतियोगिता जूनियर और सीनियर वर्ग में होगी। जूनियर वर्ग में 16 वर्ष तक एवं सीनियर में 16 से अधिक वर्ष के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं। सीनियर वर्ग में प्रथम आने पर 5100, द्वितीय 2100 एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को 1100 रुपये, जूनियर वर्ग में प्रथम 2100, द्वितीय 1500 एवं तृतीय स्थान के प्रतिभागी को 1100 रुपये दिए जाएंगे। प्रतिभागियों को पतंग आयोजन स्थल पर उपलब्ध कराई जाएगी, जबकि सद्दी स्वयं लानी होगी। प्रतियोगिता में देशी मांझा का प्रयोग अनिवार्य रहेगा। निर्णायक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आम जनता, विशेषकर दुकानदारों और बच्चों को चाइनीज मांझे के गंभीर परिणामों के प्रति जागरूक करना है। छोटी काशी पतंग महोत्सव 2 नगर की सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ करने के साथ साथ सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल पतंगबाजी का संदेश भी देगा।

परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को दिया जाएगा पर्यावरण का संदेश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2026 के अवसर पर जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में बच्चों के लिए पेंटिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। यह प्रतियोगिता पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के सहयोग से कराई जा रही है। इस वर्ष वर्ल्ड वेटलैंड डे की थीम आर्द्रभूमि और पारंपरिक ज्ञान सांस्कृतिक विरासत रखी गई है।

बीएसए रोशनी सिंह ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कक्षा छह से आठ तक के विद्यार्थी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। पेंटिंग ए-साइज ड्राइंग शीट पर बनाई जाएगी और छात्र किसी भी रंग का उपयोग कर सकते हैं। ड्राइंग शीट के पीछे छात्र का नाम, कक्षा, विद्यालय का नाम, ई-मेल आईडी तथा संबंधित शिक्षक या प्रधानाचार्य का नाम और मोबाइल नंबर लिखना अनिवार्य होगा। साथ ही विद्यालय का पहचान पत्र भी लगाना होगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व में NAINSHI नाम था। जो मार्कशीट के अनुसार अब KM NANCY RANA हो गया है। मुझे आगे अब इसी परिवर्तित नए नाम से ही जाना पहचाना जाये। **KM NANCY RANA पुत्री VIRENDRA SINGH (वीरेंद्र सिंह) निवासी ग्राम व पोस्ट छेदिया पश्चिम, तहसील पलिया कलां, जिला खीरी।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र सुनील कुमार को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उसे अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **चुन्नी लाल पुत्र हेमराज नि. ग्राम सुजनी थाना दियोरिया कलां तह. बीसलपुर जनपद पीलीभीत**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम Balavindar Singh s/o Guradeep Singh से बदलकर Balvinder Singh s/o Gurdeep Singh रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। **बलविन्दर सिंह पुत्र गुरदीप सिंह, निवासी- बाजार गंज, पोस्ट-डुडवा, तहसील - पूरनपुर, जिला- पीलीभीत (यूपी)**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

दो दिनी बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- विजेता प्रतिभागियों किया गया पुरस्कृत

अमृत विचार: जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय अंतर विद्यालय बैडमिंटन चैंपियनशिप प्रतियोगिता के समापन पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

बांकेगंज रोड स्थित जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल में हुई बैडमिंटन प्रतियोगिता में समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश हॉकी प्रशिक्षक सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य विश्वनाथ सिंह, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य अतुल अग्रवाल, दीपक हालन, अजय गर्ग तथा रोहित अग्रवाल ने दीप जलाकर आरंभ किया। मुख्य अतिथि श्री सिंह ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी जरूरी है। यह बच्चों के शारीरिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है।

दो दिवसीय प्रतियोगिता के समापन के दिन अंडर 10, अंडर 14 और अंडर 17 के सिंगल व डबल के फाइनल राउंड मैच हुए। अंडर 10 बालक (एकल) में आर्यन यादव प्रथम, अंडर 14 बालक (एकल) समर प्रताप सिंह प्रथम, अंडर 14 बालिका (एकल) अनन्या सिंह प्रथम, अंडर 10 बालिका (एकल) आशी सक्सेना प्रथम, अंडर 17 बालिका (एकल) रिया अग्रवाल प्रथम, अंडर 17 बालक (एकल) सिद्धार्थ सिंह प्रथम, अंडर 14 बालक (युगल) आदित्य मलिक और माज खान प्रथम, अन्डर 14-बालिका (युगल) अनिका अग्रवाल एवं आरफ़ा बुतूल प्रथम, अन्डर 17-बालिका (युगल) रिया अग्रवाल एवं अनुष्का वर्मा प्रथम, अंडर 17 बालक(युगल) सिद्धार्थ सिंह और अनुराग श्रीवास्तव प्रथम रहे। अतिथियों ने भी विजयी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन कर विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

गोला के जीडी गोयनका में विजेताओं को पुरस्कृत करते अतुल अग्रवाल।

समापन समारोह में भाजपा मीडिया प्रभारी विजय प्रकाश मिश्र, मनीष साहनी, पवन सेठी, गोपाल सक्सेना, दुर्गेश सक्सेना, राजीव राठी, अरविंद राठी, जबीउल्लाह खां, पवन बाजपेई सहित प्रबंधन समिति के पदाधिकारी, शिक्षक मौजूद रहे।

गांव मटेहनी निवासी युवक लापता

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: थाना खमरिया के गांव मटेहनी निवासी सहाबुद्दीन ने बताया कि मंगलवार को उनका बेटा लतीफ बाहर से घर आया था। आरोप है कि थाना शारदानगर के गांव संसरी निवासी नईम लतीफ को उसकी बाइक सहित धौरहरा लेकर गया था। इसके बाद से लतीफ घर नहीं लौटा। जब नईम से बेटे के बारे में पूछा जाता है तो वह कभी धौरहरा में होने की बात करता है और कभी अनभिज्ञता जाहिर करता है। आरोप है कि नईम के पास बेटे की बाइक होने की जानकारी दी जा रही है, लेकिन लतीफ के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। लतीफ का मोबाइल भी स्विच ऑफ है। पिता ने आरोपी को नामजद कर थाना खमरिया पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक ओपी राय ने बताया कि जांच एसआई राम शेष यादव को सौंपी गई है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लापता बच्ची का कुएं में मिला शव

संवाददाता, धौरहरा

अमृत विचार: थाना ईसानगर क्षेत्र के बिरसिंहपुर गांव में बुधवार को लापता हुई आठ वर्षीय बच्ची का शव घर के पास कुएं से बरामद हुआ है। परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है।

गांव निवासी गिरजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि उनकी बेटी आयुषी (8) बुधवार सुबह करीब 11 बजे घर के बाहर खेल रही थी। इस दौरान वह अचानक लापता हो गई। काफी देर न लौटने पर परिजनों ने आसपास के घरों, खेतों और रिश्तेदारी में तलाश की, लेकिन बच्ची का कहीं सुराग नहीं मिला। अनहोनी की आशंका पर परिजनों ने थाना ईसानगर में गुमशुदगी की सूचना दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज की। सीओ शमशेर बहादुर सिंह के नेतृत्व में थानाध्यक्ष निर्मल तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बुधवार शाम से देर रात तक गांव व आसपास के क्षेत्रों में तलाश किया। गुरुवार सुबह बच्ची का शव घर के पास कुएं में दिखाई दिया। मौके पर परिजन और ग्रामीण एकत्र हो गए। पुलिस ने शव को कुएं से निकलवाकर पंचनामा भरने की कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बच्ची के शरीर पर किसी प्रकार की बाहरी चोट के निशान नहीं पाए गए हैं।

घटना स्थल पर लगी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

- बुधवार सुबह से लापता थी बच्ची, रातभर चली तलाश

मृतका आयुषी।

आशंका है कि खेलते समय वह असंतुलित होकर कुएं में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। फिर भी स्थिति स्पष्ट करने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से खुले कुओं को सुरक्षित कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पीटीओ ने बाइक समेत 35 वाहनों के किए चालान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सड़क सुरक्षा माह के तहत सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग ने गुरुवार को सड़क नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान चलाया, जिसके तहत बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 35 वाहनों के चालान काटे गए।

गुरुवार को पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र के नेतृत्व में परिवहन विभाग की टीम ने जनपद के विभिन्न पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया। इस दौरान बिना हेलमेट पेट्रोल लेने पहुंचे वाहन चालकों को नियमों के प्रति जागरूक किया गया और नियमों का उल्लंघन करने पर चालान की कार्रवाई की गई। साथ ही पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि बिना हेलमेट किसी भी दोपहिया वाहन को पेट्रोल न दिया जाए। इसके अलावा ऐरा शुगर मिल परिसर में संचालित वाहनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में बिना रिफ्लेक्टर चल रहे वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगवाए गए। पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र ने कहा कोई भी वाहन बिना रिफ्लेक्टर के संचालित न हो, क्योंकि रिफ्लेक्टर दुर्घटनाओं को रोकने में अहम भूमिका निभाते हैं।

बाइक सवार को समझाते पीटीओ डॉ. कौशलेंद्र सिंह।

उत्तरायणी मेला: बिखरी पर्वतीय संस्कृति की खुशबू

मंच से कलाकारों ने अगले साल फिर मिलने का किया वादा, उत्साहित नजर आए दर्शक

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की शुरुआत
- बाल साहित्यकार ललित शौर्य समेत कई हस्तियों को सम्मानित किया गया

अमृत विचार: उत्तरायणी मेले के आखिरी दिन सांस्कृतिक रंगों और जन उत्साह का संगम देखने को मिला। खचाखच भरे मेला परिसर में मंच पर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों का दौर देर शाम तक जारी रहा। अंत में देवभूमि के दर्शन कराते हुए अगले वर्ष फिर आने का वादा कर उत्तरायणी मेले ने विदा ली। मेले के सफल आयोजन के उपलक्ष्य में बरेली क्लब मैदान पर पंडित रमेश जोशी के साथ अध्यक्ष अमित पंत, महामंत्री मनोज पांडेय, कोषाध्यक्ष कमलेश बिष्ट, रमेश शर्मा, पीसी पाठक, तारा जोशी, रामेश्वर पांडेय, डॉ. अनिल बिष्ट बोहरा ने हवन-पूजन किया।

उत्तरायणी जनकल्याण समिति की ओर से चल रहे रहे उत्तरायणी मेले के सुबह के सत्र की शुरुआत मुख्य अतिथि जेसी त्रिपाठी (आईडीएएस) ने की। आनंद रतूडी ने मंच संचालक एवं बाल साहित्यकार ललित शौर्य को सम्मानित किया। संध्याकालीन सत्र का शुभारंभ उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी एवं ब्रिगेडियर शशांक बहुगुणा ने किया। उनके साथ पूरन दानू, ललित शौर्य, मुकुल भट्ट, जगदीश सती, विनोद जोशी, चंदन नेगी सहित आदि उपस्थित रहे। अल्मोड़ा से आई गोकुल बिष्ट की टीम ने झोड़ा-छपेली लोकनृत्य प्रस्तुत किया।

थारू समाज की बंटी राणा की टीम ने शानदार प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। सुप्रसिद्ध लोकगायिका माया उपाध्याय ने 'हाय ककरीझील मा' और 'क्रीम पाउडर घोसनी किला' जैसे गीतों से माहौल को खुशनुमा बना दिया। सुपरस्टार किशन महिपाल के मंच पर आते ही 'जिया कोरी-कोरी खांदी' गीत पर मैदान के भीतर और बाहर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। जीवन राम की छोलिया टीम की प्रस्तुतियों ने पूरे ग्राउंड का तापमान बढ़ाए रखा।

देर रात तक मेला परिसर में भारी भीड़ उमड़ी रही। बद्री घी, तिवारी स्वीट्स, लोहाघाट ग्रोथ सेंटर और फूड प्लाजा पर स्टालों पर खूब चहल-पहल रही। अध्यक्ष अमित पंत ने सभी का आभार व्यक्त किया। वर्ष 2027 में पुनः मिलने का वादा किया। दिनेश, रामू, पूरन मेहरा, कैलाश उपाध्याय, प्रकाश पाठक, ब्रजेश मिश्रा, जीवन मेहरा आदि का विशेष योगदान दिया।

पर्वतीय औषधियों की हुई बिक्री

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों की औषधियों और स्थानीय उत्पादों की बिक्री ने खरीदारों को आखिरी दिन भी खूब आकर्षित किया। उत्तराखंड का बांस का अचार, हल्दी, लहसुन, आम, मशरूम, मिक्स हरी मिर्च, कटहल, नींबू, आंवला, करौंदा और गलगल के अचार खरीदारों के बीच सबसे ज्यादा लोकप्रिय रहे। मडुवा का आटा, चिप्स, भुजिया, गहत की दाल और भट की नमकीन ने भी लोगों का ध्यान खींचा। विक्रेताओं ने बताया कि पहाड़ी औषधियों और अचार की बिक्री ने उन्हें अच्छा मुनाफा दिया।

कनेक्शन काटने पर विद्युत कर्मियों से मारपीट

बरेली, अमृत विचार : सराय तल्फी सबस्टेशन के जेई साजन कुमार ने बताया कि इस समय बिजली बिल राहत योजना चलाई जा रही है। जिसमें बकाया बिल पर लगा ब्याज माफ किया जा रहा है। 30 नवंबर को रोंधी गांव में प्रधान के घर पर चौपाल लगाकर योजना की जानकारी दी गई थी। कमला देवी के कनेक्शन पर 84 हजार रुपये बकाया बिल था। 12 दिसंबर को उनका कनेक्शन काट दिया। 12 जनवरी को गांव में कैंप लगाकर बिल जमा कराया जा रहा था। टीजी टू नीरज साहू, अनिल कुमार, संविदा कर्मचारी धर्मपाल, अजय कुमार, रोहितास के साथ टीम कमला देवी के धक बकाया बिल वसूली को पहुंची। आरोप है कि टीम के साथ परिजनों ने मारपीट की। पुलिस ने हरवेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आवंला बरेली।

नीलामी–सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस संस्थान मे विभिन्न प्रजातियो के 32 पेंडो/वृक्षो जहाँ है जिस स्थिति मे है जैसे है, की सार्वजनिक नीलामी संस्थान के प्रांगण मे दिनांक–22 जनवरी 2026 को अपरान्ह 1:30 बजे निर्धारित शर्तो के अधीन की जायेगी।

इच्छुक केता उक्त तिथि से 2 दिन पूर्व किसी भी कार्य दिवस मे संस्थान मे स्वयं के व्यय पर पधारकर पेंडो/वृक्षो को देख सकते है तथा शर्तो की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पेंडो/वृक्षो की नीलामी मे बोली लगाने से पूर्व (विडर) इच्छुक व्यक्ति को शासकीय बोली हेतु (न्यूनतम रूपये–5000.00) धरोहर/जमानत के रूप मे धनराशि संस्थान के कैशियर के पास नकद जमा कराना होगा। धनराशि जमा कराने के पश्चात ही इच्छुक व्यक्ति नीलामी प्रकिया मे भाग ले सकेगा।

नीलामी मे भाग लेने के लिए बोली इन्छुक व्यक्तियो को एक फोटोयुक्त आई0डी0 की छायाप्रति जोकि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्य हो एवं दो फोटो लाना आवश्यक है(जैसे आधार कार्ड व अन्य),जी0एस0टी0 पंजीकरण प्रमाण–पत्र की छायाप्रति एवं पैन कार्ड की छायाप्रति लाना आवश्यक हैं।

नीलामी हेतु अन्य नियम एवं शर्ते की जानकारी संस्थान के कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

दिनांक–

(शिव कुमार शर्मा)
प्रधानाचार्य/अध्यक्ष
राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
आवंला बरेली।

UP – 243941 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली निविदा

राष्ट्रपति भारत सरकार की ओर से मण्डल इंजीनियर/यांत्रिक कारखाना वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई–टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं. 01, ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण : DEN-MWS-2026-01- प्रापोज्ड न्यू हाईड्रेन्ट पॉइंट इन मैकेनिकल वर्क शॉप गोरखपुर। (एज पर ड्राइंग नं. G/LT-1117), अनुमानित लागतः रू० – 73,76,978.60, धरोहर राशि : रू० 1,47,500.00, निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय 14.02.2026, 11.00 बजे।

इस ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या www.ireps.gov.in पर देखें।

मुख्य कारखाना प्रबन्धक/यां०कार०/गोरखपुर
मुजाधि/यांत्रिक – 123
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

संभल और मुरादाबाद में आग में जलकर दो महिलाओं की मौत

कार्यालय संवाददाता,संभल/ मुरादाबाद

अमृत विचार: संभल और मुरादाबाद में आग से दो महिलाओं की जिंदा जलकर मौत हो गई। संभल में संदिग्ध परिस्थितियों में झोपड़ी में आग लगने से वृद्धा की मौत हो गई। वहीं मुरादाबाद में हीटर से लगी आग में मशहूर शायर मंसूर उस्मानी की बेटी की जान चली गई।

धनारी थाना क्षेत्र के खलीलपुर गांव में राममूर्ति (70) पत्नी स्वर्गीय रामलाल अपने घेर में बनी झोपड़ी में अकेली सो रही थी। बृहस्पतिवार की शाम अचानक झोपड़ी से लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। वृद्धा को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और झुलसकर मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने मौका मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने आग लगने के कारणों की जांच के लिए मौके से साक्ष्य एकत्र किए।

वहीं मुरादाबाद के बारादरी क्षेत्र की हम्माम वाली गली में घर के ऊपर वाले कमरे में बुधवार की रात मशहूर शायर मंसूर उस्मानी की बेटी 40 वर्षीय हुमा उस्मानी हीटर जलाकर सो रही थी। रात करीब तीन बजे हीटर में शॉर्ट सर्किट से कमरे में आग लग गई। कमरे में आग की लपटें उठीं तो परिजनों को पता चला। कमरा अंदर से बंद था। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा दो फायर टैंकर लेकर पहुंचे और एक घंटे की कोशिश के बाद आग को बुझाया जा सक। तब तक हुमा उस्मानी की जलकर मौत हो गई। सीओ सिटी सुनीता दहिया और कोतवाली प्रभारी राजेश सिंह ने मौका मुआयना किया।

मृतका राममूर्ति।

मृतका हुमा उस्मानी।

- झोपड़ी में वृद्धा जली, हीटर से लगी आग में महिला की गई जान

मढ़िया घाट में हुआ गो चेतना एवं गो प्रेरणा महोत्सव

संवाददाता, मैगलगंज

- मकर संक्रांति पर गो सेवा व संरक्षण का दिया संदेश

अमृत विचार: महौली-सीतापुर के मढ़िया घाट पर गो चेतना एवं गो प्रेरणा महोत्सव का आयोजन सुखधाम गो अनुदान सेवा समितृ महौली (सीतापुर) ने आयोजित किया।

महोत्सव के दौरान गो सेवा और गो रक्षा को लेकर गहन चिंतन, विचार-विमर्श, सामूहिक प्रार्थना एवं विधिवत गो आरती संपन्न कराई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे जलपान से हुई। इसके बाद दोपहर 12 बजे गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने गोमाता के महत्व, संरक्षण की आवश्यकता और सामाजिक सहभागिता पर अपने विचार रखे। अपराह्न 3 बजे से गो रस से परिपूर्ण भोजन प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

डॉ. सूर्यकांत।

इस अवसर पर सुखधाम गोमाता मौजूद रहीं, जिनके सान्निध्य में पूरा वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्याम बिहारी गुप्ता अध्यक्ष गो सेवा आयोग, विष्णु दत्त मिश्रा अध्यक्ष, राज्य ललित कला अकादमी, अवधेश कुमार सिंह, डॉ. सूर्यकांत त्रिपाठी एचओडी, केजीएमयू., लखनऊ व राजेश शुक्ला जिला अध्यक्ष भाजपा सीतापुर मौजूद रहे। उधर, मैगलगंज से पूर्व प्रधान कमल बिहारी गुप्ता, रामकुमार गुप्ता, पवन गुप्ता सहित अनेक नागरिक संत-महात्मा और गो भक्त शामिल हुए। समापन पर आयोजकों ने गो सेवा को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना
सं. 15 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं:– **कार्यों का विवरण:**– 1. इज्जतनगर मंडल के विभिन्न यार्ड की मॉनीटरिंग हेतु सी.सी.टी.वी. कैमरों का प्रावधान।, **अनुमानित लागत:**– ₹ 2,55,51,407.31, **बयाना राशि:**– ₹ 2,77,800, **कार्य समापन अवधि:**– 6 माह, ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:– दिनाँक 06.02.2026 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिये।

वरि.मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर
मुजाधि/सिग्नल–88 इज्जतनगर
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सं.: उप मु.इं.-निर्माण-एलजेएन-11-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं:–

क्रम सं.-1, खुली निविदा संख्या: उप मु.इं.-नि.-एलजेएन-11-2025, दिनांक 13-01-2026, कार्य का नामः सीतापुर-मैलानी खण्ड में झरेखापुर हाल्ट को 3 लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन तथा देवकली हाल्ट को 3 लाइन क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तन के साथ लाइन सं.-3 पर गुड्स प्लेटफार्म का कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 36,41,58,217.18, बयाना राशि: ₹ 19,70,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: -निल-, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 (बारह) माह।

• क्रम सं.-1, ई-टेन्डर डालने की अन्तिम तिथि 06-02-2026 समय 15:00 बजे तक है तथा उसी दिन 15:30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के कार्यालय में खोली जायेगी। • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट https://www.ireps.gov.in अथवा वेबसाइट www.ner.indianrailways.gov.in पर भी देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-I, लखनऊ जं.
मुजाधि/डब्लू-416
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना सं0: DCE-BL-03-04-2026

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई–निविदा आमन्त्रित करते है

क्र0सं0 1:– ई–निविदा सं0– DCE-BL-03-2026, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं0–172DN (5x18.3m), 8, 57, 59DN (3X12.20m), 9(3x12.20m) 1UP (3X12.2), 3UP (3X12.20m), 178UP, 82DN, 59UP (3X12.20), 120UP, 125DN, 172UP (5x72.20m), 68UP, 9DN, 17DN, 2, 1DN, 3DN, 39UP, 59UP, 66UP पर साईड पाथवे का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 4,80,22,118.21, बयाने की राशि: ₹ 3,90,100.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 18 (अट्ठारह) माह।

क्र0सं0 2:– ई–निविदा सं0– DCE-BL-04-2026, कार्य का विवरण: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल पर स्थित पुल सं0–133UP, 149UP, 160UP, 172UP (6x12.2m), 173UP (5x12.2m), 38, 59UP (2X12.20), 61 UP, 171UP (2x18.30m), 97DN, 103DN, 133DN, 32, 56/71, 112DN 173 (5x12.20m), 171DN(2x18.30m), 5, 5UP, 5DN, 9 (1x24.40m), 11, 35/37, 38/41, 48 /59, 65, 16 पर साईड पाथवे का प्रावधान। अनुमानित लागत: ₹ 4,72,89,559.93, बयाने की राशि: ₹ 3,86,500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने के तिथि से कार्य की समापन अवधि – 18 (अट्ठारह) माह।

ई–निविदा खुलने की तिथि दिनांक 06.02.2026 को 11.00 बजे। ई–निविदा की प्राप्ती की तिथि दिनांक 06.02.2026 को 10.59 बजे। ई–निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण बेवसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

उप मुख्य इंजीनियर/पुल लाईन
मुजाधि/डब्लू–417 गोरखपुर
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालयः–प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

पत्र सं0– 963 /जई कटाई–मड़ाई/भूसा बनायी ठेका पत्रा0/मंझरा/2025–26/दिनांक–02.01.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र मंझरा लखीमपुर–खीरी जो कि लखीमपुर शरदानगर मार्ग पर 09 किमी0 की दूरी पर स्थित है, पर वर्ष 2025–26 में बोई गयी रबी जई बीज फसलों की कटाई–मड़ाई एवं यथा निर्दिष्ट स्थान पर आनाज पहुंचाने तथा गिराने के कार्य एवं रीपर मशीन द्वारा भूसा बनायी व सम्पूर्ण भूसा डेयरी गोदाम के अन्दर तक पहॅुचाना/रखना प्रति ट्राली क्षमता 10.00 कुं0 के कार्य हेतु निविदाऐं बन्द लिफाफे में आमन्त्रित की जाती है। प्रत्येक वस्तु के लिए अलग–अलग टेण्डर खरीदने होंगे। निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0–500.00 तथा जी0एस0टी0 नियमानुसार अलग से देय होगा, जो वापस नही होगा। अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से निविदा प्रपत्र दिनांक–23.01.2026 से दिनांक–30.01.2026 को दिन के 12:00 बजे तक कार्यालय कार्य दिवस में क्रय किया जा सकता है। जो दिनांक–30.01.2026 को दिन के 1:00 बजे तक सील बन्द लिफाफे में अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के निविदा बाक्स में जमा करना होगा। टेण्डर के साथ अलग–अलग निर्धारित जमानत धनराशि रू0–50000.00 (रू0 पचास हजार मात्र) नगद तथा एफ0डी0आर0 के रूप में जो प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एंव कृषि प्रक्षेत्र, मंझरा, लखीमपुर–खीरी के नाम देय हो, जमा कराना होगा। बिना अमानत धनराशि जमा किये टेण्डर स्वीकार नही होंगे। सर्व प्रथम दिनांक–30.01.2026 को ही दिन में 02:00 बजे मण्डलीय क्रय–विक्रय परिषद के समक्ष खुली बोली करायी जायेंगी, उसके उपरान्त निविदा (टेण्डर), उपस्थित निविदा दाताओं के समक्ष खोली जायेगी एंव खुली बोली/निविदा में प्राप्त धनराशि का मिलान किया जायेगा। जिसमें सबसे कम/उचित दर प्राप्त होगा, उसी निविदा दाता को कार्य का ठेका देने हेतु क्रय–विक्रय परिषद द्वारा संस्तुति पर विचार किया जायेगा। मण्डलीय क्रय विक्रय परिषद को यह अधिकार सुरक्षित होगा कि वह बिना कारण बताये किसी एक या सभी निविदाओं को निरस्त कर सकता है। खुली बोली/टेण्डर सम्बन्धी कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर ज्ञात किया जा सकता है। नियम व शर्तें टेण्डर फार्म के साथ उपलब्ध करायी जायेंगी। खुली बोली में वही व्यक्ति भाग लेगा, जिसके द्वारा कार्यालय में टेण्डर फार्म क्रय कर अमानत की धनराशि नगद तथा एफ0डी0आर0 के रूप में जमा कर दी गयी होगी। सभी टेण्डर दाताओं की उपस्थिति टेण्डर खोलने के समय अनिवार्य होगी। टेण्डर दाताओं की बाद में कोई आपत्ति मान्य नही होगी। प्रत्येक फर्म से केवल एक ही व्यापारी अथवा उसके द्वारा नामित प्रतिनिधि नीलामी प्रक्रिया में प्रतिभाग करेगा। रू०–10.00 के स्टाम्प पेपर पर प्रतिनिधि नामित किये जाने का प्राधिकार पत्र नामित व्यक्ति के आधार कार्ड की प्रमाणित छायाप्रति सहित निविदा के समय कार्यालय में जमा करना होगा। सशर्त कोई निविदा मान्य नहीं होगी। किसी विषम परिस्थितियों में टेण्डर खोलने की तिथि व समय बिना किसी पूर्व सूचना के परिवर्तित किया जा सकता है।

नोटः–विस्तृत जानकारी व अन्य शर्तें किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में आकर ज्ञात की जा सकती है।

क्रम सं0	वस्तु का नाम	अमानत राशि (रू0में)	क्षेत्रफल (हे0 में)
01	जई फसल की कटाई–मड़ाई गोदाम तक आनाज पहुंचाना	50000.00	105.00 हे0
02	रीपर से भूसा बनाई व सम्पूर्ण भूसा डेरी गोदाम के अन्दर तक पहुंचाना/रखना (प्रति ट्राली क्षमता 10 कुं0)	50000.00	105.00 हे0

(जितेन्द्र कुमार)
प्रक्षेत्र प्रबन्धक,
राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र,
मंझरा, लखीमपुर–खीरी।

UP – 243985 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 270/141सी0(ई0टेण्डर)–3/25–26 दिनांक: 09.01.2026

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन–लाइन ई–निविदा दिनांक 17.01.2026 से दिनांक 24.01.2026 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 24.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी (मार्ग कार्य हेतु)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	एल0बी0 मार्ग से सिमरिया सम्पर्क मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)	प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	46.90	4.35	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)
2	उदयपुर कटैया मार्ग से अम्बेडकर पार्क तक मार्ग की विशेष मरम्मत का कार्य। (वित्तीय वर्ष–2025–26)		46.10	4.31	2725.00	02 माह	'ए' 'बी' 'सी' (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(महेन्द्र कुमार पाल)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP – 243942 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

ईरान पर कब्जा करना चाह रहा अमेरिका : रजवी

बरेली, अमृत विचार : ईरान में हो रहे प्रदर्शन पर आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने गुरुवार को कहा कि ईरान की सूरत-ए-हाल बहुत बिगड़ चुकी है। वहां पर हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। इन हिंसक प्रदर्शनों के पीछे अमेरिका और इजरायल का हाथ है।अमेरिका काफी सालों से ईरान की आर्थिक स्थिति को कमजोर करने में लगा हुआ है, अमेरिका ने तरह-तरह की पाबंदिया लगा रखी हैं, जिससे ईरान कमजोर हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका ईरान पर कब्जा करना चाहता है।

मौलाना ने कहा कि अमेरिका ये भी चाहता है कि वहां मौलाना खामनाई की हुकूमत खत्म हो जाए। पूर्व शासक रजा शाह पहलवी के बेटे को सत्ता सौंप दी जाए, लेकिन ऐसा होना बहुत मुश्किल है। पूर्व शासक रजा शाह पहलवी के बेटे अमेरिका के पिट्ठू हैं और वहीं रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के मुसलमानों की ख्वाहिश है और दुआ करते हैं कि पूरी दुनिया में सुकून, अमन और शांति हो। अमेरिका की दादागिरी और तानाशाही भी खत्म हो। धरना-प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक व्यवस्था में कुछ भी गलत नहीं है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर

पत्रांक : 20/ई0–टेण्डर/4ए दिनांक: 05.01.2026

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 22.01.2026 से दिनांक 30.01.2026 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 30.01.2026 को ही अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा की जमानत धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर फीस + स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों का आवश्यक पंजीकरण
1	2	3	4	5	6	7
1	गुल्लाह सम्पर्क मार्ग के किमी0–1 में पड़ने वाले सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	20.85	2.09	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
2	एम0एफ0 मार्ग से गंगौरा सम्पक मार्ग पर सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	16.15	1.62	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
3	मदनापुर कलान गढ़िया छवि बदायूँ बार्डर मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग सं0–104सी) के किमी0–35 में सोत नदी पर पड़ने वाले सेतु के सुरक्षात्मक कार्य।	29.75	2.98	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
4	एम0एफ0 मार्ग से लक्ष्मणपुर में सोत नदी पर पड़ने वाले आर0सी0सी0 सेतु एवं पहूँच मार्ग पर सुरक्षात्मक कार्य एवं स्टोन पिचिंग मरम्मत का कार्य।	30.00	3.00	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
5	पुवायाँ निगोही तिलहर जैतीपुर दातागंज बदायूँ मार्ग (राज्य मार्ग सं0–126) बहगुल नदी पर पडने वाले पुल की मरम्मत का कार्य।	11.60	1.16	856.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
6	डरी से बरूआ मार्ग के बीच सुकन्ना नदी पर आर0सी0सी0 पुलिया/लघु सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	23.30	2.33	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)
7	खजुरी गढ़ी रासो नगरिया से कुठला ब्रहमनगला होते हुये बम्हनी चौकी सम्पर्क मार्ग पर सेतु का सुरक्षात्मक कार्य।	18.25	1.83	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (सेतु कार्य हेतु)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.inपर लॉग ऑन किया जा सकता है।

UP-243929 दिनांक 14.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0 शाहजहाँपुर

सेक्शन–1

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।

पताः– निकट डी0एम0 कम्पाउन्ड, स्टेशन रोड, बरेली।

–:: ई–प्रक्योरमेन्ट सूचना ::–

पत्रांकः–1133/ग्रा0अ0वि0/निविदा–पत्रा0 शाहजहाँपुर/ई–निविदा/2025–26/दिनांकः– 05.01.2026

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल–बरेली के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में ए, बी एवं सी श्रेणी भवन में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वांटिटी की अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं। जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता निम्न कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र में अंकित एस0बी0डी0 के अन्तर्गत न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तो का भलिभाँति अध्यन कर लें।

2. कार्यों से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 रहित	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य + स्टेशनरी + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	शाहजहाँपुर	जनपद–शाहजहाँपुर की तहसील तिलहर में अग्निशमन केन्द्र के प्रशासनिक भवन (अनावासीय भवन) का नव-निर्माण कार्य।	299.11	5.99	2714.00	12 माह	श्रेणी–ए (भवन)
2	शाहजहाँपुर	कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, शाहजहाँपुर के प्रांगण में रिकार्ड रूम, सर्व शिक्षा अभियान कार्यालय तथा कैण्टीन भवन का निर्माण कार्य।	63.58	1.28	2354.00	06 माह	श्रेणी–ए, बी एवं सी (भवन)

3. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि :– 17.01.2026
4. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि एवं समय :– 17.01.2026
5. प्रीबिड मीटिंग की तिथि एवं समय :– 28.01.2026 समय अपराह्न 12:00 बजे
बैठक हेतु स्थल :– कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।
6. बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय :– 27.01.2026, प्रातः 10:00 बजे
7. ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि :– 27.01.2026, प्रातः 10:00 बजे
8. ई–निविदा के माध्यम से ई–निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय :– 16.02.2026, सांयः 04:00 बजे तक
9. ई–निविदा के माध्यम से प्राप्त निविदा निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 16.02.2026, सांयः 04:30 बजे
10. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
11. ई–निविदा ऑनलाईन बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी एवं इसी साइट पर डाली जाएगी।
12. निविदा आमंत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लॉज–10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

(राजेश कुमार)
अधीक्षण अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग,
परिमण्डल–बरेली।

UP – 243936 दिनांक: 14/01/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

दुर्घनाएं रोकने के लिए निकाली जागरुकता रैली

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: जल जीवन मिशन परियोजना के अंतर्गत काम करने वाली संस्था विंध्या टेलीलिंक्स के अधिकारी और संस्था कर्मचारियों द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत रैली निकाली गई।

- विंध्या टेलीलिंक्स ने लखीमपुर रोड कुनैठिया से रैली निकालकर किया जागरूक

कोहरे में सड़क दुर्घटना में बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार ने अहम कदम उठाए है। हर साल जनवरी माह में सड़क सुरक्षा अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाता है। इसी कड़ी में विंध्या टेलीलिंक्स के कर्मचारियों ने कुनैठिया कोल्ड स्टोर से हनुमान मंदिर तक एक किलोमीटर पैदल रैली निकालकर लोगों में जागरुकता फैलाई और यातायात नियमों का पालन करने वालों को परियोजना के तरफ से चॉकलेट देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

जल जीवन मिशन के अधिकारी अखिलेश ने बताया कि वर्तमान समय में सड़क सुरक्षा चिंता का विषय है। बीते कुछ सालों में सड़क दुर्घटना के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसको लेकर सरकार ने भी सक्रिय होते हुए कुछ अहम कदम उठाए हैं। हर साल 11 से 17 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है। यह सप्ताह लोगों में जागरुकता बढ़ाने और जिम्मेदार तरीके से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों के बीच सड़क सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता देने और सड़क दुर्घटना के मामलों को कम करने का है।

न्यूज ब्रीफ

सपा सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल मिलेंगे 40 हजार रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव की घोषणा होते ही बुलडोजर का पता नहीं चलेगा। यूपी की जनता भाजपा को डिटेंशन सेंटर में भेज देगी। 2027 में सपा सरकार बनने पर किसानों, नौजवानों, गरीबों, महिलाओं के हित में काम होगा। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार कर विकास होगा। गरीबों का मुफ्त इलाज होगा। महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये दिया जायेगा। सपा जो वादा करती है, उसे पूरा करती है। सपा प्रमुख पार्टी मुख्यालय पर गुरुवार को विभिन्न जिलों से आये नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा जब कमजोर होती है तो और सांप्रदायिक हो जाती है। भाजपा नेता 'आरोप जीवी' हैं। इन लोगों का काम सिर्फ सपा पर आरोप लगाना है। अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की सरकार में महिलाओं को पेंशन दी गई थी। छात्राओं को कन्या विद्या धन दिया गया था। बहन बेटियों की सुरक्षा के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन शुरू की गई थी। 102 और 108 एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई थी।

सघन टीबी रोगी खोज अभियान फरवरी से

अमृत विचार, लखनऊ : फरवरी से प्रदेशभर में 100 दिवसीय विशेष सघन टीबी रोगी खोज अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने के लिए सांसदों से लेकर पार्षदों तक को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य महानिदेशक ने इस संबंध में सभी अपर निदेशकों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. पिंकी जोवल ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश में सघन टीबी खोज अभियान वर्ष 2024 से चलाया जा रहा है, वर्ष 2015 की तुलना में प्रति एक लाख आबादी पर टीबी मरीजों की संख्या में 17 प्रतिशत और टीबी से होने वाली मृत्यु दर में भी 17 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसी सफलता को आगे बढ़ाने के लिए फरवरी से नया विशेष अभियान शुरू किया जा रहा है। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. आरपी सिंह सुमन ने कहा कि सभी सीएमओ को निर्देश दिए गए हैं कि वे आगामी दो माह में सांसदों के साथ जिला स्तरीय समीक्षा बैठकें करें और उन्हें निःक्षय शिविरों सहित जनजागरूकता कार्यक्रमों में शामिल करें।

नई नीति में डिस्टिलरी प्लांट को बढ़ावा

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में औद्योगिक निवेश को नई गति देने और राजस्व संसाधनों को मजबूत करने की दिशा में प्रदेश सरकार एक और अहम कदम उठाने जा रही है। आबकारी विभाग द्वारा नई आबकारी नीति 2026-27 को लेकर व्यापक मंथन किया जा रहा है। प्रस्तावित नीति के तहत प्रदेश में डिस्टिलरी प्लांट्स की स्थापना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ स्पिरिट, अल्कोहल एवं इससे जुड़े उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश सरकार ने पहले ही आबकारी विभाग को राजस्व बढ़ाने और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के अनुपालन में नई नीति का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि मजबूत आबकारी नीति से जहां एक ओर राजस्व में वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन को भी बल मिलेगा। नई आबकारी नीति में लाइसेंस प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

योगी ने सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को किया प्रणाम

बाबा का खप्पर भरने श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर नेपाल-बिहार से लेकर देशभर से पहुंचे लाखों श्रद्धालु

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर आस्था, परंपरा और लोकमंगल की विराट चेतना का साक्षी बना। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को ब्रह्म मुहूर्त में गर्भगृह में भूमि पर बैठकर, सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को प्रणाम किया। विधिविधान से श्रीनाथ जी का पूजन कर गोरक्षपीठ की ओर से खिचड़ी का भोग अर्पित किया। योगी द्वारा भोग अर्पण के बाद मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। बाबा का खप्पर भरने श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर लाखों श्रद्धालु उमड़े। पूरे दिन कतारें लगी रही।

गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा के समक्ष खिचड़ी का भोग अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

सीटी बजाकर गुरु गोरखनाथ को प्रणाम करते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ को नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार पहले आस्था की पवित्र खिचड़ी चढ़ाई। इसके बाद उन्होंने मंदिर में विराजमान अन्य देव विग्रहों का पूजन किया तथा योगिराज बाबा गंभीरनाथ, दादागुरु महंत दिग्विजयनाथ, गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ और अन्य नाथ योगियों की प्रतिमाओं के समक्ष शीश नवाकर भोग अर्पित किया।

योगी द्वारा भोग अर्पण के बाद मंदिर के कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही बाबा का खप्पर भरने की त्रेतायुगीन परंपरा का अनुपालन करते हुए श्रद्धालु श्रद्धा की अंजुरी में खिचड़ी लेकर नतमस्तक होते रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों और पड़ोसी देश नेपाल से आए लाखों श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर महायोगी गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाई। नेपाल राजपरिवार की ओर से भेजी गई खिचड़ी भी श्रद्धापूर्वक अर्पित की गई। मकर संक्रांति पर मंदिर परिसर में खिचड़ी सहभोज का आयोजन हुआ, जहां जाति, वर्ग और हैसियत का भेद मिटाकर सभी ने प्रसाद ग्रहण किया।

पूरे दिन नहीं टूटी कतारें जयकारों से गूंजा परिसर

खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला पूरे दिन अहर्निश चलता रहा। भोर तीन बजे ही मंदिर परिसर से बाहर तक लंबी कतारें लग गई थीं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर मंदिर एवं जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं पूरे दिन व्यवस्थाओं पर नजर बनाए रहे।

योगी ने पूछा क्या चाहिए मासूम बोला 'चिप्स'

गोरखनाथ मंदिर से जुड़े एक वायरल वीडियो में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक नन्हे बच्चे को प्यार से बुलाकर पूछते हैं कि क्या चाहिए। वह योगी के कान में मासूमियत से कहता है, 'चिप्स'। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुस्कुरा उठते हैं। योगी तुरंत अधिकारियों से बच्चे के लिए चिप्स मंगवाने को कहते हैं।

भाजपा की बैठक में 2027 चुनाव के लक्ष्य तय

पार्टी की विचारधारा हर वर्ग तक पहुंचाने में विभागों-प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका: पंकज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के राज्य मुख्यालय पर गुरुवार को पार्टी के मोर्चों, प्रकोष्ठों और विभागों के अध्यक्षों, महामंत्रियों व संयोजकों की बैठक में पंचायत चुनाव से लेकर विधानसभा चुनाव-2027 के लक्ष्य तय किए गए।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि विभागों और प्रकोष्ठों में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की भूमिका संगठन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संगठन में कोई भी दायित्व छोटा या बड़ा नहीं होता, बल्कि हर जिम्मेदारी समान रूप से महत्वपूर्ण है। कार्यकर्ता अपने परिश्रम, समर्पण और संगठनात्मक कौशल के बल पर पार्टी और समाज में विशिष्ट पहचान बनाता है। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाने में विभागों और प्रकोष्ठों की निर्णायक भूमिका होती है, जिससे संगठन निरंतर मजबूत होता है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प के साथ देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। वहीं, प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कानून-व्यवस्था, सुशासन, बुनियादी ढांचे और गरीब कल्याण में नए मानक स्थापित हुए हैं।

पंकज चौधरी ने 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर जोर देते हुए कहा कि पार्टी को 2017 से भी बड़ी और ऐतिहासिक विजय के लक्ष्य के साथ अभी से जुटना होगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है और भाजपा का जागरूक कार्यकर्ता झूठ व दुष्प्रचार का तथ्य और सच्चाई से जवाब देगा।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में मोर्चा और प्रकोष्ठों की बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, साथ में अन्य।

संगठन का संदेश जन-जन पहुंचाएं कार्यकर्ता : धर्मपाल

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता-आधारित और विचारधारा-प्रधान संगठन है। मोर्चा, विभाग और प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता पार्टी और समाज के बीच सेतु का कार्य करते हैं। सरकार की योजनाओं और संगठन का संदेश जन-जन तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। इससे संगठन और समाज के बीच विश्वास और अधिक मजबूत होगा। बैठक का संचालन विभाग-प्रकोष्ठों के प्रभारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव ने किया।

5.51 करोड़ रुद्राक्ष से बना दिव्य शिवलिंग रहा आकर्षण का केंद्र

प्रयागराज माघ मेला: मौनी महाराज के शिविर में महाअनुष्ठान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार: माघ मेला 2026 में संगम तट पर मौनी महाराज के शिविर में स्थापित भव्य आध्यात्मिक परिसर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है। यहां 5 करोड़ 51 लाख रुद्राक्षों से निर्मित 11 फीट ऊंचा भव्य शिवलिंग आकर्षण का केंद्र है, जिसे देखने और पूजन के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

इस महाअनुष्ठान के अंतर्गत काशी और मथुरा में प्रस्तावित भव्य मंदिर निर्माण की कामना के साथ 12 करोड़ 51 लाख पंचाक्षर मंत्रों तथा ऋग्वेद के मंत्रों का जाप किया जाएगा। साधना और प्रकाश के इस महायज्ञ में प्रतिदिन 33 हजार दीप प्रज्ज्वलित किए जा रहे हैं, जबकि पूरे आयोजन में 11.25 लाख दीपों के प्रज्ज्वलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ ही प्रतिदिन 151 थालों से महाआरती आयोजित हो रही है।

वहीं 'मंकी मैन' नाम से चर्चित दो युवक थार गाड़ी पर चढ़कर माघ मेले में पहुंचे, जिसे देखकर संगम क्षेत्र में मौजूद श्रद्धालु ठिठक गए। देखते ही देखते 'मंकी मैन' की यह एंट्री चर्चा का विषय बन गई और लोग मोबाइल कैमरों में इस दृश्य को कैद करने लगे।

प्रयागराज में मकर संक्रांति पर पूजन-अर्चन के साथ संगम स्नान करते साधु-संत।

कठिन दंडवत परिक्रमा से भक्ति की पराकाष्ठा

मकर संक्रांति के पावन पर्व पर अमेठी के सगरा पीठाधीश्वर स्वामी अभय चैतन्य ब्रह्मचारी 'मौनी महाराज' ने अपनी साधना की चरम अवस्था का प्रदर्शन किया। अमेठी के सगरा पीठाधीश्वर मौनी महाराज ने अपने शिविर से संगम घाट तक करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी दंडवत परिक्रमा करते हुए तय की। यह उनकी 1664वीं चक्रवर्ती परिक्रमा बताई जा रही है। परिक्रमा के पश्चात उन्होंने संगम में स्नान किया और जल में खड़े होकर शिवलिंग का अभिषेक किया। स्नान और अभिषेक के बाद मौनी महाराज ने राष्ट्र रक्षा, विश्व शांति और लोक कल्याण की कामना के साथ हवन और आरती संपन्न कराई। इस अद्भुत दृश्य को देखने के लिए संगम क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही।

फार्मर रजिस्ट्री अभियान में बस्ती गाजियाबाद और रामपुर अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीतापुर, प्रतापगढ़, बिजनौर जौनपुर जिले टॉप-10 में शामिल

अमृत विचार: फार्मर रजिस्ट्री में बस्ती जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है, जहां 81.49 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण पूरा हो गया है। इसके बाद गाजियाबाद (80.34%) और रामपुर (80.32%) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। इन तीनों जिलों में 80 प्रतिशत से अधिक रजिस्ट्रेशन पूरा होना प्रशासनिक सक्रियता और निगरानी का परिणाम माना जा रहा है। प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री (किसान पंजीकरण) को लेकर चल रहा अभियान निर्णायक चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेशभर में पंजीकरण की रफ्तार तेज कर दी गई है। राज्य में कुल 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष अब तक 60 प्रतिशत से अधिक (1,75,30,760 किसान) की फार्मर रजिस्ट्री पूरी हो चुकी है।

ये जिले भी टॉप-10 में शामिल : फार्मर रजिस्ट्री में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य जिलों में सीतापुर (79.73%), फिरोजाबाद (79.59%), प्रतापगढ़ (75.65%), बिजनौर (74.98%), जौनपुर (72.84%), पीलीभीत (72.04%) और औरैया (71.45%) शामिल हैं। इन जिलों में भी अभियान को और तेज कर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

पीएम किसान सत्यापन अभियान को भी बड़ी सफलता : इसी क्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत चलाए गए विशेष सत्यापन अभियान को भी उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय सफलता मिली है। अब तक प्रदेश में 2,48,30,499 पीएम किसान लाभार्थियों का सत्यापन किया जा चुका है। अम्बेडकर नगर, प्रतापगढ़, फर्रुखाबाद, बागपत, महराजगंज, मिर्जापुर, हरदोई, अयोध्या, बलिया, भदोही और सिद्धार्थनगर सहित कई जिलों को जिला स्तरीय वेरिफिकेशन सर्टिफिकेट प्रदान किए गए हैं।

90 दिनों में शत प्रतिशत का लक्ष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आगामी 90 दिनों में प्रदेशभर में शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थियों की फार्मर आईडी 15 अप्रैल 2026 तक अनिवार्य रूप से बनाई जाए। इसके लिए जिलाधिकारियों को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने और आवश्यक कार्ययोजना बनाकर अभियान को गति देने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने दोहराया है कि शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक किसान का फार्मर आईडी होना अनिवार्य है।

बसपा सरकार ने घोषणाओं को जमीन पर उतारा था

बसपा प्रमुख मायावती ने अपने जन्मदिन पर प्रेस कांफ्रेंस कर गिनाईं उपलब्धियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : बसपा प्रमुख मायावती ने गुरुवार को अपना जन्मदिन पूरे देश में 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाए जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि बीएसपी की चार बार की सरकार ने उत्तर प्रदेश में केवल घोषणाएं नहीं कीं, बल्कि जनकल्याणकारी योजनाओं को जमीन पर उतारकर दिखाया, जिससे सर्वसमाज खासकर दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और गरीब वर्ग की स्थिति में वास्तविक सुधार हुआ।

माल एवन्यू स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉफ्रेंस को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि बीएसपी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं की नकल आज केंद्र व राज्य सरकारें नाम और स्वरूप बदलकर कर रही हैं, लेकिन नीयत सही न होने के कारण आमजन को पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है।

बसपा प्रमुख मायावती को उनके जन्मदिन पर पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई देते पार्टी नेता आकाश आनंद, साथ में सतीशचंद्र मिश्रा।

मायावती दीर्घायु हों : योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसपा प्रमुख मायावती को जन्मदिन का बधाई दी और उनकी लंबी आयु की कामना की। सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार को उन्होंने लिखा कि बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उप्र. की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को जन्मदिन की हार्दिक बधाई, प्रभु श्री राम से आपके लिए दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना है।

प्रेस कांफ्रेंस में धुआं गंभीर मामला : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बसपा सुप्रीमो मायावती को उनके 70 वें जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी हैं। सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से जारी अपने संदेश में उनके स्वस्थ, स्वतंत्र और सक्रिय जीवन की कामना की। सपा प्रमुख ने मायावती की जन्मदिन प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हुए धुएं के घटनाक्रम को गंभीर मामला बताया है। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की हर पहलू से जांच कराने की मांग की है। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में अचानक धुएं की घटना होना चिंताजनक है और इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए।

फैसला

टैगिंग को लेकर सरकार ने लगाया प्रतिबंध, यूरिया पर अनुदान पाने वाली कंपनियों को आदेश जारी

यूरिया कंपनी अब नहीं बेच पाएंगी अन्य उर्वरक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में अनुदान पाकर यूरिया बेचने वाली कंपनियां अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री नहीं करेंगी। सरकार ने यूरिया के साथ जबरन टैगिंग को लेकर विक्रय प्राधिकार-पत्र में अंकित अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री और आपूर्ति पर पूर्णतः प्रतिबंध लगा दिया है। कृषि निदेशालय ने सभी जिलों को यह आदेश जारी कर दिया है।

दरअसल, विक्रय प्राधिकार-पत्र में अनुमति के अनुसार नामित कंपनियां यूरिया व डीएपी

का उत्पादन और उनकी बिक्री करती हैं। ये किसानों को अनुदान काटकर उर्वरक बेचती हैं और अनुदान की राशि सीधे सरकार से लेती हैं। इसके अलावा कंपनियां विक्रय प्राधिकार-पत्र के अनुमति में अंकित अन्य गैर अनुदानित उर्वरक जैसे जिंक, सल्फर, सिंगल सुपरफॉस्फेट, पोटाश आदि का उत्पादन करती हैं और इन्हें अनुदानित यूरिया व डीएपी के साथ किसानों को टैगिंग यानी जबरन बेचकर मुनाफा कमाती हैं। इससे किसानों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। सबसे ज्यादा टैगिंग यूरिया में की जाती है। हर जिले में तमाम शिकायतें मिलने पर छापेमारी के दौरान टैगिंग के मामले पकड़े गए हैं। इधर, रबी फसल में यूरिया की मांग पर टैगिंग की शिकायतें बढ़ी हैं। इसका संज्ञान लेकर सरकार ने अनुदान पर यूरिया उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के अन्य गैर अनुदानित उर्वरकों की बिक्री और आपूर्ति पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। चर्चा यह भी है कि इसी तरह डीएपी बेचने वाली कंपनियों की अन्य उर्वरक और उत्पाद की बिक्री पूर्णतः प्रतिबंधित कर दी जाएगी। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि जिले में संबंधित अधिकारी और फर्मों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

स्टॉल पर कंपनियां बेचेंगी जायद के बीज

अमृत विचार, लखनऊ : जायद फसल की तैयारी कृषि विभाग ने अभी से शुरू कर दी है। खेती को बढ़ावा देने के लिए कंपनियां प्रतिभाग करेंगी, जो स्टॉल लगाकर किसानों को राष्ट्रीय बीज निगम के दरों पर बीज बचेंगी। कृषि विभाग त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम एवं संकर बीजों के उपयोग को बढ़ावा देने की योजना के अंतर्गत स्टॉल लगवाकर किसानों को बिक्री करेगा। इसके लिए कंपनियां नामित की जाएंगी, जो संकर मक्का एवं बाजरा के बीजों का प्रदर्शन कर बिक्री करेंगी। संकर मक्का एचटी-17169 संसूचित विक्रय दर 46 हजार रुपये क्विंटल और संकर बाजरा एचटी-4252 संसूचित विक्रय दर 53100 रुपये निर्धारित है। कंपनियों का चयन टेंडर के माध्यम से किया जाएगा। कृषि निदेशालय ने सभी जिलों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, लखनऊ के दो गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आजमगढ़ जिले की साइबर थाने की पुलिस टीम ने किया खुलासा

अमृत विचार: आजमगढ़ के साइबर थाने की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने टेलीग्राम के जरिए चीनी साइबर अपराधियों के लिए काम कर रहे दो आरोपियों को लखनऊ से बुधवार रात को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6.32 लाख रुपये नकद, 11 मोबाइल फोन, 12 एटीएम कार्ड, चेकबुक, कैश काउंटिंग मशीन, एक विदेशी सिम कार्ड और एक स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया गया है। इससे पहले इसी गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में लखनऊ के जानकीपुरम का अभिषेक गुप्ता और इंदिरानगर संजय गांधीपुरम का शाश्वत अवस्थी निवासी इंदिरा नगर, लखनऊ शामिल है।

18 सितंबर 2025 को थाना रौनापार क्षेत्र निवासी भूपेन्द्रनाथ यादव ने साइबर थाना आजमगढ़ में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके पुत्र को टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से वूकॉमर्स नामक कंपनी के लिए ऑनलाइन काम का झांसा दिया गया। अधिक मुनाफे का लालच देकर विभिन्न बैंक खातों में 12.64 लाख रुपये जमा कराए गए और साइबर ठगी की गई। शिकायत पर साइबर थाना में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना में सामने आया कि अभियुक्त टेलीग्राम आईडी के जरिए चीनी साइबर अपराधियों के संपर्क में रहते थे। ठगी की रकम भारतीय बैंक खातों में ट्रांसफर कराई जाती थी, जिसे बाद में एटीएम और चेक के जरिए नकद निकालकर यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी में बदलकर चीनी हैंडलरों को भेज दिया जाता था।

अमृत विचार

शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

उल्लेखनीय उपलब्धि

नीति आयोग के लगभग 70 संकेतकों के आधार पर तैयार एक्सपोर्ट प्रीपेयर्डनेस इंडेक्स यानी निर्यात तैयारी सूचकांक में उत्तर प्रदेश का चौथा स्थान ऐतिहासिक उपलब्धि है। परंपरागत रूप से तटीय और औद्योगिक रूप से विकसित राज्यों जैसे महाराष्ट्र, तमिलनाडु और गुजरात की निर्यात क्षमता अधिक होना स्वाभाविक है, लेकिन उत्तर प्रदेश का दो वर्षों में सातवें से चौथे पायदान तक पहुंचना दर्शाता है कि राज्य के निर्यात-समर्थ अवसंरचना और नीतिगत सुधार पर केंद्रित प्रयास सफल रहे हैं। उत्तराखंड ने भी इस सूचकांक में छोटे राज्यों की श्रेणी में पहला स्थान प्राप्त किया है, यह दर्शाता है कि सीमित भौगोलिक और संसाधन बाधाओं के बावजूद नीति-प्रेरित सुधार और बेहतर व्यापार वातावरण से कैसे सफलता पाई जा सकती है। हिमालयी राज्य ने निर्यात के लिए अनुकूल नीतियों तथा स्थानीय स्किलिंग पर ध्यान देकर यह सफलता हासिल की है। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि उत्तर प्रदेश लैंडलॉक्ड राज्य होते हुए भी चौथे स्थान पर पहुंचा है।

पारंपरिक तटीय राज्यों की तुलना में यहां निर्यात-लॉजिस्टिक्स खर्च अधिक होने की समस्या है, लेकिन बेहतर रोड-कनेक्टिविटी, ड्राई पोर्ट और कंटेनर बेस्ड लॉजिस्टिक्स हब तथा लॉजिस्टिक्स सुधारों ने निर्यातकों को महत्वपूर्ण समर्थन दिया। बेशक यह सफलता उक्त प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के विजनरी नेतृत्व, नीति-निर्माण और सुशासन की क्षमता का परिणाम है। निर्यात सूचकांक में बेहतर रैंकिंग ने यह साफ किया है कि प्रदेश ने नीतिगत सुधारों, अवसंरचनात्मक निवेश तथा व्यापार-मैत्री वातावरण के निर्माण में उठाए महत्वपूर्ण कदम कारगर रहे और अब उत्तर प्रदेश देश के निर्यात मानचित्र पर 'ग्लोबल हब' के रूप में उभरने जा रहा है। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट-वन उत्पाद, कॉमन फैसिलिटी सेंटर्स, माल भाड़ा व्यय प्रतिपूर्ति, गुणवत्ता प्रमाणीकरण सहायता तथा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्डिंग ने उत्पादकों और निर्यातकों को अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लायक बनाया, तो उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो जैसी पहल ने स्थानीय उत्पादकों को सीधे विदेशी खरीदारों से जोड़ने का अवसर दिया। पारंपरिक हस्तशिल्प, फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण तथा कृषि वस्तुओं के निर्यात आदेशों में अपेक्षित वृद्धि दर्ज की गई। इन प्रयासों ने न केवल उत्पादों के निर्यात में मदद की, बल्कि प्रदेश के ब्रांड वैल्यू को भी वैश्विक स्तर पर मजबूती देने के साथ ही सूचकांक में सूचकांक के बिजनेस इकोसिस्टम, निर्यात अवसंरचना जैसे अवयवों में बेहतर स्कोर दिलाया। निर्यात राज्यों की अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक विकास का प्रमुख इंजन होता है। इससे विदेशी मुद्रा का संचय होने के अलावा व्यापार घाटा भी कम होता है और बाहरी निवेश आकर्षित होता है। हालांकि यह सूचकांक संबंधी उपलब्धि एकाकी प्रमाण नहीं है, पर यह संकेत अवश्य देता है कि नीति, अवसंरचना, तथा व्यापार सुविधाओं में सुधर स्पष्ट है और निर्यात वातावरण अधिक प्रतिस्पर्धी होता जा रहा है, जिसके चलते निर्यात प्रदर्शन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, सर्विस एक्सपोर्ट्स, टेक्नोलॉजी-आधारित उत्पादन तथा वैश्विक बाजारों में विविधीकरण पर निरंतर ध्यान आवश्यक है। उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड के बेहतर प्रदर्शन से इन राज्यों में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार अवसरों के बढ़ने की संभावना बनी है, जिससे राजस्व में वृद्धि होगी तो सामाजिक एवं बुनियादी सुविधाओं पर अधिक व्यय संभव होगा।

प्रसंगवश

दूषित जल स्रोतों से कैसे पहुंचेगा घरों में स्वच्छ जल

इंदौर के एक मुहल्ले भागीरथपुर में लगातार हो रही मौतों की संख्या बढ़कर 23 हो गई, तो उधर गुजरात की राजधानी गांधी नगर के कुछ इलाकों और आदिवाड़ा क्षेत्रों में दूषित पानी पीने से कई सौ लोगों को पीलिया और टाइफाइड होने के बाद कोहराम है। अधिकांश बीमार बच्चे हैं और अस्पताल में हैं। इसी दौरान अब देशभर से घर में आ रहे नल के जल के असुरक्षित होने के समाचारों का अंबार है। दुर्भाग्य है कि केंद्र सरकार की 2015 में शुरू की गई अटल मिशन या अमृत-1 योजना में पाइप डालने और टंकी खड़े करने पर सन 2021 तक 72,656 करोड़ रुपये खर्च हुए और उसके बाद अमृत-2 में भी भारी भरकम व्यय हो रहा है, लेकिन तैयार संरचनाओं के रखरखाव, गुणवत्ता निर्धारण पर सभी जगह बेपरवाही देखी गई। केंद्र सरकार के बजट से योजनाएं तो तैयार हो गईं, लेकिन स्थानीय निकाय उनके निर्धारित मानक पर काम नहीं कर पा रहे। देश की राजधानी दिल्ली में

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

ही अमृत-1.0 के तहत जल आपूर्ति, सीवरेज और शहरी बुनियादी ढांचे पर कुल 266 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए। इनमें 215 करोड़ रुपये जल आपूर्ति पर खर्च हुए। इसके बावजूद दिल्ली की कोई 10 प्रतिशत आबादी के घर तक नल नहीं पहुंच पाए। दिल्ली जल बोर्ड के दिसंबर 2025 के सैंपल टेस्ट में 33 नमूने फेल हुए, जिसमें भलस्वा, जनकपुरी, अशोक नगर के साथ गांधी नगर जैसे क्षेत्रों में गंदा पानी पाया गया। यमुना प्रदूषण, क्षतिग्रस्त पाइपलाइन और अनुपचारित सीवेज मिश्रण से टीडीएस, कैल्शियम व सल्फेट स्तर मानक से अधिक है। समझना होगा कि दिल्ली में जल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा भू-जल है। भलस्वा, गाजीपुर और ओखला के साथ ही बवाना में इंजीनियर सैनिटरी लैंडफिल के पास का भूजल दूषित बना हुआ है। नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस (एनएसएसओ) की 76 वीं रिपोर्ट बताती है कि देश में 82 करोड़ लोगों को उनकी जरूरत के मुताबिक पानी मिल नहीं पा रहा है। देश के महज 21.4 फीसदी लोगों को ही घर तक सुरक्षित जल उपलब्ध है। सबसे दुखद है कि नदी-तालाब जैसे भूतल जल का 70 प्रतिशत बुरी तरह प्रदूषित है। सरकार भी स्वीकार रही है कि 78 फीसदी ग्रामीण और 59 प्रतिशत शहरी घरों तक स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं हैं। सारे देश के शहरी इलाकों में नल से आ रहे पानी के दूषित होने के लगभग एक जैसे कारण हैं। पहले से दूषित स्रोत से घर तक पानी के पहुंचने के रास्ते में सबसे बड़े पड़ाव 'बड़ी पानी की टंकी' या फिर 'जलाशय' खुद बीमार रहते हैं।

पर्यावरण मंत्रालय और केंद्रीय एजेंसी 'एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली' (आईएमआईएस) द्वारा सन 2018 में पानी की गुणवत्ता पर करवाए गए सर्वे के मुताबिक राजस्थान में सबसे ज्यादा 19,657 बस्तियां और यहां रहने वाले 77.70 लाख लोग दूषित जल पीने से प्रभावित हैं। आईएमआईएस के मुताबिक पूरे देश में 70,736 बस्तियां फ्लोराइड, आर्सेनिक, लौह तत्व और नाइट्रेट सहित अन्य लवण एवं भारी धातुओं के मिश्रण वाले दूषित जल से प्रभावित हैं। इस पानी की उपलब्धता के दायरे में 47.41 करोड़ आबादी आ गई है। यह कड़वा सच है कि भारत इस समय तेजी से शहरीकरण की तरफ भाग रहा हैं और अधिकांश अनियोजित शहरीकरण। शहरी नियोजन का प्राथमिक सिद्धांत कहता है कि पीने के पानी और सीवर की लाइनें कभी भी एक-दूसरे के इतने करीब नहीं होनी चाहिए कि एक का रिसाव दूसरे को 'जहर' बना दे। बहुत से शहरों में स्मार्ट सिटी के नाम पर भी कई करोड़ खर्च हो चुके हैं। हाल की घटनाओं ने सारे देश को चेतावनी दे दी है कि जब तक 'जमीन के ऊपर' की सफाई 'जमीन के नीचे' की सुरक्षा के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चलेगी, तब तक 'स्वच्छता या स्मार्ट' के ये पदक अधूरे ही रहेंगे।

हम सभी ईश्वर से दया की प्रार्थना करते हैं और वही प्रार्थना हमें दया करना भी सिखाती है।
–विलियम शेक्सपियर, अंग्रेजी साहित्यकार

भारत के लिए चिंता का विषय ईरान का संकट

विवेक सक्सेना
अयोध्या

दिसंबर 2025 के अंत में ईरान में आर्थिक संकट के खिलाफ शुरू हुआ व्यापक विरोध-प्रदर्शन न सिर्फ राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गया है, बल्कि इसने इस इस्लामिक गणराज्य के समक्ष हाल के वर्षों की सबसे गंभीर आंतरिक चुनौती खड़ी कर दी है। हालात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) के अनुसार हिंसक झड़पों में अब तक 2,572 लोगों की मौत हो जाने और 10 हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लेने का दावा किया जा रहा है।

सुरक्षा की स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि भारत ने ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से बुधवार को देश छोड़ने के लिए कह दिया है। विदेश मंत्रालय ने पांच जनवरी को जारी पिछले परामर्श में अपने नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया था। साथ ही ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) से सावधानी बरतने और प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा था। वहीं ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने सरकार विरोधी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा देने की बात कही है। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई खुद प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने का आदेश दे चुके हैं। ईरान में हो रहे प्रदर्शनों से पश्चिम एशिया में भी व्यापक तनाव पैदा हो गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों पर क्रूर कार्रवाई के खिलाफ तेहरान को चेतावनी दी है।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि "मदद पहुंचने वाली है।" महंगाई, मुद्रा अवमूल्यन और आर्थिक कुप्रबंधन के खिलाफ दिसंबर 2025 में तेहरान में शुरू हुआ यह जनाक्रोश ईरान के सभी 31 प्रांतों में 300 से अधिक स्थानों पर फैलकर एक राजनीतिक संकट में बदल गया, जिसमें प्रदर्शनकारी खुलकर सत्ता परिवर्तन की मांग कर रहे हैं।

ईरान का मौजूदा संकट यही दर्शाता है कि आर्थिक कुप्रबंधन और राजनीतिक कठोरता के दीर्घकालिक रणनीतिक परिणाम होते हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा लगाया जा रहा नारा 'न गाजा, न लेबनान, ईरान के लिए मेरी जान' यह इस बात का साफ संकेत देता है कि यहूदी विरोध की नीति यहूदी विरोधी को ही खत्म कर देती है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकियन ने संयम बरतने और हिंसा से बचने की अपील की है, वहीं न्यायपालिका, सुरक्षा तंत्र और सर्वोच्च नेतृत्व का रुख कहीं अधिक सख्त है। यह संकट से निपटने में शीर्ष नेतृत्व के स्तर पर असहमति को भी दर्शाता है। यूरोपीय देशों, आस्ट्रेलिया और कनाडा ने भी बल प्रयोग, मनमानी गिरफ्तारियों और इंटरनेट बंदी की निंदा की है। इसके जवाब में तेहरान ने अमेरिका और इजरायल पर विरोध भड़काने का आरोप लगाया है और समूचे घटनाक्रम को विदेशी साजिश बताया है।

इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। ईरान में अस्थिरता से भारत के रणनीतिक और कुछ हद तक आर्थिक हित भी प्रभावित हो सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि ईरान भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा खरीदार है और वर्तमान अशांति से इसके निर्यात पर भी कुछ असर पड़ रहा है। इसके साथ ही ऐसी ही एक चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ से जुड़ी है। इससे भी बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना को लेकर है, जिसमें भारत ने करीब 50 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। यह बंदरगाह भारत के लिए पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप तक पहुंच प्रदान करता है। यह 'कनेक्ट सेंट्रल एशिया' नीति का अहम स्तंभ और अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे यानी आइएनएसटीसी का प्रमुख हिस्सा है, जिससे परिवहन समय और लागत में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। ईरान में लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता इस परियोजना की समयसीमा, निरंतरता और रणनीतिक मूल्य को प्रभावित कर सकती है। चाबहार को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह में चीन की मौजूदगी के संतुलन के रूप में भी देखा जाता रहा है। यदि ईरान में अस्थिरता लंबे समय तक बनी रहती है, तो बीजिंग को वहां अपने प्रभाव विस्तार का अवसर मिल सकता है।

भारत के ऊर्जा हित भी इस परिदृश्य से जुड़े हैं। प्रतिबंधों के कारण भले ही हाल के वर्षों में ईरान से ऊर्जा आयात सीमित रहा हो, लेकिन क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों में ईरान की भूमिका अहम बनी हुई है। राजनीतिक अस्थिरता भविष्य के ऊर्जा सहयोग को और जटिल बना सकती है। इन परिस्थितियों में भारत की कूटनीतिक रणनीति संतुलित और व्यावहारिक रही है। जनवरी के मध्य में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची की संभावित भारत यात्रा इसी दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसमें चाबहार, क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार और पश्चिम एशिया के व्यापक मुद्दों पर चर्चा की संभावना है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है 'ग्लोबल साउथ' की एक प्रमुख आवाज होने के नाते भी इस मामले में उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना।

> इस पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। भारत के लिए भी यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है।

आमने

हमने ब्राह्मण समाज को हमेशा सम्मान और प्रतिनिधित्व दिया है। ब्राह्मण समाज को किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए और न ही किसी तरह के प्रलोभन में फंसना चाहिए। मौजूदा राजनीतिक माहौल में सतर्क रहने की जरूरत है और अपने हितों की रक्षा के लिए सही राजनीतिक विकल्प चुनना चाहिए।
– **मायावती**, बसपा प्रमुख

सामने

भाजपा ने हमेशा हर वर्ग को साथ लेकर चलने का काम किया है। हमें यह साबित करने के लिए बसपा या किसी और पार्टी के प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है कि हम ब्राह्मण समाज का सम्मान करते हैं। भाजपा की सरकारों में ब्राह्मण समाज को न केवल राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिला है, बल्कि प्रशासनिक और संगठनात्मक स्तर पर भी उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।
– **पंकज चौधरी**, अध्यक्ष भाजपा उप्र

बाघों के संरक्षण की सफलता या संघर्ष की शुरुआत

डॉ .जितेंद्र शुक्ला
वन्य जीव विशेषज्ञ

भारत में बाघों की स्थिति आज एक गहरे और असहज विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर हम गर्व के साथ यह कहते नहीं थकते कि दुनिया में सबसे अधिक बाघ भारत में हैं, वहीं दूसरी ओर जमीन पर घट रही घटनाएं इस दावे की खोखली सच्चाई को उजागर कर रही हैं। हाल ही में गुजरात में 36 बाघों की खाल का बरामद होना और पिछले वर्ष देशभर में 166 बाघों का मृत पाया जाना, जिसमें से 55 तो टाइगर राज्य का दर्जा प्राप्त मध्य प्रदेश से ही हैं। यह केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि चेतावनी हैं, एक ऐसी चेतावनी, जिसे अगर अब भी नजरअंदाज किया गया, तो आने वाले वर्षों में बाघ संरक्षण की पूरी कहानी ही सवालों के घेरे में आ जाएगी।

आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत? पिछले वर्ष देश में 166 बाघों की मौत इस प्रश्न को और तीखा बना देती है। गुजरात में 36 बाघों की खाल का मिलना केवल एक राज्य या एक गिरोह का मामला नहीं है। यह अंतर्राष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी नेटवर्क, कमजोर निगरानी व्यवस्था और संरक्षण तंत्र की गंभीर चूक की ओर इशारा करता है। बाघ की खाल, हड्डियां और अन्य अंग आज भी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में महंगे दामों पर बिकते हैं। खालों की बरामदगी यह भी बताती है कि संरक्षण केवल जंगलों तक सीमित नहीं रह सकता। यह एक कानून-व्यवस्था, सीमा सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का मुद्दा भी है। जब तक तस्करी के पूरे नेटवर्क को जड़ से नहीं उखाड़ा जाएगा, तब तक केवल निचले स्तर के अपराधियों को पकड़ने से कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा। बाघ के अंगों की तस्करी आज भी एक बड़ा संगठित अपराध है, जिसे अक्सर उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता, जितनी जरूरत है। सवाल यह है कि यह सब हमारी आंखों के सामने कैसे चलता रहा?

सरकारी आंकड़े बताते हैं कि भारत में बाघों की संख्या बढ़ी है। आरंभिक वर्षों में जहां बाघों की संख्या सिमटकर कुछ हजारों तक आ गई थी, वहीं आज यह संख्या चार हजार के आसपास बताई जाती है। इस उपलब्धि को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सराहा गया। संरक्षित वन क्षेत्र बढ़े, टाइगर रिजर्व बनाए गए, शिकार पर कड़े कानून लागू हुए और बाघ संरक्षण को राष्ट्रीय गौरव का विषय बनाया गया, लेकिन इसी के समानांतर जो सच्चाई उभर रही है, वह बेहद चिंताजनक है- बाघों की मौतें, मानव-वन्यजीव संघर्ष, आक्रामकता के बढ़ते मामले और जंगलों से बाहर भटकते बाघ। पिछले साल 166 बाघों की मौत कोई सामान्य आंकड़ा नहीं है, जो राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के द्वारा जारी किया गया है। यह संख्या कई सवाल खड़े करती है। क्या ये मौतें प्राकृतिक थीं? क्या बीमारी, आपसी संघर्ष और वृद्धावस्था इसके कारण थे? या फिर यह आंकड़ा उस व्यवस्था की विफलता को उजागर करता है, जो संरक्षण के नाम पर केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित रह गई है?

वास्तविकता यह है कि इन मौतों में शिकार, जहर, ट्रेन और सड़क दुर्घटनाएं, अवैध विद्युत तार, मानव-बाघ संघर्ष और कुप्रबंधन जैसे कारण शामिल हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम बाघ को बचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय समुदायों को संरक्षण का भागीदार नहीं बना पाते। जब तक गांव, वनवासी और किसान यह महसूस नहीं करेंगे कि बाघ उनके लिए बोझ नहीं, बल्कि भविष्य की सुरक्षा है, तब तक यह संघर्ष चलता रहेगा। बाघों की बढ़ती आक्रामकता पर अक्सर सनसनीखेज बहस होती है, लेकिन बहुत कम लोग यह सवाल उठाते हैं कि क्या आक्रामकता वास्तव में बाघ में बढ़ रही है या हम उसके प्राकृतिक व्यवहार को असामान्य परिस्थितियों में देख रहे हैं? भूखा बाघ, घायल बाघ या अपने क्षेत्र से विस्थापित बाघ स्वाभाविक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। यह उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी मजबूरी है।

संरक्षण की सफलता का सही पैमाना केवल बाघों की संख्या नहीं हो सकती। यदि संख्या बढ़ने के साथ मौतें भी बढ़ें, संघर्ष भी बढ़े और जंगल भी सिकुड़ें, तो यह सफलता अधूरी है। पिछले साल 166 बाघों की मौत हमें चेतावनी देती है कि हम एक खतरनाक मोड़ पर खड़े हैं। यदि समय रहते नीतियों में बदलाव नहीं किया गया, तो यह संघर्ष और गहराएगा। समाधान आसान नहीं हैं, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, बाघों के प्राकृतिक गलियारों को सुरक्षित करना होगा ताकि वे एक जंगल से दूसरे जंगल तक सुरक्षित आवागमन कर सकें। सड़क और रेल परियोजनाओं में वन्यजीव अनुकूल ढांचों को अनिवार्य बनाना होगा। स्थानीय समुदायों को संरक्षण का साझेदार बनाना होगा।

संरक्षण को केवल वन विभाग की जिम्मेदारी मानने के बजाय, इसे सामाजिक आंदोलन बनाना होगा। स्कूलों से लेकर पंचायतों तक यह समझ विकसित करनी होगी कि बाघ बचेगा तो जंगल बचेगा और जंगल बचेगा तो जीवन बचेगा। बाघ आज भी हमारे जंगलों का राजा है, लेकिन राजा तभी सुरक्षित रहता है जब उसका राज्य सुरक्षित हो। यदि जंगल सुरक्षित नहीं होंगे, तो बाघ भी नहीं बचेगा। अब समय आ गया है कि हम संरक्षण को दिखावे से निकालकर संवेदनशील, वैज्ञानिक और मानवीय दृष्टिकोण के साथ लागू करें। तभी यह कहा जा सकेगा कि बाघों का संरक्षण वास्तव में सफलता की कहानी है, न कि संघर्ष की शुरुआत।

> आज जब दुनिया के कई देशों से बाघ लगभग विलुप्त हो चुके हैं, तब भारत यह दावा करता है कि उसके पास विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी है, लेकिन इसी सफलता के बीच एक डरावना प्रश्न खड़ा हो गया है, क्या यह सचमुच संरक्षण की जीत है या गहरे संघर्ष की शुरुआत?

सोशल फोरम

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक

आखिर कौन हैं सीमा आनंद, जो मुख्यतः सेक्स, कामुकता और कामसूत्र आदि गंभीर विषयों पर खुलेतौर पर बात करती हैं। सीमा लंदन में रहती हैं, वे एक लेखिका, माइथोलॉजिस्ट , सेक्स एजुकेटर हैं। वे सेक्स को अश्लील नहीं मानती, बल्कि इसे प्राकृतिक और ऊर्जा के रूप में समझने की बात करती हैं।

निशा सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

वे सोशल मीडिया में आजकल इसलिए चर्चा में हैं, क्योंकि हाल ही में एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में उनके बयानों पर काफी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। उन्होंने बताया कि 15 साल के लड़के ने उन्हें आकर्षक बताया, जो चर्चा का विषय बना हुआ है, साथ ही उन्होंने कामसूत्र पर भी खुलकर चर्चा की। कुछ लोग उनकी बातों का समर्थन कर रहे हैं, वहीं कुछ लोग आलोचना। यह कहना कि वे सौ फीसदी सही हैं या गलत हैं ठीक नहीं होगा, क्योंकि यह ज्यादातर व्यक्तिगत दृष्टिकोण और संस्कृति पर निर्भर करता है। वे सेक्स संबंधों पर खुलकर बात करने को बढ़ावा देती है ताकि लोग डर व शर्म महसूस न करें। यह एक सकारात्मक मानसिकता के लिए सही हो सकता है, लेकिन भारत जैसे देश में जहां सेक्स और कामुकता आज भी पर्दे में है। वहां ऐसी प्रतिक्रियाएं और आलोचना आना स्वाभाविक है।

माना कि सेक्स एजुकेशन जरूरी है, लेकिन जब उदाहरण नाबालिग से जुड़ता है, तो सावधानी बरतनी चाहिए। सीमा जैसे प्रभावशाली लोगों को समझना चाहिए कि उनके शब्दों का असर कहां तक जाएगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जवाबदेही भी आवश्यक है। पश्चिमी समाज और भारतीय समाज की संवेदनाएं अलग-अलग हैं, इसलिए भारत में इस तरह के विचार रखते समय सांस्कृतिक, नैतिक और सामाजिक प्रभाव को नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सेक्स एजुकेशन जागरूकता के लिए हो, न कि सनसनी फैलाने के लिए होनी चाहिए। आधुनिकता के नाम पर हर बात सही नहीं हो जाती। संवाद के साथ मर्यादा का भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

साइबर फ्रॉड : जब खतरा बन जाए तकनीक

तकनीक ने हमारी जिंदगी को नई गति दी है। ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, डिजिटल भुगतान और सरकारी सेवाएं अब एक क्लिक पर उपलब्ध हैं, लेकिन इसी डिजिटल क्रांति की छाया में एक बड़ा जोखिम भी मजबूत हुआ है। साइबर फ्रॉड, जहां अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर भारत के नागरिकों को नकदी, डेटा और भरोसे से वंचित कर रहे हैं। 2024-25 के ताजा आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। 2024 में देशभर में लगभग 36.37 लाख साइबर फ्रॉड की घटनाएं दर्ज की गईं और लोगों ने लगभग 22,845.73 करोड़ का नुकसान रिपोर्ट किया, जो 2023 की तुलना में 206 प्रतिशत की वृद्धि है। यह जानकारी गृह मंत्रालय ने संसद में दी, जिसमें बताया गया कि एनसीआरपी और सीएफआरएमस जैसे पोर्टल्स पर बड़े पैमाने पर शिकायतें दर्ज हुईं। इन प्रणालीगत डेटा के अनुसार वित्तीय धोखाधड़ी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और अब यह केवल शहरों तक सीमित नहीं रह गया है। साइबर फ्रॉड के स्वरूप भी पहले से अधिक जटिल हो गए हैं।

डॉ सुनिधि मिश्रा
स्वतंत्र लेखिका

राज्यवार आंकड़े बताते हैं कि साइबर फ्रॉड की गतिविधियां देश के लगभग हर हिस्से में फैली हैं, लेकिन कुछ राज्यों में घटनाओं की संख्या विशेष रूप से उच्च है। भारत में 2024 में महाराष्ट्र ने लगभग 3,03,000 शिकायतों के साथ सबसे ज्यादा साइबर फ्रॉड मामले रिपोर्ट किए, जबकि उत्तर प्रदेश में लगभग 3,01,000, कर्नाटक में लगभग 1,69,000, गुजरात में लगभग 1,68,000 और दिल्ली में लगभग 1,53,000 मामले दर्ज किए गए। इन आंकड़ों से पता चलता है कि बड़े आबादी वाले राज्य और आर्थिक केंद्र साइबर अपराध के अधिक प्रभावित क्षेत्र हैं। इन राष्ट्रीय स्तर के आंकड़ों के साथ ही 2025 में भी साइबर फ्रॉड की घटनाएं हुईं। उदाहरण के लिए तेलंगाना पुलिस ने 547 करोड़ के बड़े अंतर्राष्ट्रीय साइबर फ्रॉड रैकेट का पर्दाफाश किया, जिसमें बहु-राज्यीय खाते उपयोग किए गए थे और आरोपियों ने फर्जी नौकरी के ऑफर तथा क्रिप्टो सहित अन्य डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया था। 2025 के दौरान हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराधों के खिलाफ प्रभावी रोकथाम और बचाव के कार्यक्रम के तहत लगभग 36 प्रतिशत ठगे गए धन को रोक दिया, जिससे लगभग 350 करोड़ बचाए गए। पुलिस ने 1,41,685 शिकायतें प्राप्त कीं और 8000 से अधिक साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। यह डेटा दिखाता है कि तकनीक-समर्थित और समन्वित प्रयासों से नुकसान को कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार साइबर अपराध में वृद्धि के पीछे कई कारक हैं। डिजिटल पेमेन्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता, सोशल इंजीनियरिंग तकनीक का विकास, फर्जी वेबसाइट और ऐप्स का प्रसार और अपराधियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का निर्माण। उदाहरण के लिए साइबर फ्रॉड से जुड़े नेटवर्कों में अक्सर क्रिप्टो करेंसी का उपयोग और वैश्विक सिमबॉक्स तकनीक शामिल होती है, जिससे ट्रांजैक्शन्स को छुपाया जाता है। साइबर फ्रॉड का आर्थिक असर भी बढ़ता जा रहा है, लेकिन साइबर फ्रॉड केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं है, यह भरोसा और मानसिक स्थिति पर भी असर डालता है। ऐसे मामलों में लोग अक्सर शर्म, डर या असहाय महसूस करते हैं, जिसके कारण वे देरी से शिकायत दर्ज कराते हैं या पुलिस से संपर्क नहीं करते। इससे अपराधियों को अधिक अवसर मिलता है। इस खतरे से निपटने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और सीएफ़आरएमस जैसे प्लेटफॉर्म नागरिकों को सीधे शिकायत दर्ज करने की सुविधा देते हैं। पुलिस बलों ने साइबर सेल, विशेष इकाइयों और प्रौद्योगिकी-आधारित मॉड्यूल को लांच किया है, जिससे फ्रॉड को रोकने और मामलों की जांच में मदद मिलती है। फिर भी, केवल कानूनी उपाय ही पर्याप्त नहीं हैं। साइबर फ्रॉड केवल एक तकनीकी समस्या नहीं है। यह जागरूकता, सामूहिक सुरक्षा और सतर्कता की जरूरत है ताकि डिजिटल भविष्य आशा का कारण रहे, डर का नहीं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

खोज

पंखे की खोज

दुनिया का पहला बिजली पंखा अमेरिकी इंजीनियर और आविष्कारक शूयलर स्काट व्हीलर ने 1886 में बनाया था। 1882 में व्हीलर को बिजली की क्षमता का अहसास हुआ। उनके द्वारा विकसित पहले बिजली के पंखे में केवल दो ब्लेड थे, इसमें एक बेहद खतरनाक खुली मोटर का उपयोग किया गया था। ये पंखा तब डायरेक्ट करंट (डीसी) से चलता था। इसे पीतल का बनाया गया था। इसे तब "बज फैन" के नाम से जाना जाता था। संयुक्त राज्य अमेरिका पेटेंट कार्यालय ने 1885-86 को आधिकारिक तौर पर उनके आविष्कार को मंजूरी दी थी।

स्काट व्हीलर का ये पंखा बहुत तेजी से लोकप्रिय हुआ था। जल्द ही अमेरिकी इलेक्ट्रिक मोटर कंपनी क्रॉकर एंड कर्टिस इसे बेचने लगी थी। इसी तकनीक के आधार पर फिर सीलिंग फैन और कई तरह के फैन बनाए गए थे। वहीं काफी हद तक एयर कंडीशनर का आविष्कार भी इसी पंखे को आधार बनाकर किया गया था। बता दें कि 1890 के दशक में डीसी बिजली सप्लाई की जगह एसी बिजली की सप्लाई घरों में पहुंचने लगी थी। तब ये बिजली के पंखे और कॉमन हो गए थे। 1800 के दशक के अंत से पहले बहुत अधिक गर्म होना एक रोजमर्रा की समस्या थी।

वैज्ञानिक परिचय

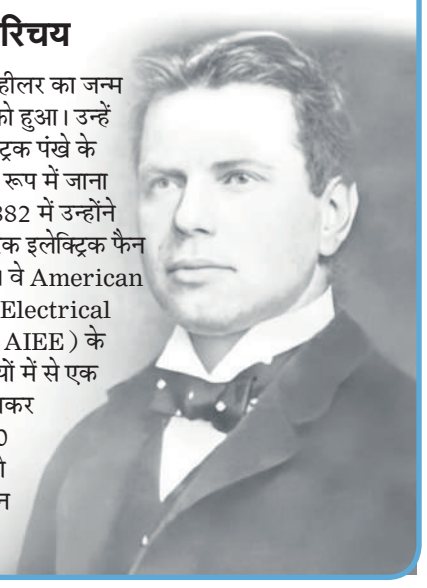

शूयलर स्कॉट व्हीलर का जन्म 17 मई 1860 को हुआ। उन्हें आधुनिक इलेक्ट्रिक पंखे के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1882 में उन्होंने पहला व्यावहारिक इलेक्ट्रिक फैन विकसित किया। वे American Institute of Electrical Engineers (AIEE) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जो आगे चलकर IEEE बना। 20 अप्रैल 1923 को व्हीलर का निधन हो गया।

पृथ्वी अपनी रक्षा कैसे करती है और कैसे जीवन के बने रहने के लिए उपर्युक्त अध्ययन बहुत जरूरी हैं, यह हमें मालूम होता है इन अध्ययनों के डाटा का विश्लेषण करने से . आमजन को विज्ञान की इन गूढ़ बातों से मतलब नहीं कि आकाशगंगा में हमारी पृथ्वी को क्या झेलना पड़ता है और कैसे यह अपनी रक्षा करती है। पृथ्वी पर दूरसंचार रेडियो तरंगों से होता है और इसमें पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष में घूमने वाले उन्नत उपग्रह लगातार ऐसी घटनाओं पर नजर रखते हैं, जिनके अत्यधिक गतिविधि से यह प्रभावित होकर जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। पृथ्वी के सेहत पर नजर रखने के जो भी उपकरण और सेटेलाइट टेक्नोलॉजी निर्मित की जाती है, उस पर अत्यधिक निवेश की जरूरत होती है। इसके लिए उन्नत देशों ने अनेक अंतरिक्ष निगरानी संगठन बनाए हुए हुए हैं। डाटा भी शेयर होता है।

सूर्यास्त के बाद धरती से निकलता है रहस्यमय विकिरण

रशियन एकेडमी ऑफ़ साइंसेज के हायर स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड स्पेस रिसर्च के रिसर्चर्स ने अरासे सैटेलाइट से सात साल तक डेटा का एनालिसिस किया और पहली बार पृथ्वी के नए रेडियो एमिशन हेक्टोमीटर कॉन्टिनम के बारे में डिटेल में बताया, जिसे 2017 में खोजा गया था। अरासे, जिसे पहले एक्सप्लोरेशन ऑफ़ एनर्जाइज़ेशन एंड रेडिएशन इन जियोस्पेस के नाम से जाना जाता था, वैन एलन बेल्ट्स की स्टडी करने वाला एक साइंटिफिक सैटेलाइट है। इसे जेएएक्सए या जाक्सा के इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एंड एस्ट्रोनॉटिकल साइंस ने डेवलप किया था। पता चला कि यह रेडिएशन सूरज डूबने के कुछ घंटे बाद होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है। ज्यादातर यह गर्मियों के महीनों में रिकॉर्ड किया गया था, बसंत और पतझड़ में कम। हालांकि, 2022 के बीच तक, जब सूरज बढ़ी हुई एक्टिविटी के फेज में गया, तो रेडिएशन पूरी तरह से गायब हो गया, लेकिन साइंटिस्ट्स का कहना है कि सिग्नल वापस आ सकता है। यह स्टडी जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्चः स्पेस फिजिक्स में पब्लिश हुई है। पृथ्वी लगातार रेडियो तरंगें निकाल रही है, जो नैचुरल इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल हैं जो पृथ्वी के पास के स्पेस से निकलते हैं। उनके एनालिसिस से यह समझने में मदद मिलती है कि सूरज मैग्नेटोस्फीयर पर कैसे असर डालता है - पृथ्वी के चारों ओर का वह एरिया जहां मैग्नेटिक फील्ड इसे बाहरी असर से बचाता है। इस रीजन या क्षेत्र में अलग-अलग तरह के रेडियो एमिशन बनते हैं, और उनमें से एक है हेक्टोमीटर कॉन्टिनम। यह 600 से 1700 किलोहर्ट्ज़ की रेंज में कमजोर नैचुरल रेडिएशन है, जो आम रेडियो स्टेशनों की ब्रॉडकास्टिंग फ्रीक्वेंसी से काफी कम है। रेडिएशन के सोर्स ग्रह के काफी करीब हैं - लगभग एक या दो पृथ्वी रेडियस की ऊंचाई पर, जहां मैग्नेटिक फील्ड अभी भी चार्ज्ड पार्टिकल्स की मूवमेंट को कंट्रोल करता है। पृथ्वी पर, ऐसी तरंगों का पता नहीं लगाया जा सकता क्योंकि आयनोस्फीयर की घनी परतें उन्हें पूरी तरह से सोख लेती हैं, इसलिए माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स को सिर्फ़ स्पेसक्राफ्ट की मदद से ही देखा जा सकता है।

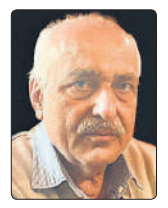

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

इस बारे में, हेक्टोमीटर कॉन्टिनम की खोज काफी हाल ही में, 2017 में, जापानी सैटेलाइट अरासे की वजह से हुई थी। उस समय से, सिग्नल कभी-कभी रिकॉर्ड किया गया है, और इसके व्यवहार की कोई पूरी तस्वीर नहीं थी। माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स की प्रॉपर्टीज को बताने और इसके शुरू होने के मैकेनिज्म को समझाने के लिए, रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के स्पेस रिसर्च इंस्टीट्यूट और हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के फिजिक्स फैकल्टी के रिसर्चर्स ने सैटेलाइट से सारा उपलब्ध डेटा इकट्ठा किया और ट्रैक किया कि यह रेडिएशन समय के साथ कैसे बदलता है। ऐसा करने के लिए, उन्होंने सात साल, 2017-2023 के लिए, माइनिंग और मेटलर्जी कंपनियों के रजिस्ट्रेशन के लगभग एक हजार एपिसोड का एनालिसिस किया। नतीजों से पता चला कि सिग्नल का दिखना नियर-अर्थ प्लाज्मा में होने वाले प्रोसेस से जुड़ा है - यह एक ऐसा क्षेत्र है जो चार्ज्ड पार्टिकल्स से भरा होता है जो पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड और सोलर विंड के असर में चलते हैं। लेखकों के अनुसार, हेक्टोमीटर कंटिन्यूअम डबल प्लाज्मा रेजोनेंस के कारण होता है, यह एक ऐसी घटना है जिसमें प्लाज्मा में दो तरह के ऑसिलेशन एक साथ होते हैंः प्लाज्मा का नेचुरल ऑसिलेशन और पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड लाइनों के चारों ओर इलेक्ट्रॉनों का घूमना। यह को-इंसिडेंस अस्थिरता पैदा करता है, जिसके कारण प्लाज्मा रेडियो वेव्स निकालता है। इसके लिए खास हालात की जरूरत होती है, जैसे एक खास प्लाज्मा डेंसिटी और ज्यादा एनर्जी वाले गर्म इलेक्ट्रॉन की मौजूदगी। पता चला कि रेडिएशन सिर्फ़ रात में होता है और सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है।

साइंटिस्ट इसे इस बात से समझाते हैं कि सूरज का सुबह का रेडिएशन प्लाज्मा की डेंसिटी बढ़ाता है और रेडियो वेव बनने के लिए ज़रूरी हालात को खत्म कर देता है। सूरज डूबने के बाद, सिग्नल भी तुरंत नहीं दिखता, बल्कि कुछ घंटों बाद दिखता है, जब आयनोस्फीयर को ठंडा होने औरमाइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स के एक्साइटेशन के लिए जरूरी पैरामीटर को ठीक करने का समय मिल जाता है। रोजाना के साइकिल के अलावा, रेडिएशन में मौसमी खासियतें भी होती हैंः यह गर्मियों में ज्यादा रिकॉर्ड होता था, पतझड़ और बसंत में कम। 2022 के बीच से, सिग्नल गायब हो गया है। साइंटिस्ट इसका कारण सूरज का ज्यादा एक्टिव फेज में बदलना मानते हैंः इन महीनों में, इसकी सतह पर ज़्यादा धब्बे थे, 10.7 सेंटीमीटर की वेवलेंथ पर रेडियो एमिशन बढ़ा और अल्ट्रावॉयलेट लेवल बढ़ा। इस वजह से, प्लाज्मा का स्ट्रक्चर बदल गया, और कंटीन्यूअम बनने के हालात गायब हो गए। जाक्सा, या जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी, जापान की सरकारी एजेंसी है जो रिसर्च, टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और सैटेलाइट को ऑर्बिट में लॉन्च करने के लिए ज़िम्मेदार है।

सन 2003 में बनी जाक्सा को जापान के स्पेस प्रोग्राम को आसान बनाने के लिए तीन अलग-अलग ऑर्गनाइज़ेशन को मिलाकर बनाया गया था। यह कई बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल रही है, जिसमें इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए मॉड्यूल बनाना और चांद और एस्टेरॉयड की स्टडी के लिए मिशन चलाना शामिल है। ज़्यादा जानकारी के लिए, आप जाक्सा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जा सकते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

ठंड में मुंह से क्यों निकलती है भाप

सर्दियों में जैसे ही तापमान गिरता है, लोगों के मुंह से धुएं जैसी भाप निकलती दिखाई देने लगती है। बचपन में हममें से कई लोग यह देखने की होड़ लगाते थे कि कौन ज्यादा 'धुआं' निकाल सकता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यह भाप आखिर आती कहां से है और गर्मियों में यह बिल्कुल क्यों नहीं दिखती? आइए आज आपको बताते हैं कि आखिर यह प्रोसेस क्यों होता है?

हमारे शरीर का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना होता है और हमारे फेफड़ों (लंग्स) में जो हवा होती है, वह नमी यानी वॉटर वेपर से भरी होती है। यह हवा हमारे शरीर के तापमान के बराबर गर्म होती है। गर्म हवा ठंडी हवा की तुलना में ज्यादा नमी अपने अंदर रोक सकती है। यही कारण है कि जब सर्दियों में हम सांस बाहर छोड़ते हैं, तो बाहर की ठंडी हवा उस गर्म और नम सांस का तापमान बहुत तेजी से गिरा देती है। जैसे ही यह सांस ओसांक (Dew Point) तक पहुंचती है, उसमें मौजूद वॉटर वेपर गैस से तरल अवस्था में बदल जाता है। इस प्रक्रिया को कंडेन्सेशन (Condensation) कहते हैं। इस दौरान बेहद छोटे-छोटे पानी के कण बनते हैं, जो हमें धुएं या कोहरे (फॉग) की तरह दिखाई देते हैं। असल में यह धुआं नहीं, बल्कि पानी की सूक्ष्म बूंदें होती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, जब तापमान शून्य डिग्री या उससे नीचे चला जाता है, तो यही भाप जमकर बर्फ के कणों में भी बदल सकती है।

गर्मियों में क्यों नहीं दिखती भाप ?

गर्मियों में वातावरण का तापमान अधिक होता है। ऐसी स्थिति में जब हम सांस छोड़ते हैं, तो बाहर की हवा पहले से ही गर्म होती है और अधिक नमी धारण कर सकती है। इसलिए सांस में मौजूद वॉटर वेपर गैस की अवस्था में ही रहता है और कंडेन्सेशन नहीं होता। इसी वजह से गर्मियों में मुंह से भाप दिखाई नहीं देती।

रोचक किस्सा

समुद्र की नीली रंगत का रहस्य

भारत के महान वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन (सी. वी. रमन) से जुड़ा एक रोचक और प्रेरक किस्सा उनकी खोजी प्रवृत्ति को बखूबी दर्शाता है। यह किस्सा उस खोज की शुरुआत है, जिसने आगे चलकर उन्हें नोबेल पुरस्कार तक पहुंचाया।

1904 में लॉर्ड रेले को फिजिक्स का नोबेल मिला था। उन्होंने बताया था कि आसमान नीला क्यों दिखता है और समुद्र का नीला रंग आसमान के प्रतिबिंब के कारण है। सन् 1921 में सी. वी. रमन ब्रिटेन समुद्री मार्ग से जा रहे थे। जहाज जब गहरे समुद्र में आगे बढ़ रहा था, तो उन्होंने देखा कि समुद्र का पानी गहरा नीला दिखाई दे रहा है, लेकिन रमन को रेले का तर्क संतोषजनक नहीं लगा। उनका वैज्ञानिक मन इस साधारण से दृश्य में भी प्रश्न खोजने लगा कि यदि समुद्र का रंग केवल आकाश का प्रतिबिंब है, तो बादलों के दिनों में भी वह नीला क्यों दिखता है?

यही सवाल उनके मन में बस गया। भारत लौटने के बाद उन्होंने साधारण उपकरणों से प्रकाश और तरल पदार्थों पर प्रयोग शुरू किए। उनके पास अत्याधुनिक प्रयोगशाला नहीं थी, फिर भी उन्होंने कांच की बोतलों, सूरज की रोशनी और साधारण स्पेक्ट्रोस्कोप की मदद से गहन अध्ययन किया। इन प्रयोगों से उन्होंने सिद्ध किया कि जब प्रकाश किसी पारदर्शी पदार्थ से गुजरता है, तो उसका कुछ हिस्सा विखरित होकर अपना तरंगदैर्घ्य बदल लेता है।

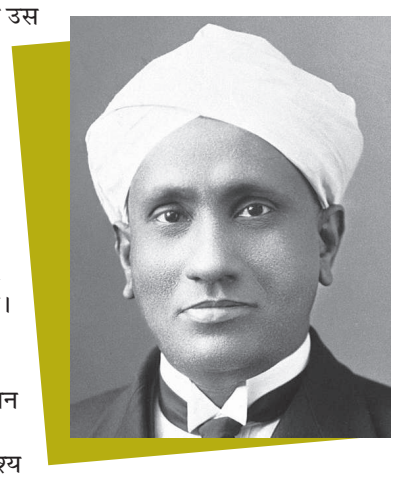

यही खोज आगे चलकर 'रमन प्रभाव' के नाम से प्रसिद्ध हुई। इस प्रभाव ने यह स्पष्ट कर दिया कि समुद्र का नीला रंग आकाश का प्रतिबिंब नहीं, बल्कि प्रकाश के प्रकीर्णन का परिणाम है। इस खोज के लिए सी. वी. रमन को 1930 में भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला। यह किसी भारतीय वैज्ञानिक को मिला पहला नोबेल पुरस्कार था। यह किस्सा हमें सिखाता है कि वैज्ञानिक दृष्टि केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं होती। एक जिज्ञासु नजर और सवाल पूछने की आदत भी महान खोजों की नींव रखती है।

वैज्ञानिकों के आकर्षण का केंद्र होगा धूमकेतु-3 आई एटलस

इस पूरे वर्ष बहुचर्चित धूमकेतु-3 आई एटलस वैज्ञानिकों के आकर्षण के केंद्र में रहेगा। दूसरी दुनिया से आए इस धूमकेतु की कौमा जैसी पूंछ का रंग अब हरा हो चला है। चौड़ाई में आकार 6 किमी तक है। यह एक असामान्य सक्रिय धूमकेतु है, जिसकी सतह पर संभवत : बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं। यह जानकारी नासा की हबल अंतरिक्ष दूरबीन के जरिए सामने आई है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

अंतरिक्ष में धूमकेतुओं का अपना अलग रोमांच है और वह धूमकेतु तब और भी रोमांच पैदा कर देता है, जब वह हमारे सौर मंडल का न होकर किसी दूसरी दुनिया से आया हो। यही वह मौका है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के रहस्यों को उजागर कर सकता है। जिस कारण नासा और ईसा जैसी प्रमुख अंतरिक्ष एजेंसियां गंभीरता से इसके ऑब्जर्वेशन में जुटी हुई हैं। अभी तक हुए अध्ययन के बाद इस धूमकेतु के बारे में कुछ नई जानकारियां सामने आ सकी हैं, जिससे पता चलता है कि इसका धूल भरा कौमा यानी पूंछ अब लाल रंग से हरे रंग में तब्दील हो चुकी है। चौड़ाई में इसका आकार 440 मीटर से 6 किमी के बीच होने का अनुमान वैज्ञानिकों ने जताया है।

बहरहाल इसके आकार की सही जानकारी मिलनी अभी बाकी है। इसके रंग बदलने का कारण द्विपरमाण्विक कार्बन का उत्सर्जन माना जा रहा है। इस धूमकेतु की सतह में हलचल यानी सक्रियता अधिक हो रही हैं, जिस कारण इसे असामान्य माना जा रहा है। इसकी सतह पर बर्फ के ज्वालामुखी विस्फोट हो रहे हैं, इसके संकेत वैज्ञानिकों को मिले हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह धूमकेतु इस वर्ष जून तक जमीनी दूरबीनों से देखा जा सकेगा।

इसके बाद साल के अंत में पुनः पृथ्वी पर मौजूद दूरबीनों से देखा जा सकता है। इस बीच अंतरिक्ष दूरबीन जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप और हबल से इस पर नजर रखी जाएगी। इसके अलावा बृहस्पति ग्रह पर मौजूद दूरबीन जूसी भी इसकी निगरानी करेगा और इसकी तस्वीरें हम तक भेजेगा। वर्तमान में यह धुंधला ही नजर आ रहा है। जिस कारण साधारण दूरबीनों से देख पाना आसान नहीं है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस धूमकेतु के अध्ययन के लिए पूरा साल है, जो किसी दूसरी दुनिया के सौर मंडल की जानकारी दे जाएगा।

धूमकेतुओं से पता चलता है सौर मंडल की वास्तविकता

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार धूमकेतुओं से सौर मंडल के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है। यह किसी भी सौर मंडल के निर्माण के अवशेष होते हैं। जिस कारण सौर मंडल की आयु और वहां मौजूद पिंडों का पता लगाया जा सकता है, जिससे धूमकेतु-3 आई एटलस का महत्व बढ़ जाता है, जो किसी दूसरे सौर मंडल के बारे में जानकारी दे सकता है।

जंगल की दुनिया

पर्पल फ्रॉग (बैंगनी मेढक) धरती का रहस्यमय जीव

पर्पल फ्रॉग, जिसे हिंदी में बैंगनी मेढक कहा जाता है, प्रकृति के सबसे अद्भुत और रहस्यमय जीवों में से एक है। इसका वैज्ञानिक नाम नासिकाबत्रेकस सह्याद्रेंसिस (Nasikabatrachus sahyadrensis) है। यह दुर्लभ प्रजाति केवल भारत के पश्चिमी घाट क्षेत्र में पाई जाती है, जो अपनी जैव-विविधता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

बैंगनी मेढक का शरीर अन्य मेढकों से बिल्कुल अलग होता है। इसका रंग गहरा बैंगनी, शरीर गोल-मटोल और थूथन सूअर की नाक जैसा दिखाई देता है। इसकी आंखें छोटी होती हैं और मुंह संकरा, जिससे यह जमीन के नीचे रहने के लिए पूरी तरह अनुकूलित है। यह मेढक अपने जीवन का अधिकांश समय भूमिगत बिताता है और आमतौर पर इंसानों की नजरों से दूर रहता है।

पर्पल फ्रॉग की सबसे अनोखी विशेषता इसका जीवन-चक्र है। यह साल में केवल मानसून के कुछ ही दिनों के लिए जमीन के ऊपर आता है। इसी दौरान यह प्रजनन करता है। नर मेढक की आवाज तेज और अनोखी होती है, जो जमीन के नीचे से भी सुनाई देती है। इसके टैडपोल चट्टानों से चिपककर बहते पानी में विकसित होते हैं, जो इसे अन्य प्रजातियों से अलग बनाता है। इसका मुख्य भोजन दीमक और छोटे कीड़े होते हैं, जिन्हें यह अपनी लंबी, चिपचिपी जीभ से पकड़ता है। जंगलों में रहने वाली इडुकी इन्हें कई पीढ़ियों से जानते और समझते हैं। माना जाता है कि इन जीवों का प्राचीन वंश लगभग 12 करोड़ वर्षों से स्वतंत्र रूप से विकसित हो रहा है, और इन्होंने नए महाद्वीपों के निर्माण, महान डायनासोर के विनाश, हिमयुग और मनुष्यों के प्रमुख प्रजाति बनने जैसी घटनाओं को जीवित रहते हुए देखा है। वैज्ञानिकों के लिए यह गोंडवानालैंड नामक महाद्वीप के अस्तित्व का एक महत्वपूर्ण जैविक प्रमाण हैं।

आज पर्पल फ्रॉग संकटग्रस्त (Endangered) प्रजातियों की सूची में शामिल है। जंगलों की कटाई, सड़क निर्माण और मानवीय गतिविधियों के कारण इसका प्राकृतिक आवास तेजी से नष्ट हो रहा है। ऐसे में इस अनोखे जीव का संरक्षण न केवल पर्यावरण संतुलन के लिए आवश्यक है, बल्कि हमारी प्राकृतिक धरोहर को बचाने की जिम्मेदारी भी है।

आरएम ड्रिप लगाएगा नया विनिर्माण संयंत्र

नई दिल्ली। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक में 12,000 टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता वाली नई विनिर्माण इकाई स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि नई इकाई की स्थापना प्रस्तावित पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से सिन्नर में होगी। इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में 50% की वृद्धि होगी।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 1860, फ़ॉर्चून कि. 2330, रविन्द्रा 2450, फॉर्चुन 13 किग्रा 2050, जय जवान 2050, सचिन 2045, सूरज 2065, अवसर 1885, उजाला 1975, गृहणी 13 किग्रा 1910, क्लासिक (किग्रा) 2235, मोर 2260, चक्र टिन 2330, ब्लू 2140, आशीर्वाद मस्टर्ड 2325, स्वास्तिक 2520

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4380, बहेड़ी 4300

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 800, बासमती- 5000, परमल- 1100

दाल दलहन : काला चना- 2000, साबुत चना दाल- 1200, मूंग साबुत- 4200, राजमा- 8100-11100, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 2000, मसूर दाल- 2000, उड़द साबुत- 3700, काबुली चना- 7400, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1100

भारत, अमेरिका व्यापार समझौते के करीब

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल बोले- दोनों देशों के वार्ताकार सभी लंबित मुद्दों पर कर रहे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने गुरुवार को कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब हैं और दोनों पक्षों के तैयार होने पर इसकी घोषणा कर दी जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देशों के वार्ताकार दल व्यापार समझौते के लगभग सभी लंबित मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं। यह पूरा होने के करीब है, लेकिन हम कोई समय-सीमा नहीं दे सकते हैं। यह तब होगा जब दोनों पक्ष तैयार होंगे और यह महसूस करेंगे कि घोषणा का सही समय है।

अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि भारत और अमेरिका के बीच बातचीत कभी नहीं टूटी थी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। सितंबर में भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में 50% तक का भारी शुल्क लगाने के बाद व्यापार समझौते पर बातचीत कुछ समय के लिए सुस्त पड़ गई थी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने दिसंबर के अंतिम सप्ताह में

- **बोले- भारत-अमेरिका में बातचीत कभी नहीं टूटी और दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे से जुड़े रहे**

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीयर के साथ ऑनलाइन बैठक की थी। यह बैठक 10-11 दिसंबर को अमेरिका के उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्ज़र के नेतृत्व में आए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बाद हुई। भारत में अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने 12 जनवरी को कहा था कि दोनों पक्ष सक्रिय रूप से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में लगे हैं।

गोर ने कहा था, असली मित्रों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन आखिर में हमेशा उन्हें सुलझा लेते हैं। साथ ही अग्रवाल ने अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार की सकारात्मक वृद्धि पर संतोष जताया। व्यापार समझौता संपन्न न हो पाने की किसी संभावना पर उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापार वार्ताओं में सकारात्मक और आशावादी दृष्टिकोण रखते हैं।

दोनों पक्ष जुड़े हुए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इसे अंजाम तक पहुंचाया जा सकता है। दोनों देशों ने पिछले साल की शुरुआत में द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की थी। इस दौरान कई दौर की वार्ताएं भी हुईं। हालांकि कृषि एवं डेयरी क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को लेकर गतिरोध की स्थिति रही।

भारत, यूरोपीय संघ एफटीए पर बातचीत पूरी करने के नजदीक

नई दिल्ली। भारत और यूरोपीय संघ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत पूरी करने के बहुत करीब हैं। कुछ बचे मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी है ताकि इस महीने के आखिर में शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय समझौता, घोषणा के लिए तैयार हो सके। वाणिज्य सचिव, राजेश अग्रवाल ने कहा कि संवेदनशील कृषि से जुड़े मुद्दों को भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के दायरे से बाहर रखा गया है। हमने 24 में से 20 अध्याय पूरी तरह से बंद कर दिए हैं। कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर बातचीत चल रही है। हम डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं और हम यह कोशिश कर रहे हैं कि हमारे नेताओं की बैठक से पहले इस काम को कैसा पूरा किया जा सकता है। जिन मुद्दों को सुलझाने की जरूरत है उनमें यूरोपीय संघ का कार्बन कर भी शामिल है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष, उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष, एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और 25-27 जनवरी तक भारत की सरकारी यात्रा पर रहेंगे। वे 77वें गणतंत्र दिवस में मुख्य अतिथि हैं। इस यात्रा के समय, यह नेतृत्व 27 जनवरी को 16वें इंडिया-यूरोपीय संघ सम्मेलन की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। सम्मेलन के दौरान समझौते के लिए बातचीत खत्म होने की घोषणा की जा सकती है और इस पर दस्तखत बाद में तय तारीख पर हो सकती है। अग्रवाल ने कहा कि यह बातचीत खत्म होने की घोषणा करने का एक अच्छा मौका होगा। हम इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। बातचीत को गति देने के लिए, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री, पीयूष गोयल 8-9 जनवरी को यूरोपीय संघ व्यापार आयुक्त, मारोस सेपकोविक के साथ बैठक के लिए ब्रसेल्स गए थे। वित्तवर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 136.53 अरब डॉलर था (75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब अरब डॉलर का आयात), जिससे यह सामानों का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार बन गया। यूरोपीय संघ बाजार का भारत के कुल निर्यात में लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं भारत को यूरोपीय संघ का निर्यात उसके कुल विदेशी निर्यात का नौ प्रतिशत है।

बेरोजगारी दर 4.8% शहरी क्षेत्रों में बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पीएलएफएस के मुताबिक, ग्रामीण क्षेत्रों में 3.9% पर स्थिर, शहरी क्षेत्रों में 6.5 से बढ़कर 6.7% हुई**

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर दिसंबर में मामूली रूप से बढ़कर 4.8% पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह 4.7% थी। केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 3.9 प्रतिशत पर स्थिर रही जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 6.5 प्रतिशत से बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण पुरुषों में बेरोजगारी दर 4.1% पर स्थिर रही, जबकि शहरी महिलाओं में यह 9.3% से घटकर 9.1% पर आ गई। दिसंबर में देश के कुल श्रमबल में हल्की बढ़त देखी गई और कुल कार्यशील जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 53.2 से बढ़कर 53.4% हो गया। ग्रामीण पुरुषों का डब्ल्यूपीआर 75.4 से बढ़कर 76% रहा, जबकि शहरी पुरुषों में यह 70.9 से 70.4% पर आ गया। ग्रामीण महिलाओं का डब्ल्यूपीआर 38.4 से बढ़कर 38.6% हो गया जबकि शहरी महिलाओं का कार्यशील जनसंख्या अनुपात 23% पर स्थिर रहा।

आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 55.8 से बढ़कर 56.1% हो गई। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 58.6 से बढ़कर 59% और शहरी क्षेत्रों में 50.4 से घटकर 50.2% रही। महिलाओं की एलएफपीआर कुल 35.1 से बढ़कर 35.3% रही। इसमें ग्रामीण महिलाएं 39.7 से बढ़कर 40.1% पर पहुंच गईं जबकि शहरी महिलाएं 25.5 से घटकर 25.3% पर आ गईं। इन आंकड़ों का आधार 3,73,990 लोगों के बीच किए गए सर्वेक्षण से मिली सूचना है। पीएलएफएस की नई गणना-पद्धति जनवरी, 2025 से लागू की गई है, जिससे श्रमबल संकेतकों का व्यापक और अधिक सटीक आकलन संभव हो पाया है।

निर्यात 1.87% बढ़ा, व्यापार घाटे में मामूली वृद्धि

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश का निर्यात दिसंबर 2025 में 1.87% बढ़कर 38.5 अरब डॉलर हो गया लेकिन आयात में तेज वृद्धि से व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25 अरब डॉलर हो गया। गुरुवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर में देश का आयात 8.7 प्रतिशत बढ़कर 63.55 अरब डॉलर रहा। इसके साथ ही आयात और निर्यात का अंतर यानी व्यापार घाटा मामूली रूप से बढ़कर 25.04 अरब डॉलर हो गया। यह नवंबर 2025 में 24.53 अरब डॉलर जबकि दिसंबर 2024 में 22 अरब डॉलर था। साथ ही चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर अवधि में देश

- **कुल वस्तु निर्यात 2.44% बढ़कर 330.29 अरब डॉलर और कुल आयात 5.9% बढ़कर 578.61 अरब डॉलर रहा**

का कुल वस्तु निर्यात 2.44 प्रतिशत बढ़कर 330.29 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान कुल आयात 5.9 प्रतिशत बढ़कर 578.61 अरब डॉलर हो गया।

इस तरह वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कुल व्यापार घाटा 248.32 अरब डॉलर दर्ज किया गया। व्यापार आंकड़ों पर वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का निर्यात सकारात्मक रुझान दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा रुझानों को देखते हुए हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात (वस्तु और सेवाएं) 850 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर सकता है। पिछले महीने निर्यात में तेजी की अगुवाई इंजीनियरिंग उत्पाद, इलेक्ट्रॉनिक्स, समुद्री उत्पाद और दवा जैसे क्षेत्रों ने की। इसके साथ अमेरिका, चीन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को भारत का निर्यात स्थिर गति से बढ़ रहा है।

एमएसएमई के लिए सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़ें

नई दिल्ली, एजेंसी

नीति आयोग ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की दक्षता बढ़ाने को गुरुवार को सरकार की विभिन्न योजनाओं को एक साथ जोड़ने की सिफारिश की। आयोग ने रिपोर्ट में कहा कि एमएसएमई क्षेत्र के लिए केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाए और विकास योजनाओं एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का बेहतर समन्वय भी स्थापित किया जाए।

रिपोर्ट में एमएसएमई इकाइयों का बाजार के साथ सहयोग मजबूत करने के लिए विशेष मार्केटिंग प्रकोष्ठ बनाने का सुझाव भी दिया गया है। इस प्रकोष्ठ की घरेलू विपणन इकाई व्यापार मेलों, प्रदर्शनी और खरीदार-विक्रेता बैठकों में उद्यमियों की भागीदारी बढ़ाएगी, जबकि विदेशी विपणन इकाई वैश्विक बाजार तक पहुंच और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में समर्थन देगी। साथ ही नीति आयोग ने ग्रामीण और कृषि-आधारित छोटे उद्योगों को उन्नत प्रशिक्षण और नवाचार तक पहुंच दिलाने के लिए मौजूदा योजनाओं को विशेष श्रेणी में शामिल करने की सिफारिश की है।

आयोग ने ग्रामीण और कृषि आधारित छोटे उद्योगों के लिए संचालित एस्पायर योजना को एमएसएमई नवाचार योजना में शामिल करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे इन उद्यमों को उन्नत प्रशिक्षण, नवाचार और समर्थन मिल सकेगा।

- **नीति आयोग ने केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल बनाने और कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रखी बात**

रिपोर्ट में सुझाए गए दो-स्तरीय तरीके

नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी की रिपोर्ट में सरकारी योजनाओं को मिलाने के लिए सूचना का समन्वय और प्रक्रिया का समन्वय के दो-स्तरीय तरीके सुझाए गए हैं। इससे केंद्र और राज्य सरकारों के डेटा को जोड़कर योजनाओं में बेहतर तालमेल, निर्णय क्षमता और सेवाओं की पहुंच बढ़ाई जा सकेगी। आयोग ने इस समय संचालित 18 सरकारी योजनाओं का मूल्यांकन करने के बाद कहा कि योजनाओं का अलग-अलग और कभी-कभी पारस्परिक संघर्ष वाला संचालन लाभार्थियों तक पहुंच और असर को सीमित कर देता है। इन योजनाओं का समान और संयोजित क्रियान्वयन एमएसएमई क्षेत्र में संसाधनों का उपयोग, आसान पहुंच और व्यापक विकास को सुनिश्चित करेगा।

राष्ट्रीय

ईसी मतदाता सूची से हटाए वोटरों के नाम करें प्रकाशित : सुप्रीम कोर्ट

आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा दो सप्ताह बढ़ाने पर विचार करने को कहा

- **संशोधन के बाद जारी मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं 24 लाख लोगों के नाम**

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को केरल में मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के बाद प्रकाशित मतदाता सूची के मसौदे से हटाए नामों को सार्वजनिक करने का गुरुवार को निर्देश दिया, ताकि प्रभावित मतदाता आपत्ति दर्ज करा सकें। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आयोग से नामों को हटाने के खिलाफ आपत्ति दर्ज करने की समय सीमा को दो सप्ताह तक बढ़ाने पर विचार करने को भी कहा।

आयोग के वकील ने दलील दी कि समय सीमा बढ़ाने के मुद्दे पर विचार किया जाएगा। पीठ, केरल में एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं के समूह की सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं में केरल की इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के वरिष्ठ राजनेता पीके कुन्हालीकुट्टी, माकपा के एमवी गोविंदन मास्टर और सनी जोसेफ के साथ भाकपा राज्य परिषद के सदस्य शामिल हैं। याचिकाओं में कहा गया कि वर्तमान में जिस प्रकार से एसआईआर प्रक्रिया जारी रही है, उसमें तकनीकी त्रुटियों और मजबूत निवारण तंत्र के अभाव से आबादी के बड़े हिस्से के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने बताया कि संशोधन के बाद जारी मतदाता सूची के मसौदे के अनुसार, 24 लाख नाम हटाए गए हैं। पीठ को सूचित किया गया कि पिछली सुनवाई के दौरान आयोग ने जनगणना प्रपत्र जमा करने की मूल समय सीमा चार दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर कर दी थी। बाद में न्यायालय की टिप्पणियों के आधार पर समय सीमा को बढ़ाकर 18 दिसंबर कर दिया गया। पीठ ने इन दलीलों पर ध्यान देते हुए कहा कि मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए व्यक्तियों के नाम, अगर पहले से प्रदर्शित नहीं किए गए हैं, तो ग्राम पंचायत कार्यालयों या गांवों में स्थित किसी कार्यालय में प्रदर्शित किए जाने चाहिए।

जन नायकन के निर्माता सीबीएफसी मंजूरी को हाईकोर्ट जाएं

विजय-अभिनीत फिल्म जन नायकन की रिलीज टलती जा रही है, क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को प्रमाण-पत्र जारी करने का निर्देश देने संबंधी फिल्म निर्माता की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी तथा उन्हें 20 जनवरी को फिर से मद्रास हाईकोर्ट के समक्ष जाने को कहा। केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने मद्रास हाईकोर्ट के उस अंतरिम आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें तमिल फिल्म जन नायकन को प्रमाण-पत्र जारी करने के एकल-न्यायाधीश के निर्देश पर रोक लगा दी गई थी। फिल्म नौ जनवरी को पोंगल पर रिलीज होनी थी। यह फिल्म विजय के राजनीति में पूर्ण रूप से प्रवेश करने से पहले उनकी आखिरी फिल्म मानी जा रही है। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट में मामले के निपटारे की गति पर सवाल उठाते हुए फिल्म निर्माताओं को राहत के लिए हाईकोर्ट की खंडपीठ जाने के लिए कहा। निर्माताओं के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने शीर्ष अदालत से कहा कि विवाद के निपटारे में अगर देरी होती है तो इससे गंभीर क्षति होगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि मद्रास हाईकोर्ट 20 जनवरी को याचिका पर फैसला करे।

कोमा में गए बेटे को इच्छामृत्यु की अर्जी पर फैसला सुरक्षित

उच्चतम न्यायालय ने 31-वर्षीय व्यक्ति के पिता की उस याचिका पर गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें 12 साल से अधिक समय से कोमा में गए बेटे के कृत्रिम जीवन रक्षक उपकरण को हटाकर उसे परोक्ष इच्छामृत्यु देने का अनुरोध किया गया है। याचिका के मुताबिक, हरीश राणा 2013 में इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे और उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। वह 12 वर्षों से कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी और याचिकाकर्ता (पिता) अशोक राणा की अधिवक्ता रश्मी नंदकुमार की दलीलें सुनीं।

तमिलनाडु के विवि के खिलाफ हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

उच्चतम न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के उस निर्देश पर रोक लगा दी, जिसमें तंजावुर स्थित सरकारी जमीन से षणमुगा आर्ट्स, साइंस, टेक्नोलॉजी एंड रिसर्च एकेडमी (एसएएसटीआरए) को बेदखल करने का आदेश दिया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विजय बिश्नोई की पीठ ने राज्य सरकार से तीन वरिष्ठ राज्य अधिकारियों की उच्चस्तरीय समिति गठित करने को कहा। पीठ ने निर्देश दिया कि समिति विवि के अभ्यावेदन पर विचार करे और चार सप्ताह में निर्णय लेने से पहले संस्थान को सुनवाई का अवसर प्रदान करे।

वकालत मानदंड पर उच्च न्यायालयों, एनएलयू से प्रतिक्रिया मांगी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को प्रवेश स्तर की न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल होने के लिए न्यूनतम तीन वर्ष के वकालत पेशा मानदंड पर सभी उच्च न्यायालयों, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों और अन्य विधि विद्यालयों से राय मांगी। उच्चतम न्यायालय ने गत वर्ष 20 मई को नए विधि स्नातकों को प्रवेश स्तर की न्यायिक सेवा परीक्षा में बैठने से रोक दिया था और इसके लिए न्यूनतम तीन साल की वकालत करने का मानदंड तय किया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विजय बिश्नोई की पीठ गुरुवार को भूमिका ट्रस्ट द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) की श्रेणी से संबंधित विधि स्नातकों को न्यूनतम तीन वर्ष की वकालत करने की आवश्यकता से छूट देने का अनुरोध किया गया था।

भाजपा ने कोर्ट की टिप्पणी को ममता पर गंभीर आरोप बताया

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने कोलकाता स्थित आई-पैक परिसर में ईडी की छापेमारी को कथित तौर पर बाधित करने के खिलाफ दाखिल याचिका पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर गंभीर आरोप करार दिया। केंद्र में सत्तारूढ़ और बंगाल की विपक्षी पार्टी भाजपा ने आरोप लगाया कि टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने कोयला तस्करी और धनशोधन के आरोपियों को बचाने के लिए राज्य की मशीनरी का इस्तेमाल किया।

भाजपा ने कहा कि ममता बनर्जी आज जनता और अदालत दोनों में बेनकाब और पराजित हो चुकी हैं। अब उनके मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई आधार नहीं है। भाजपा का यह बयान शीर्ष अदालत द्वारा ईडी की छापेमारी में बाधा डालने के आरोप को बेहद गंभीर बताये जाने के बाद आया। भाजपा के पश्चिम बंगाल मामलों के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने कहा, यह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर एक गंभीर आरोप है।

आई-पैक छापा मामला

- **भाजपा ने कहा- टीएमसी अध्यक्ष ने कोयला तस्करी के आरोपियों को बचाने के लिए राज्य की मशीनरी का किया इस्तेमाल**

न्यायालय ने ''कड़ी'' टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिका में राज्य एजेंसियों द्वारा ईडी की जांच में कथित हस्तक्षेप के गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं। मालवीय ने एक्स पर कहा कि न्यायालय ने चेतावनी दी है कि गंभीर आर्थिक अपराधों की जांच कर रही केंद्रीय एजेंसियों के काम में बाधा डालने से अराजकता फैल सकती है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों और ईडी अधिकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक को ममता बनर्जी के लिए करारा तमाचा करार दिया। उन्होंने कहा कि इससे यह स्पष्ट है कि टीएमसी के शासन में पश्चिम बंगाल में जंगल राज है। उच्चतम न्यायालय ने यह संदेश दिया कि भारत और पश्चिम बंगाल में केवल कानून का शासन ही कायम रहेगा। भाजपा की एक अन्य राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने उच्चतम न्यायालय की टिप्पणियों को बनर्जी और उनकी सरकार के लिए बड़ा झटका करार दिया। इल्मी ने कहा कि ममता बनर्जी आज जनता और कानून दोनों की अदालत में पूरी तरह से बेनकाब और पराजित हो चुकी हैं। अब उनके मुख्यमंत्री पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस ने राजनीतिक बदले की बात कही भाजपा का ममता पर जांच रोकने का आरोप

कोलकाता। टीएमसी और भाजपा ने राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के परिसर पर ईडी की छापेमारी को लेकर गुरुवार को एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी ने चुनाव से पहले राजनीतिक तलाशी का आरोप लगाया, जबकि भाजपा ने मुख्यमंत्री बनर्जी पर केंद्रीय एजेंसियों के कामकाज में बार-बार बाधा डालने का आरोप लगाया। तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि ईडी की कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित थी और बंगाल में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर की गई थी। घोष ने सवाल उठाया कि चुनाव से ठीक पहले ईडी क्यों जाग उठी। यह मामला 2020 में दर्ज हुआ था। पांच-छह साल बीत चुके हैं। इतने सालों तक वे क्या कर रहे थे। भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बनर्जी पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में बाधा डालने के अस्वीकार्य और अक्षम्य प्रयास करने का आरोप लगाया। शेखावत ने आरोप लगाया कि ईडी की छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री स्वयं कोलकाता स्थित आई-पैक कार्यालय पहुंचीं और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उनसे पहले ही पहुंच चुके थे। भाजपा नेता ने दावा किया कि यह जांच के दौरान जानबूझकर बाधा डालने का मामला था।

ईडी छापों पर घमासान

और साक्ष्य, दस्तावेज पेश करने दिल्ली हाईकोर्ट पहुंची पीड़िता

नई दिल्ली, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के उन्नाव दुष्कर्म मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ कुलदीप सेंगर की ओर से दायर अपील में और तथ्य रिकॉर्ड पर लाने के लिए पीड़िता ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। भाजपा से निष्कासित सेंगर की अपील के सिलसिले में दायर अर्जी में पीड़िता ने कहा कि वह अदालत के समक्ष ऐसे तथ्य और दस्तावेज पेश करना चाहती है जो हालिया घटनाक्रमों के साथ उसे और परिवार के खतरे को दर्शाते हैं।

अर्जी में यह भी अनुरोध किया गया है कि उन्नाव स्थित उसके स्कूल के दो अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाएं, ताकि उसकी (पीड़िता की) जन्मतिथि सत्यापित हो सके। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सेंगर ने जांच को प्रभावित किया और मुकदमे में उसकी उम्र से संबंधित फर्जी और झूठे दस्तावेजों का इस्तेमाल किया, जिन्हें अपील में भी आधार बनाया गया है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने पाया कि अपील सुनवाई के अंतिम चरण में है और पीड़िता की अर्जी पर विचार के लिए 25 फरवरी की तारीख तय की। पीठ ने पीड़िता के वकील को 31 जनवरी तक अर्जी के साथ संबंधित दस्तावेज दाखिल करने को कहा और सेंगर तथा सीबीआई को याचिका पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

उन्नाव दुष्कर्म

तमिलनाडु में जल्लीकट्टू शुरू, 32 लोग घायल

मदुरै (तमिलनाडु)। मदुरै के अवनियापुरम में सांडों को काबू करने की प्रतियोगिता जल्लीकट्टू के दौरान गुरुवार को 32 लोग घायल हो गए। पोंगल 2026 फसल कटाई उत्सव सत्र में होने वाली सांड काबू करने की तीन प्रमुख पारंपरिक प्रतियोगिताओं में से पहली प्रतियोगिता यहां अवनियापुरम में गुरुवार को शुरू हुई, जिसमें सांड काबू करने वाले 550 लोग अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। मदुरै में आयोजित तीन दिवसीय जल्लीकट्टू उत्सव में भाग लेने के लिए 1,100 सांडों और सांड काबू करने वालों का ऑनलाइन पंजीकरण हुआ है। पांचवें दौर के अंत तक कुल 464 सांड छोड़े गए, जिनमें 275 सांड काबू में नहीं आए और 189 सांड पर काबू पा लिया गया। इस दौरान घायल हुए 32 लोगों में एक दर्शक, सांड काबू करने वाले 17 लोग और 14 सांड मालिक हैं। इनमें से पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। नीदरलैंड और जापान सहित कुछ अन्य देशों के लोग भी यह प्रतियोगिता देखने पहुंचे।

सिख परंपराओं पर टिप्पणी के लिए अकाल तख्त के समक्ष पेश हुए मुख्यमंत्री मान

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सिख परंपराओं और सिद्धांतों के बारे में कथित टिप्पणियों को लेकर तलब किए जाने के बाद गुरुवार को तख्त सचिवालय के समक्ष पेश हुए। उन्होंने गुरुवार को अकाल तख्त सचिवालय में पेश होने से पहले स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। मान ने बताया कि उन्होंने स्पष्टीकरण अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज्ज को सौंप दिया है। जवाब की विस्तृत जांच की जाएगी, जिसके बाद निर्देश दिए जाएंगे। मान ने कहा कि वह एक धर्मनिष्ठ सिख के रूप में स्पष्टीकरण देने को अकाल तख्त सचिवालय के समक्ष उपस्थित हुए और वह किसी भी निर्देश का पालन करेंगे। जत्थेदार गरगज्ज ने 5 जनवरी को गुरु की गोलक (गुरुद्वारे की दानपेटी) पर टिप्पणी और सिख गुरुओं व आतंकी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरों के संबंध में लिप्त पाए जाने के आरोप में तलब किया था।

वर्ल्ड ब्रीफ

थाईलैंड में अब हाईवे पर गिरी क्रेन, दो की मौत, पांच घायल

बैंकॉक। मध्य थाइलैंड के एक व्यस्त राजमार्ग पर एक निर्माण क्रेन के हिस्से गिरने से दो लोगों की मौत हो गई और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया गया कि बैंकॉक से 17 मील दूर समुत सखोन प्रांत में किंग रामा द्वितीय राजमार्ग पर एक एलिवेटेड टोल रोड परियोजना पर काम कर रही एक निर्माण क्रेन के कुछ हिस्से सड़क पर गिर गए, जिससे वहां से गुजर रही दो कारें टकरा गईं। राजा राम द्वितीय राजमार्ग पर निर्माण सामग्री के सड़क पर गिरने की घटनाएं पहले भी हुई हैं, जिससे लोग हताहत हुए हैं। इससे पहले 14 जनवरी को थाई प्रांत नाखोन रत्नासिमा में पटरियों पर गिरी एक निर्माण क्रेन से यात्री ट्रेन टकराने से 32 लोगों की मौत हो गई थी और 64 घायल हो गए थे। तीन लोग लापता हैं।

न्यू जर्सी: अपने दो बेटों की हत्या की आरोपी भारतीय महिला गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। न्यू जर्सी में भारतीय मूल की 35 वर्षीय महिला को अपने दो नाबालिग बेटों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सोमरसेट काउंटी के अभियोजक जॉन मैकडोनाल्ड ने बताया कि 13 जनवरी को शाम लगभग 6.45 बजे एक व्यक्ति ने आपातकालीन नंबर 911 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इस व्यक्ति को बच्चों का पिता माना जा रहा है। उसने बताया कि काम से घर लौटने पर उसने अपने पांच और सात वर्षीय दो बेटों को बेहोश पाया। उसने कहा, मेरी पत्नी ने उनके साथ कुछ किया है। मौके पर पहुंचने पर पुलिस अधिकारियों ने घर के एक कमरे में दोनों बच्चे मृत अवस्था में मिले। नटराजन को हत्या और गैरकानूनी उद्देश्य के लिए हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अमेरिका ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त किया

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में एक और तेल टैंकर को जब्त कर लिया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इस टैंकर का संबंध वेनेजुएला से है। माना जा रहा है कि यह लातिन अमेरिकी देश के तेल भंडार पर नियंत्रण हासिल करने के लिए अमेरिका द्वारा की जा रही कोशिशों का हिस्सा है। अमेरिका की गृह मंत्री क्रिस्टी नोएम ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया, मोटर टैंकर वेरोनिका पहले वेनेजुएला के जलक्षेत्र से गुजर चुका था, और वह कैरेबियन में प्रतिबंधित जहाजों के लिए राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा निर्धारित क्षेत्र का उल्लंघन कर रहा था।

पर्यटन और अस्थाई वीजा पर रोक नहीं लगाएगा अमेरिका

- उच्चजोखिम वाले 75 देशों पर सिर्फ प्रवासी वीजा पर रहेगी पाबंदी

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से बांग्लादेश और पाकिस्तान समेत उच्च-जोखिम वाले 75 देशों के लोगों के लिए प्रवासी वीजा पर लगाई गई ताजा रोक पर्यटक या वर्क वीजा पर लागू नहीं होगी और इसका असर उन लोगों पर पड़ेगा जो अमेरिका में स्थाई रूप से रहना चाहते हैं।

अमेरिका ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ईरान, इराक और रूस सहित 75 देशों के नागरिकों के लिए प्रवासी वीजा जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की बुधवार को घोषणा की थी। उसने कहा कि इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिकी लोगों की कल्याणकारी योजनाओं का अस्वीकार्य दरों पर लाभ लेते हैं। प्रवासियों पर ट्रंप प्रशासन की सख्ती के तहत उठाया गया यह ताजा कदम उन विदेशियों के प्रवेश पर अंकुश लगाने के लिए है जिनके अमेरिका में रहते हुए सार्वजनिक लाभों पर निर्भर रहने की आशंका है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रवासियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना चाहिए और अमेरिकियों पर बोझ नहीं बनना चाहिए। विदेश मंत्रालय सभी नीतियों, विनियमों की पूर्ण समीक्षा कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उच्च-जोखिम वाले इन देशों से आने वाले प्रवासी अमेरिका में कल्याणकारी योजनाओं का उपयोग न करें।

ट्रंप की मनमानी से बदले हालात

डेनमार्क के स्वामित्व वाले ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कब्जा करने की घोषणा ने नाटो के भीतर गंभीर तनाव पैदा कर दिया है। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन यानी नाटो एक सैन्य गठबंधन है जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी। इसमें 32 सदस्य देश शामिल हैं जो एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। नाटो में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी जैसे शक्तिशाली देश शामिल हैं। अमेरिका इसका सबसे बड़ा वित्तीय और सैन्य योगदानकर्ता है। इस संगठन का मुख्य सिद्धांत सामूहिक रक्षा है। यानी यदि किसी एक सदस्य देश पर हमला होता है तो उसे पूरे समूह पर हमला माना जाता है और सभी सदस्य देश मिलकर उसका मुकाबला करते हैं। अब नाटो देशों की एकता खतरे में पड़ गई है। ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए अत्यावश्यक बताया है।

नाटो सदस्य देशों में दरार

ट्रंप की घोषणा पर प्रतिक्रिया

- नाटो सदस्य डेनमार्क ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका जबरन ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की कोशिश करता है तो यह नाटो का अंत हो सकता है।
- जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और नॉर्वे जैसे नाटो सदस्यों ने डेनमार्क के समर्थन में ग्रीनलैंड में अपने सैनिक और सैन्य अभ्यास भेजने का फैसला किया है।
- नाटो के इतिहास में यह पहली बार होने जा रहा है जब उसके सदस्य देशों ने ही एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होने की तैयारी शुरू कर दी है।
- ट्रंप का तर्क है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण से नाटो और शक्तिशाली बनेगा, लेकिन इसे मित्र देश की संप्रभुता पर हमला माना जा रहा है।

नाटो देशों का आपसी सहयोग

- बजट और संसाधन साझा करना प्रमुख है, नाटो सदस्यों ने 2026 के लिए 2.42 बिलियन यूरो के साझा सैन्य बजट और 528.2 मिलियन यूरो के नागरिक बजट पर सहमति जताई है।
- आधुनिक खतरों से निपटने के लिए एक डेटा-केंद्रित संगठन बनने की रणनीति अपनाई है। 2026 में साइबर लचीलापन बढ़ाने और साझा डेटा इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साथ काम कर रहे हैं।
- सामूहिक रक्षा और अनुच्छेद 5 नाटो सदस्य देशों के बीच सहयोग का सबसे बड़ा आधार है, जिसके तहत किसी एक सदस्य पर हमला सभी सदस्यों पर हमला माना जाता है।
- नाटो देशों ने रूस से यूक्रेन की रक्षा के लिए अभूतपूर्व सहयोग दिखाया है। वर्ष 2026 के लिए यूक्रेन को 45 से 60 बिलियन डॉलर तक की सैन्य सहायता देने का संकल्प लिया है।

क्या हैं आशंकाएं

- यूरोपीय देश स्वतंत्र सैन्य शक्ति और रक्षा प्रणाली बनाने पर जोर देंगे। नाटो के बजाय यूरोपीय सेना का विचार जन्म ले रहा है।
- अमेरिका का यूरोप व अटलांटिक क्षेत्र पर नियंत्रण कम होगा, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में चीन-रूस अपनी भूमिका बढ़ा सकते हैं।
- नाटो कमजोर होने से देश द्विपक्षीय या छोटे क्षेत्रीय गुटों की ओर बढ़ सकते हैं। वैश्विक सुरक्षा ढांचा जटिल व अस्थिर हो जाएगा।
- कई यूरोपीय देश परमाणु हथियार विकसित करने पर विचार कर सकते हैं, जो वैश्विक अप्रसार प्रयासों के लिए बड़ा झटका होगा।

रूस-चीन के लिए अवसर

- नाटो की एकता कम होने से रूस को पूर्वी यूरोप में प्रभाव बढ़ाने का मौका मिलेगा, यूक्रेन और बाल्टिक देशों के लिए सुरक्षा जोखिम बढ़ जाएगा।
- चीन आर्थिक और कूटनीतिक रूप से यूरोपीय देशों को आकर्षित करने की कोशिश करेगा, ताकि अमेरिका को अलग-थलग किया जा सके।
- ट्रंप का दावा है कि अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड नहीं लिया तो रूस या चीन उस पर कब्जा कर लेंगे। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने इसे खारिज कर दिया है।

ट्रंप का रुख बदला, अब बोले- ईरान में प्रदर्शनकारियों की हत्याएं रुकीं

एक दिन पहले ही प्रदर्शनकारियों को दिलाया था मदद भेजने का भरोसा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख में बुधवार को तब अचानक बदलाव नजर आया जब उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वसनीय सूत्रों ने बताया है कि ईरान में फांसी की सजा की योजना को रोक दिया गया है। इसके उलट तेहरान ने प्रदर्शनकारियों पर अपनी कार्रवाई में त्वरित सुनवाई और फांसी देने के संकेत दिए हैं। ज्यादा जानकारी दिए बगैर अमेरिकी राष्ट्रपति का यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब एक दिन पहले ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया था कि मदद आ रही है और उनका प्रशासन इस्लामिक गणराज्य की घातक कार्रवाई के जवाब में उचित कार्रवाई करेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 24 घंटे के भीतर कई ऐसे बयान दिए हैं जिनसे यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि ईरान के खिलाफ अमेरिका यदि कोई कार्रवाई करेगा तो वह क्या होगी। बुधवार को उनकी टिप्पणियों से संकेत मिला कि वे कार्रवाई को टाल देंगे। 'व्हाइट हाउस' में शासकीय आदेशों और कानूनों पर हस्ताक्षर करते हुए ट्रंप ने कहा, हमें बताया गया है कि ईरान में हत्याएं रुक रही हैं। वे अब ऐसा कुछ नहीं करने जा रहे हैं। फांसी की कोई योजना नहीं है, न ही किसी को फांसी दी जाएगी। मुझे यह विश्वसनीय सूत्रों से पता चला है। ट्रंप ने यह नहीं बताया कि उन्हें यह जानकारी कहां से मिली, लेकिन उन्होंने इसे दूसरी तरफ के बहुत महत्वपूर्ण सूत्रों से मिली जानकारी बताया।

बुधवार को ईरान की राजधानी तेहरान में सड़कों पर मौजूद प्रदर्शनकारी।

सप्ताह भर तक कार्रवाई ईरान में धीमे हुए प्रदर्शन

दुबई। ईरान की इस्लामिक सत्ता को चुनौती देने वाले देशव्यापी विरोध प्रदर्शन बृहस्पतिवार को धीरे-धीरे शांत होते नजर आए। एक सप्ताह पहले ही अधिकारियों ने देश को दुनिया से अलग-थलग कर दमनकारी कार्रवाई को तेज किया था। इस कार्रवाई में लगभग 2,615 लोग मारे गए। ईरान की राजधानी तेहरान में प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पिछले एक-दो दिन से सुबह के समय रात के दौरान जलाई गई आग के कोई निशान या सड़कों पर किसी प्रकार का कोई मलबा नहीं दिखा। कई रातों से जारी गोलीबारी की तेज आवाज अब मंद पड़ गई है। इस बीच, ईरान के सरकारी मीडिया ने एक के बाद एक की जा रही गिरफ्तारियों की घोषणा की।

सवालों के दिए गोलमोल जवाब, कहा- नजर रखेंगे और देखेंगे

ट्रंप ने कहा कि यह जानकारी सच है या नहीं, इसकी पड़ताल वह बाद में करेंगे। यह भी खुलासा नहीं किया कि इसकी पड़ताल वह कैसे करेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह सच है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह ईरानी सरकार के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे तो उन्होंने कहा, कौन जानता है। ट्रंप ने कहा, हम इस पर नजर रखेंगे और देखेंगे कि प्रक्रिया क्या है। मंगलवार को राष्ट्रपति ने पत्रकारों से कहा था कि उन्होंने अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से अगले कदमों के बारे में परामर्श किया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और 'व्हाइट हाउस' की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख अधिकारियों ने ट्रंप के लिए राजनयिक दृष्टिकोण से लेकर सैन्य हमलों तक के विकल्पों पर विचार-विमर्श को लेकर पिछले शुक्रवार को बैठक शुरू की थी।

रूस ने जासूसी कर रहे ब्रिटिश राजनयिक को निष्कासित किया

- ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से संबंध स्थापित होने के बाद उठाया कदम

मॉस्को। रूस ने जासूसी के आरोपों की वजह से मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में कार्यरत एक राजनयिक को बृहस्पतिवार को निष्कासित कर दिया। रूस की ओर से यह कदम रूसी खुफिया एजेंसी एफएसबी की ओर से दूतावास में कार्यरत इस अधिकारी का संबंध ब्रिटिश खुफिया एजेंसी से स्थापित करने के बाद उठाया गया।

संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने कहा कि मॉस्को स्थित ब्रिटिश दूतावास में सचिव के पद पर कार्यरत गैरेथ सैमुअल डेविस ब्रिटेन की गुप्त सेवाओं के लिए काम कर रहे हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने ब्रिटिश दूतावास की प्रभारी डेने ढोलकिया को औपचारिक विरोध दर्ज कराने और संदिग्ध जासूस को दो सप्ताह के भीतर देश छोड़ने के आदेश से अवगत कराने के लिए तलब किया था।

रूस के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मॉस्को रूसी धरती पर ब्रिटिश विशेष सेवाओं के अघोषित एजेंटों की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करेगा। कहा गया है कि रूसी सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाती है।

ग्रोक पर रोक, अब नहीं बनाएगा अश्लील तस्वीरें

नई दिल्ली,एजेंसी

- एक्स ने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए, सभी यूजर्स आएंगे दायरे में

अश्लील डीपफेक तस्वीरों को लेकर भारी विरोध के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने अपने एआई चैटबॉट ग्रोक को अवैध रूप से आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें बनाने से रोकने के लिए प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं। 'एक्स' ने कहा है कि यह प्रतिबंध पेड सब्सक्राइबर (सशुल्क ग्राहक) समेत सभी यूजर्स पर लागू होता है। इसके अलावा 'एक्स' पर ग्रोक खाते के जरिए तस्वीर बनाने और उन्हें एडिट करने की सुविधा अब सिर्फ पेड सब्सक्राइबर्स के लिए ही उपलब्ध होगी।

कंपनी का कहना है कि इससे सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा और यह सुनिश्चित होगा कि जो लोग ग्रोक खाते का दुरुपयोग करके कानून या उसकी नीतियों का उल्लंघन करते हैं, उनकी जवाबदेही तय हो। 'एक्स' ने कहा कि अब हम उन सभी क्षेत्रों में ग्रोक खाते और ग्रोक इन एक्स में बिकनी, अंतःवस्त्र और ऐसे और परिधानों में लोगों की तस्वीरें बनाने की क्षमता को भौगोलिक रूप से अवरुद्ध कर रहे हैं, जहां यह अवैध है। ग्रोक खाते को बिकनी जैसे आपत्तिजनक कपड़ों में वास्तविक लोगों की तस्वीरों को संपादित करने से रोकने के लिए उसने प्रौद्योगिकी उपाय लागू किए हैं।

सभी के लिए सुरक्षित मंच बनाने का वादा

'एक्स' ने स्पष्ट किया कि इससे उसके मौजूदा सुरक्षा नियमों में कोई बदलाव नहीं आएगा जिसके तहत 'एक्स' पर पोस्ट किए गए सभी 'एआई प्रॉम्प्ट' और 'जेनरेटेड कंटेंट' को उसके निर्धारित नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। कंटेंट चाहे जिस तरह तैयार किया जाए, यूजर सशुल्क ग्राहक हो या मुफ्त सेवा लेने वाला, हमारा सुरक्षा दल अवैध सामग्री को हटाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने, जरूरत पड़ने पर खातों को स्थाई रूप से निलंबित करने और स्थानीय सरकारों तथा कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। वह सभी के लिए सुरक्षित मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाल यौन शोषण, बिना सहमति के नग्नता एवं अवांछित यौन सामग्री को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अंतरिक्ष यात्री के बीमार पड़ने से अधूरा खत्म हुआ मिशन

केप केनवरल, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से एक बीमार अंतरिक्ष यात्री बृहस्पतिवार को तीन और साथियों के साथ पृथ्वी पर लौट आया। अंतरिक्ष स्टेशन का इन लोगों का मिशन एक महीने से अधिक समय पहले ही खत्म हो गया। स्वास्थ्य कारणों को लेकर अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशन से वापस धरती पर लाने का नासा का यह पहला अभियान था।

इन अंतरिक्ष यात्रियों के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से बाहर निकलने के 11 घंटे बाद स्पेसएक्स ने कैप्सूल को सैन डिएगो के पास प्रशांत महासागर में आधी रात को सफलतापूर्वक उतारा। अगस्त में शुरू हुए इस मिशन का यह अप्रत्याशित अंत था, जिसके बाद आईएसएस में केवल एक अमेरिकी और दो रूसी ही शेष रह गए हैं। नासा और स्पेसएक्स ने कहा कि वे चार सदस्यीय नए दल को अंतरिक्ष में भेजने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। नासा की जेना कार्डमैन और माइक फिंके के साथ जापान के किमिया युई और रूस के ओलेग प्लाटोनोव भी वापस आए। अधिकारियों ने गोपनीयता का हवाला देते हुए बीमार अंतरिक्ष यात्री की पहचान या घटना के बारे में विस्तार से बताने से इन्कार कर दिया। कक्षा में अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर थी लेकिन नासा उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए पृथ्वी पर वापस लाना चाहता था।

- अपनी तरह के पहले मामले में नासा की टीम ने पृथ्वी पर की आपात वापसी

डेनमार्क के विदेशमंत्री ने कहा- ग्रीनलैंड के मुद्दे पर हम अमेरिका से असहमत

वाशिंगटन। डेनमार्क के विदेश मंत्री ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ बातचीत के बाद भी ग्रीनलैंड को लेकर बुनियादी असहमति बनी हुई है। हालांकि दोनों पक्ष मतभेदों को दूर करने के तरीकों पर चर्चाकरने के लिए एक कार्यसमूह बनाने पर सहमत हो गए हैं।

ट्रंप लगातार डेनमार्क के आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को कब्जे में लेने की बात कह रहे हैं। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने वेंस और रुबियो के साथ चर्चा के बाद कहा, ग्रीनलैंड के आसपास की मौजूदा स्थिति पर हमारा दृष्टिकोण अमेरिका के सार्वजनिक बयानों से भिन्न है, लेकिन दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य में हम चिंताओं को साझा करते हैं। मौलिक मतभेदों के बावजूद डेनमार्क और ग्रीनलैंड अमेरिका से संवाद जारी रखेंगे। रासमुसेन ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक उच्च स्तरीय कार्य समूह बनाने का फैसला किया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या हम आगे बढ़ने का एक साझा रास्ता खोज सकते हैं।

वेनेजुएला पर और हमले से ट्रंप को रोकने को लाया गया विधेयक गिरा

वाशिंगटन, एजेंसी

- पक्ष-विपक्ष में पड़े 50-50 मत, वेंस को डालना पड़ा निर्णायक वोट

वेनेजुएला पर और हमले करने की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की क्षमता को सीमित करने वाले युद्ध अपराध से संबंधित एक प्रस्ताव को रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने बुधवार को सीनेट में खारिज करने के पक्ष में मतदान किया, जबकि पार्टी के दो सांसदों ने इस विधेयक के समर्थन से अपना रुख पलट लिया।

ट्रंप ने उन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों पर भारी दबाव डाला था जिन्होंने पिछले सप्ताह डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों के साथ मिलकर प्रस्ताव को आगे बढ़ाया और अंततः वह विधेयक को पारित होने से रोकने में सफल रहे। इन पांच रिपब्लिकन सीनेटरों में से दो मिसौरी के सीनेटर जोश हॉली और इंडियाना के सीनेटर टॉड यंग ने दबाव में आकर अपना पक्ष बदल लिया। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को सीनेट में विधेयक को खारिज करने के रिपब्लिकन प्रस्ताव पर 50 के मुकाबले 50 के वोट पर निर्णायक वोट करना पड़ा।

इस हाईप्रोफाइल चुनाव के परिणाम ने यह प्रदर्शित किया कि ट्रंप अब भी रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर हिस्से पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं, लेकिन बेहद कम अंतर से हुए मतदान ने राष्ट्रपति की आक्रामक विदेश नीति की महत्वाकांक्षाओं को लेकर कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद परिसर) में बढ़ती चिंता को भी उजागर किया। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को अचानक रात में गिरफ्तार किए जाने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्यों ने इस बहस को आगे बढ़ाया।

ट्रंप ने मंगलवार को मिशिगन में अपने संबोधन में कहा, हमारे सामने यह अब तक के सबसे सफल हमलों में से एक है और वे इसके खिलाफ जाने का रास्ता ढूंढ लेते हैं। यह वाकई चौंकाने वाला है। यह शर्मनाक है। उन्होंने इस विधेयक को आगे बढ़ाने वाले कई रिपब्लिकन सांसदों को भी निशाना बनाया।

यूक्रेन में ऊर्जा क्षेत्र में आपातकाल लागू

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोडिमिर जेलेंस्की ने रूसी हमलों और खराब मौसम की वजह से देश के ऊर्जा क्षेत्र सेक्टर में आपातकाल लागू करने की घोषणा की है।

जेलेंस्की ने बुधवार को टेलीग्राम पर कहा कि इस कदम का मकसद बैकअप पावर इक्विपमेंट को बिजली नेटवर्क से जोड़ने से जुड़ी औपचारिक प्रक्रियाओं को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बिजली आयात बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके अलावा सरकार बहुत ज्यादा ठंड में निषेधाज्ञा नियमों की समीक्षा करेगी और शिक्षा प्रक्रिया के तरीकों पर विचार करेगी। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव, ओडेसा और मध्य यूक्रेन के निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में ऊर्जा की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 20.21 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

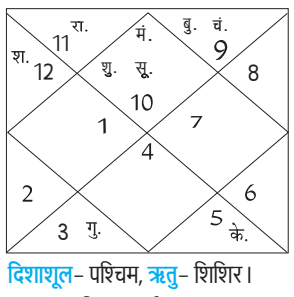

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मूल पूर्ण रात्रि तक।

मेष आज विदेश में रहने वाले परिजनों की चिंता हो सकती है। शारीरिक कमजोरी महसूस हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। प्रेम संबंधों में परस्पर विश्वास में कमी होने की आशंका है, लेकिन साथ में समय बिताने से मन हल्का होगा।

वृष आज उच्च शिक्षा में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। अटका हुआ धन वापस मिलने में कठिनाई होगी। मेहनत का उत्तम परिणाम नहीं मिलेगा। स्वयं की गलतियों पर पर्दा न डालें। आपका मन किसी कारण अप्रसन्न हो सकता है।

मिथुन आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सकती है। जॉब में आपका प्रभाव बढ़ेगा। बुद्धिमान लोगों का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। पारिवारिक संबंधों की कटुता दूर होगी। पार्टनरशिप में किए गए व्यवसाय से आपको लाभ होगा।

कर्क आज मांगलिक कार्यक्रमों की योजना बना सकते हैं। परिवार के लोगों का विरोध करने से बचें। नए रोजगार की प्राप्ति हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूर्ण करने का दबाव रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे परिणाम मिलेंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह आज अपने निर्णयों को बार-बार न बदलें। संतान की गतिविधियों पर नजर बनाए रखें। मन में नए काम को लेकर थोड़ी शंका रहेगी। आपको अपने स्वाभिमान की चिंता हो सकती है। घरेलू कार्यों में फंसे रहेंगे। शुभ कार्यों में धन खर्च होगा।

कन्या आज योजनाबद्ध तरीके से काम करना लाभकारी होगा। दिखावे पर अधिक खर्च करना उचित नहीं है। कानूनी विवादों को लेकर सावधानी रखें। परिवार में किसी बात को लेकर कलह हो सकती है। अपने चरित्र को अच्छा रखें।

तुला आज छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है। मनोरंजन के साधनों पर धन खर्च करेंगे। नई जॉब मिलने के योग बन रहे हैं। रूढ़िवादी विचारों से बचें। नए व्यंजनों का सेवन कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा।

वृश्चिक आज धन के मामले में भाग्यशाली रहेंगे। बच्चों की सेहत की चिंता हो सकती है। जिम्मेदारियों के बीच स्वयं के लिए समय अवश्य निकालें। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। बोलचाल के दौरान सभ्य भाषाशैली का प्रयोग करें।

धनु आज अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। व्यवसाय में बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने में लगे रहेंगे। विद्वान लोगों के साथ आपके संपर्क मजबूत होंगे। परिवार को लेकर आप कुछ योजना बना सकते हैं। घर में मेहमानों का आना-जाना लगा रहेगा।

मकर आज व्यवसाय में प्रलोभनों से बचें। भूतकाल की बातों को लेकर थोड़ा चिंतित रहेंगे। अपने विचारों को सकारात्मक बनाए रखें। बुरी संगत के कारण आपको नुकसान हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अपने संबंध अच्छे रखें।

कुंभ आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। सुख के साधनों पर आप धन खर्च करेंगे। युवा प्रेम संबंधों को लेकर अत्यंत भावुक हो सकते हैं। कारोबार में वृद्धि होने की संभावना है। परिजनों के प्रति थोड़ा चिंतित रहेंगे।

मीन आज सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। आपके मस्तिष्क में नए रचनात्मक विचार उत्पन्न होंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा। विदेश से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। परिवार में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होगी।

सुडोकू-33

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2		7	5			4
			1			8		
9			3	8		5		6
		6		2			3	
	4		8		1		7	
	5			9		1		
6		1		5	8			9
		7			4			
4			7	3		2		

सुडोकू - 32 का हल

8	7	4	9	5	1	6	3	2
6	5	2	4	3	8	9	1	7
3	9	1	6	7	2	8	4	5
5	1	7	8	4	9	2	6	3
9	8	3	5	2	6	4	7	1
4	2	6	3	1	7	5	8	9
7	4	8	1	9	5	3	2	6
2	6	5	7	8	3	1	9	4
1	3	9	2	6	4	7	5	8

मेरी कप्तानी के अंदाज में एक चीज जो मैं कभी नहीं बदलना चाहती, वह है मैदान पर आक्रामकता। क्योंकि मुझे लगता है कि यह मेरे अंदर से सबसे अच्छा निकलता है। मैदान के बाहर मुझे गुस्सा नहीं आता।
–हरमनप्रीत कौर, मुंबई इंडियंस की कप्तान

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

कर्नाटक को हराकर विदर्भ विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में

बेंगलुरु। दर्शन नालकंडे (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद अमन मोखाड़े (138) की शतकीय तथा रविकुमार समर्थ (नाबाद 76) रनों अर्धशतकीय पारी की बदौलत विदर्भ ने गुरुवार को कर्नाटक को 22 गेंदें शेष रहत छह विकेट से हराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना ली है। 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी विदर्भ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में अर्थव तायडे (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद अमन मोखाड़े और ध्रुव शौरी की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। 24वें ओवर में अभिलाष शेट्टी ने ध्रुव शौरी (47) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रविकुमार समर्थ के साथ अमन मोखाड़े ने तीसरे विकेट के लिए 147 रन जोड़े। इस दौरान मोखाड़े ने अपना शतक भी पूरा किया। 42वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप अमन मोखाड़े को विद्याधर ने आउट किया।

स्टार्क और वोल्वार्ट प्लेयर ऑफ द मंथ बने

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज़ मिशेल स्टार्क और दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ़ द मंथ का अवॉर्ड जीता है, शानदार प्रदर्शन की एक सीरीज़ के बाद जिसमें उन्होंने कड़ी टक्कर को पीछे छोड़ा। स्टार्क, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की 4-1 से एशेज जीत में प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया था, ने दिसंबर में 21.25 की औसत से 16 विकेट लिए, साथ ही महीने के दौरान तीन टेस्ट में 139 रन भी बनाए। सबसे शानदार प्रदर्शन ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ़ द मैच का था, जहां उन्होंने आठ विकेट लिए और महत्वपूर्ण 77 रन बनाए।

एमेलिया वाल्वरडे महिला टीम से जुड़ेंगी

कोलकाता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों के अनुसार कोस्टा रिका की पूर्व विश्व कप कोच एमेलिया वाल्वरडे आगामी एएफसी महिला एशियाई कप के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम में मेंटोर के तौर पर जुड़ने वाली हैं। एआईएफएफ 39 वर्षीय वाल्वरडे के साथ अनुबंध को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। वह 2015 और 2023 फीफा महिला विश्व कप में कोस्टा रिका की मुख्य कोच थीं।

न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया, इस पर हैरानी हुई : गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें इस बात पर काफी हैरानी हुई कि राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में न्यूजीलैंड ने भारत को इतनी आसानी से कैसे हरा दिया। इसके साथ ही रविवार को तीसरे और आखिरी मैच में मेजबान टीम को अपने संयोजन के साथ प्रयोग करने की आजादी नहीं होगी। डेरिल मिचेल की नाबाद 131 रन की पारी से न्यूजीलैंड ने राजकोट में दूसरे एकदिवसीय में 285 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात विकेट की जीत के साथ शृंखला 1-1 से बराबर कर दी। शृंखला का निर्णायक मैच इंदौर में खेला जाएगा।

गावस्कर ने कहा मुझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत गया क्योंकि उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिच की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा। उन्होंने कहा सिर्फ स्पिनरों ने ही नहीं बल्कि उनके (न्यूजीलैंड के) सभी गेंदबाजों ने पिच की धीमी गति का अच्छी तरह से इस्तेमाल किया। ऐसा लगा कि भारत न्यूजीलैंड को लगभग 260 या 270 रन पर रोक पाएगा। मुझे लगा था कि यह भारत के लिए एक आसान जीत होगी। गावस्कर ने मिचेल की भी सराहना की जिन्होंने विल यंग (87) के साथ 162 रन की साझेदारी करके मेहमान टीम की जीत सुनिश्चित की। गावस्कर ने कहा कि शृंखला के निर्णायक मैच में भारत पर दबाव होगा और टीम के पास यशस्वी जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को आजमाने की गुंजाइश नहीं है जिन्हें राजकोट में श्रृंखला जीतने की स्थिति में इंदौर में मौका दिया जा सकता था।

उन्होंने कहा अगर वे (भारत) यह मैच जीत जाते तो उन्हें थोड़ा प्रयोग करने की आजादी होती। शायद उन खिलाड़ियों को मौका देते जो अब तक नहीं खेले हैं। जायसवाल जैसे किसी खिलाड़ी को भी थोड़ा मौका मिल सकता था। गावस्कर ने कहा यह सब संभव हो सकता था लेकिन अब वे कोई जोखिम नहीं ले सकते। उन्हें अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश के साथ खेलना होगा। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी साइमन डूल ने मिचेल की पारी और उन्होंने जिस तरह से कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा की भारतीय स्पिन जोड़ी का सामना किया उसकी तारीफ की। कुलदीप ने अपने 10 ओवर में 82 रन दिए और सिर्फ एक विकेट ले पाए तो वहीं जडेजा ने आठ ओवर में बिना कोई विकेट लिए 44 रन दिए। डूल ने कहा मिचेल के भारत के खिलाफ बहुत अच्छे आंकड़े हैं... हम इसे बार-बार देखते हैं, रिवर्स स्वीप, अपने पैरों का इस्तेमाल करना। कुलदीप के खिलाफ बहुत जल्द वह आगे बढ़कर खेले और पहले ही ओवर में उन पर दबाव डाला। उस पल से कुलदीप ने अपनी लय खो दी जो अक्सर नहीं होता है।

धूल भरी पिचों पर तैयारी करने से मुझे रणनीति बनाने में मदद मिली : मिचेल

राजकोट। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने कहा कि लिंकन में न्यूजीलैंड क्रिकेट की खास तौर पर तैयार की गई धूल भरी पिच में तैयारी करने से उन्हें उपमहाद्वीप की स्पिन की अनुकूल पिचों पर खेलने में महारत हासिल करने में मदद मिली। एकदिवसीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में बल्लेबाज विराट कोहली से सिर्फ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे मिचेल ने भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर शानदार बल्लेबाजी करते हुए पिछले चार मैच में 130, 134, 84 और नाबाद 131 रन बनाए हैं। चौंतीस साल के मिचेल ने बुधवार को यहां 117 गेंद में नाबाद 131 रन बनाकर न्यूजीलैंड की सात विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई जिससे टीम ने तीन मैच की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

अंडर-19 विश्व कप में हेनिल पटेल ने भारत को दिलाई विजयी शुरुआत

बारिश से प्रभावित मैच में अमेरिका को छह विकेट से हराया

हेनिल पटेल।

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी

- **धुरंधर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी महज दो रन बनाकर हुए आउट**

हेनिल पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए जिससे भारत ने बृहस्पतिवार को यहां बारिश से प्रभावित आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के अपने पहले मैच में अमेरिका को डकवर्थ लुईस पद्धति से छह विकेट से हरा दिया। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हेनिल ने सात ओवर में एक मेडन के साथ 16 रन देकर पांच विकेट झटके। भारत ने बादलों भरे मौसम में पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और फिर हेनिल की शानदार गेंदबाजी से मध्यक्रम को तहस-नहस करते हुए अमेरिका को 35.2 ओवर में महज 107 रन पर ढेर कर दिया।

बारिश की बाधा के बाद लक्ष्य 37 ओवर में 96 रन कर दिया गया। जब बारिश आई तब भारतीय टीम ने चार ओवर में एक विकेट पर 21 रन बना लिए थे। इसके बाद अभिज्ञान कुंडू (41 गेंद में नाबाद 42 रन) ने 118 गेंद रहते टीम को डकवर्थ लुईस पद्धति से जीत दिलाई। बारिश के कारण खेल देर से शुरू हुआ। 14 साल के बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी (02) सस्ते में आउट हो गए। उन्हें तीसरे ओवर में ऋत्विक अप्पिडी (पांच ओवर में 24 रन देकर दो विकेट) ने बोल्ड कर दिया।

अप्पिडी की लेंथ गेंद पर सूर्यवंशी विकेट से आगे आए और गेंद बल्ले के अंदरूनी किनारे से लगकर स्टंप्स पर जा लगी। कप्तान आयुष म्हात्रे दो चौके लगाकर आत्मविश्वास से भरे दिख रहे थे लेकिन तभी बारिश ने एक और रुकावट डाल दी। इस समय भारत को 46 ओवर में सिर्फ 87 रन चाहिए थे। लेकिन लंबे समय तक खेल रुकने के बाद जब फिर शुरू हुआ तो डकवर्थ लुईस पद्धति के अनुसार समीकरण बदल गया। खेल शुरू होने पर भारत ने म्हात्रे (19) और वेदांत त्रिवेदी (02) के विकेट जल्दी जल्दी गंवा दिए। फिर उप-कप्तान विहान मल्होत्रा 18 रन पर आउट हो गए।

इससे पहले हेनिल ने अपने पहले ही ओवर में अमरिंदर गिल को स्लिप में विहान मल्होत्रा के हाथों कैच करवाकर पहला विकेट लिया जिसके बाद तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन ने साहिल गर्ग (16) को थर्ड मैन पर हेनिल के हाथों कैच करवाकर अमेरिका का स्कोर नौ ओवर में दो विकेट पर 29 रन कर दिया। इसके बाद हेनिल ने लगातार दो विकेट लेकर पारी पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने कप्तान उत्कर्ष श्रीवास्तव को खाता भी नहीं खोलने दिया जो पांच गेंद खेलकर पवेलियन लौट गए। हेनिल ने इसी ओवर में विकेटकीपर अर्जुन महेश (16) को भी आउट कर दिया जिससे अमेरिका का स्कोर चार विकेट पर 35 रन हो गया। अमेरिका इन झटकों से उबर नहीं पाया। लेग स्पिनर खिलन पटेल ने आते ही विकेट झटक लिया, उन्होंने अमोघ अरेपल्ली को आउट किया जिससे अमेरिका ने 16वें ओवर में 39 रन पर अपना पांचवां विकेट गंवाया।नीतीश सुदिनी हालांकि कुछ देर टिककर खेले, उन्होंने 52 गेंद में 36 रन बनाए जिसमें चार चौके शामिल थे। उन्होंने अदनीत झाम (18) के साथ छठे विकेट के लिए 30 रन जोड़े जिससे अमेरिका का स्कोर 50 रन के पार पहुंचा। हेनिल ने फिर पुछल्ले बल्लेबाजों को समेटा। उन्होंने सबरीश प्रसाद (07) और ऋषभ शिंपी (00) को आउट करके अपने पांच विकेट पूरे किए। अमेरिका की टीम 35.2 ओवर में ऑल आउट हो गई। भारत ग्रुप बी में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड है।

शॉट लगातीं यूपी की बल्लेबाज हरलीन देओल। एजेंसी

यूपी वॉरियर्ज ने सत्र में पहली जीत दर्ज की

महिला प्रीमियर लीग

- **मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया, हरलीन देओल ने खेली शानदार पारी**

नवी मुंबई, एजेंसी

यूपी वॉरियर्स ने हरलीन देओल (नाबाद 64 रन) के नाबाद अर्धशतक की मदद से बृहस्पतिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में गत चैंपियन मुंबई इंडियंस को 11 गेंद रहते सात विकेट से हराकर इस सत्र में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नटाली साइवर ब्रंट (65 रन, दो विकेट) ने अपने चिर परिचित अंदाज में खेलते हुए तेज अर्धशतक जड़ा जिसकी मदद से मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन बनाए। हरलीन बुधवार को अच्छी बल्लेबाजी के बावजूद रिटायर्ड आउट हो गई थीं, उन्होंने 39 गेंद की पारी में 12 चौके जड़े और क्लो ट्रायोन (नाबाद 27 रन) के साथ मिलकर टीम को 18.1 ओवर में तीन विकेट पर 162 रन तक पहुंचाया जिससे यूपी वॉरियर्स की टीम लगातार तीन हार के बाद चौथे मैच में पहली जीत दर्ज करने में कामयाब रही। वहीं मुंबई इंडियंस की चार मैच में यह दूसरी हार थी। हरलीन ने इच्छानुसार शॉट लगाए जिसमें शबनीम इस्माइल के एक ओवर में तीन चौके भी शामिल थे। इस भारतीय बल्लेबाज ने 15वें ओवर में ऑफ स्पिनर संस्कृति गुप्ता पर स्वीप शॉट से एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। हरलीन ने इसी ओवर में दो चौके और जड़े जिससे टीम को 24 गेंद में 29 रन की दरकार थी।

हरलीन ने ट्रायोन के साथ मिलकर बिना किसी परेशानी के जीत सुनिश्चित की। हालांकि यूपी वॉरियर्स के लिए शीर्ष क्रम में परेशानी जारी रही जिसमें कप्तान मेग लैनिंग (25 रन) और किरण नवगिरे (10 रन) तेज शुरूआत नहीं करा सकीं। इससे सात ओवर में यूपी वॉरियर्स का स्कोर दो विकेट पर 50 रन था। लेकिन लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था जिससे हरलीन ने टिककर खेलते हुए टीम को पहली जीत का स्वाद चखाया।

लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत व प्रणय बाहर

इंडिया ओपन

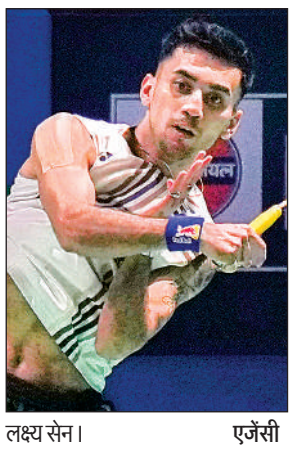

लक्ष्य सेन। एजेंसी

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व चैंपियन लक्ष्य सेन ने अपने मजबूत डिफेंस और तेज खेल की बदौलत जापान के केंटा निशिमोटो को हराया, जबकि किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय का शानदार प्रदर्शन योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन 2026 के दूसरे राउंड में काफी नहीं रहा।

यह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। सेन ने निशिमोटो को 21-19, 21-11 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि श्रीकांत फ्रांस के वर्ल्ड टूर फाइनल्स विजेता क्रिस्टो पोपोव से 21-14, 17-21, 21-17 से हार गए, और प्रणय सिंगापुर के आठवें वरीयता प्राप्त लोह कीन यू से 18-21, 21-19, 21-14 से हार गए। महिला सिंगल्स में भी भारत की चुनौती खत्म हो गई, जब चीनी पांचवीं वरीयता प्राप्त हान यू ने मालविका बंसोड़ को 21-18, 21-15 से हरा दिया। निशिमोटो के खिलाफ पहले गेम के शुरुआती चरणों में सेन के लिए भी राह मुश्किल थी, क्योंकि भारतीय खिलाड़ी अपनी लय और स्ट्रोक की लंबाई खोजने में संघर्ष कर रहा था। इंडियन ऑयल के कर्मचारी पहले गेम में जापानी खिलाड़ी से 11-16 और फिर 14-18 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को लंबी रैलियों में उलझाए रखा और रोकने के लिए कुछ शानदार डिफेंसिव स्ट्रोक लगाए।

चीन की ली यी जिंग और लुओ जू मिन के खिलाफ शॉट लगातीं भारत की गायत्री गोपीचंद (बाएं) और त्रीसा जॉली। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियन ओपन रविवार से शुरू हो रहा वर्ष का पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट, इतिहास में दर्ज हो सकता है दोनों का मुकाबला

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स भिड़ सकतीं दूसरे दौर में

मेलबर्न, एजेंसी

कोको गॉफ और वीनस विलियम्स रविवार से शुरु हो रहे टेनिस ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में आमने-सामने हो सकती हैं और यह मुकाबला फिर इतिहास में दर्ज हो सकता है।

पंद्रह साल की गॉफ ने जब ग्रैंड स्लैम में पदार्पण किया था तो उन्होंने विंबलडन में सात बार की मेजर विजेता वीनस को हरा दिया था। गॉफ ने 2019 में ऑल इंग्लैंड क्लब में उस जीत के बाद वीनस को अपने करियर के लिए बड़ी प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद दिया था और कहा था अगर वह नहीं होतीं तो मैं यहां नहीं होती। इसके बाद गॉफ ने 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहले दौर में जीत हासिल की। अब वह तीसरी वरीय हैं। वहीं 45 साल की वीनस को ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला और वह पांच साल बाद इसमें खेल रही हैं।

मेलबर्न पार्क में शुरू होने वाले ग्रैंडस्लैम का बृहस्पतिवार को ड्रॉ निकाला गया जिसमें गॉफ का मुकाबला 91वीं रैंकिंग की कामिला रखिमोवा से होगा जबकि 576 रैंकिंग की वीनस (1998 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पदार्पण करने वाली और दो बार फाइनल में पहुंचने वाली) का मुकाबला पहले दौर में 68 रैंकिंग की ओल्गा डैनिलोविच से होगा। वीनस ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला बनने वाली हैं और वह जापान की किमिको डेट का रिकॉर्ड तोड़ देंगी जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 साल की थीं। गॉफ को फिर से वीनस से भिड़ने के लिए पहले दौर में जीत हासिल करनी होगी। पिछले दो हफ्तों में वीनस न्यूजीलैंड और होबार्ट में हुए टूर्नामेंट में खेलीं लेकिन दोनों में ही पहले दौर में हार गईं।

गॉफ और वीनस ड्रॉ के उसी हाफ में हैं जिसमें शीर्ष रैंकिंग वाली एरीना सबालेंका हैं, जो पिछले साल के फाइनल में मैडिसन कीज से हारने से पहले लगातार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत चुकी थीं। सबालेंका ने पिछले हफ्ते ब्रिस्बेन में खिताब जीतकर अपने सत्र की शुरुआत की थी और तीसरे दौर में उनका सामना 2021 अमेरिकी ओपन विजेता एमा राडुकानु से हो सकता है।? गत चैंपियन कीज को छठे नंबर की खिलाड़ी जेसिका पेगुला और चौथे नंबर की खिलाड़ी अमांडा एनिसिमोवा के साथ उसी क्वार्टर में रखा गया है।

वहीं दूसरी रैंकिंग की इगा स्वियातेक मेलबर्न पार्क में अपना पहला खिताब जीतकर करियर ग्रैंडस्लैम हासिल करना चाहती हैं। वह चौथे दौर में चार बार की मेजर विजेता नाओमी ओसाका से भिड़ सकती हैं। वहीं यानिक सिनर और नोवाक जोकोविच भी ड्रॉ के एक ही हाफ में हैं जिससे गत चैंपियन और 24 बार के मेजर विजेता के बीच संभावित सेमीफाइनल देखने को मिल सकता है। जोकोविच ने 10 ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीते हैं, लेकिन 2023 के बाद से मेलबर्न पार्क में सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

स्लोएन स्टीफंस ने क्वालीफाई किया

मेलबर्न। स्लोएन स्टीफंस ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए क्वालीफाई कर लिया है जो एक साल पहले मेलबर्न पार्क में शीर्ष रैंक वाली एरिना सबालेंका से पहले दौर में हारने के बाद उनका पहला ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट है। अमेरिकी ओपन 2017 चैंपियन स्लोएन ने बाएं पैर की चोट से उबरने के बाद सत्र की पहली ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिता के क्वालीफाइंग दौर में 1,097वीं रैंकिंग के साथ प्रवेश किया था। उन्होंने मेलबर्न पार्क में क्वालीफाइंग में लगातार तीन जीत हासिल की और बृहस्पतिवार को तीसरे दौर में इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-1, 7-5 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की की। इस 32 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने करियर की सर्वश्रेष्ठ तीसरी रैंकिंग हासिल की थी। इसे वह अपने करियर के लिए बड़ी उपलब्धि मानती हैं।

खिलाड़ियों के विद्रोह से बीपीएल अधर में, नजमुल पर हुई कार्रवाई

ढाका, एजेंसी

संकट से जूझ रहे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) पर उसकी शीर्ष टी20 लीग के रुकने का खतरा मंडरा रहा था जब सीनियर राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने निदेशक नजमुल इस्लाम को अपमानजनक टिप्पणियों के लिए बर्खास्त नहीं करने पर बोर्ड के खिलाफ विद्रोह कर दिया। बीसीबी ने हालांकि उन्हें अपनी वित्त समिति के प्रमुख के पद से हटा दिया।

बीसीबी के अहम पद से नजमुल को हटाए जाने के बावजूद बृहस्पतिवार को होने वाले बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के दो मैच स्थगित कर दिए गए और खिलाड़ियों के कड़े रुख के कारण टूर्नामेंट अनिश्चितताओं से घिर गया है। बीपीएल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ी बीसीबी निदेशक के पद से नजमुल को तुरंत हटाने की अपनी मांग पर एकजुट थे। खिलाड़ियों और जनता के दबाव में बीसीबी को कार्रवाई करनी पड़ी और नजमुल को बोर्ड की वित्त समिति के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया। नजमुल हालांकि बोर्ड के निदेशक बने हुए हैं और अनुशासनात्मक कारणों से उन्हें इस पद से हटाया जा सकता है। यह हंगामा तब शुरू हुआ जब नजमुल ने 'सुरक्षा चिंताओं' के कारण अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से बांग्लादेश के इनकार को दोहराते हुए देश के टूर्नामेंट से हटने पर खिलाड़ियों की पारिश्रमिक से जुड़ी चिंताओं को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने अब तक मिले समर्थन को सही साबित नहीं किया है और एक भी आईसीसी प्रतियोगिता नहीं जीत पाए हैं। इस बयान से काफी हंगामा हुआ और सीडब्ल्यूएबी ने उन्हें तुरंत हटाने की मांग की। बीसीबी ने नजमुल को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया। बीसीबी ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड बोर्ड के एक सदस्य द्वारा हाल ही में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों पर अपना खेद फिर दोहराता है। बीसीबी इन टिप्पणियों से हुई चिंता को स्वीकार करता है और क्रिकेटरों के प्रति सम्मान के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराता है।

> बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड यह सूचित करना चाहता है कि हाल के घटनाक्रमों की समीक्षा के बाद और संगठन के सर्वोत्तम हित में बीसीबी अध्यक्ष ने नजमुल इस्लाम को वित्त समिति के अध्यक्ष के रूप में उनकी जिम्मेदारियों से तत्काल प्रभाव से मुक्त करने का फैसला किया है। अगले आदेश तक बीसीबी अध्यक्ष वित्त समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष का पद संभालेंगे। बीसीबी दोहराता है कि क्रिकेटरों के हित उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। बोर्ड अपने अधिकार क्षेत्र के तहत खिलाड़ियों के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।
>
> –बीसीबी